

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I-खण्ड 1

PART I—Section 1 प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 153]	नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जून 19, 2014/ज्येष्ठ 29, 1936
No. 153]	NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 19, 2014/JYAISTHA 29, 1936

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 जून, 2014

प्रारंभिक जांच परिणाम

विषय:- चीन जन.गण. यूरोपियन यूनियन, कोरिया आरपी और थाईलैंड में उदभवित अथवा वहां से निर्याति "प्योरीफाइड टैरेपथैलिक एसिड" (पीटीए) के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच।

सं.14/7/2013-डीजीएडी : समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम, 1975 (जिसे एतद्पश्चात अधिनियम कहा गया है) और उसके अंतर्गत बने समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क प्रशुल्क (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतद्पश्चात नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते ह्ए;

1. यतः मैसर्स एमसीसी पीटीए इंडिया कार्य प्राइवेट लिमिटेड (एम सी पी आई) और मैसर्स रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) (जिन्हें एतद्पश्चात आवेदन कहा गया है) ने निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे एतद्पश्चात प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष संयुक्तरूप से एक आवेदनपत्र चीन जन.गण., यूरोपियन यूनियन, कोरिया आरपी तथा थाईलैंड (जिन्हें एतद्पश्चात संबद्ध कहा गया है) में उदभवित अथवा वहां से निर्यातित प्योरीफाइड टैरेयथैलिक एसिड (जिन्हें एतद्पश्चात संबद्ध वस्तु या पीटीए कहा गया है) के आयातों से संबंधित एक पाटनरोधी जांच, अधिनियम एवं नियमों के अनुसार आरंभ करने के लिए

पाटन एवं उसके परिणामस्वरूप हुई क्षिति का आरोप लगाते हुए तथा संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क का उदग्रहण करने का अनुरोध करते हुए दायर किया है।

- 2. और यत:, प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर नियमावली के उपनियम 5 के अनुसार संबद्ध जांच प्रारंभ करते हुए दिनांक 8 अक्तूबर, 2013 को की अधिसूचना सं. 14/7/2013-डीजीएडी के तहत एक सार्वजनिक नोटिस जारी किया जिसे भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित किया गया ताकि आरोपित पाटन की मौजूदगी मात्रा एवं प्रभाव का निर्धारण किया जा सके और पाटनरोधी शुल्क की उस राशि की सिफारिश की जा सके, जिसे यदि लागू किया गया तो वह घरेलू उदयोग की क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगी।
- क. प्रक्रिया
- 3. वर्तमान जांच के संबंध में प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित वर्णित प्रक्रिया का अन्सरण किया गया है।
- (i) प्रमुख नियमावली के नियम 5 उप-नियम (5) के अनुसार जांच की कार्रवाई प्रारंभ करने से पहले पाटनरोधी आवेदन की प्राप्ति के संबंध में प्राधिकारी ने भारत में चीन जन.गण. यूरोपियन यूनियन, कोरिया आरपी और थाईलैंड के राजदूतवासों/प्रतिनिधियों को सूचित किया।
- (ii) प्रमुख नियमावली के नियम 5 के उप-नियम 5 के उपबंधों के अलावा भारत और कोरिया आरपी के बीच व्यापक आर्थिक भागीदारी करार (सीईपीए) के अनुच्छेद 2.14 के उपबंधों के अनुसार संबद्ध आवेदन की प्राप्ति के बारे में कोरिया आरपी की सरकार को भारत स्थित उसके राजदूतावास के जरिए सूचित किया गया।
- (iii) प्राधिकारी ने दिनांक 8 अक्तूबर, 2013 की जांच शुरूआत अधिसूचना की एक प्रति भारत में चीन जन.गण., यूरोपियन यूनियन, कोरिया आरपी और थाईलैंड के राजदूतावासों, चीन जन.गण., यूरोपियन यूनियन, कोरिया आरपी और थाईलैंड के ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों, ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं और घरेलू उद्योग को आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए पते के अनुसार प्रेषित की और उनसे अनुरोध किया कि वे इस जांच शुरूआत अधिसूचना के 40 दिनों के अंदर अपने विचारों से लिखित रूप में अवगत कराएं।
- (iv) प्राधिकारी ने प्रमुख नियमावली के नियम 6(3) के अनुसार इस आवेदन के अगोपनीय रूपांतर की एक प्रति ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों और भारत में संबद्ध देशों के राजदूतावासों/प्रतिनिधियों ने उपलब्ध कराई।
- (v) नियमावली के नियम 6(2) के अनुसार इस जांच की शुरूआत के बारे में चीन जन.गण., यूरोपियन यूनियन, कोरिया आरपी और थाईलैंड के भारत स्थित राजदूतावासों/प्रतिनिधियों को इस अनुरोध के साथ सूचित किया गया कि वे अपने देशों के निर्यातकों/उत्पादकों को विहित समय-सीमा के अंतर्गत प्रश्नावली का प्रत्युत्तर देने की सलाह दें। उत्पादकों/निर्यातकों के प्रेषित पत्र एवं प्रश्नावली की एक प्रति चीन जन.गण., यूरोपियन यूनियन, कोरिया आरपी और थाईलैंड के जात उत्पादकों/निर्यातकों के नाम एवं पते सहित उन्हें भी प्रेषित की गई।
- (vi) प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार चीन जन.गण., यूरोपियन यूनियन, कोरिया आरपी और थाईलैंड के निम्नलिखित ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को संगत सूचना प्रदान करने के लिए निर्यातक प्रश्नावली प्रेषित की :
 - क. बीपी झ्हाई कैमिकल कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण.
 - ख. जियांग्ल् पेट्रोकैमिकल्स कंपनी लिमिटेड चीन जन.गण.
 - ग. जियाक्सिंग पैट्रोकैमिकल्स कंपनी लिमिटेड चीन जन.गण.
 - घ. झेजियांग यिशेंग पेट्रोकैमिकल कंपनी लिमिटेड चीन जन.गण.
 - ङ. झेजियांग युझानडांग पेट्रोकैमिकल, चीन जन.गण.

- च. यिशंग दाह्आ पेट्रोकैमिकल कंपनी लिमिटेड चीन जन.गण.
- छ. हेंग्ली पेट्रोकैमिकल, चीन जन.गण.
- ज जिनान शिजिटा न्ग्डा कैमिकल कंपनी लिमिटेड चीन जन.गण.
- झ. सैमसंग टोटल पेट्रोकैमिकल्स कंपनी लिमिटेड, कोरिया आरपी
- ञ सैमसंग पेट्रोकैमिकल्स कंपनी लिमिटेड, कोरिया आरपी
- ट. हयोशुंग पैट्रोकैमिकल कोरिया आरपी
- ठ. हयोश्ंग कारपोरेशन कोरिया आरपी
- ड. टैकवैन्ग इंडस्ट्रियल कंपनी लिमिटेड, कोरिया आरपी
- ढ. होनाम पेट्रोकैमिकल कारपोरेशन, कोरिया आरपी
- ण. सामयांग कारपोरेशन, कोरिया आरपी
- त. सैमनाम पेट्रोकैमिकल कंपनी लिमिटेड, कोरिया आरपी
- थ. एस.के. पेट्रोकैमिकल, कोरिया आरपी
- द. लोहे कैमिकल, कोरिया आरपी
- ध. इंडोरामा पेट्रोकैम लिमिटेड, थाईलैंड
- न. टीपीटी पेट्रोकैमिकल्स पीसीएल, थाईलैंड
- प. सियम मित्स्ई पीटीए कंपनी लिमिटेड, थाईलैंड
- फ. बीपी कैमबेल एन बी बेल्जियम
- ब. सेप्सा क्दूमिका एसए स्पेन
- भ. लोहे कैमिकल यू.के. लिमिटेड, यूनाइटेड किंगडम
- म. बी पी कैमिकल्स लिमिटेड, यूनाइटेड किंगडम
- य. आर्टलान्ट पीटीए पूर्तगाल
- कक. पी के एन ओरलेन एसए पौलेंड
- (vii) संबद्ध देशों के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने विहित प्रपत्र में निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किया :
 - क. इंडोरामा पेट्रोकेम लिमिटेड, थाईलैंड
 - ख. टीपीटी पेट्रोकैमिकल्स पब्लिक लिमिटेड, थाईलैंड
 - ग. सैमसंग सी एंड टी कारपोरेशन, कोरिया आरपी
 - घ. सैमसंग पेट्रोकैमिकल्स कपंनी लिमिटेड, कोरिया आरपी, अब सैमसंग जनरल कैमिकल्स कंपनी लिमिटेड
 - ङ. एस के पेट्रोकैमिकल इंक, कोरिया आरपी (उत्पादक) को मित्सुबिशी कारपोरेशन जापान (निर्यातक) के साथ
 - च. टैक्बांग इंडस्ट्रियल कंपनी लिमिटेड, कोरिया आरपी

- छ. ह्योसंग कारपोरेशन, कोरिया आरपी
- ज झेजियांग भिशंग पेट्रोकैमिकल कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण.
- झ. निंग्बो हेंग्मी ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण.
- (viii) चीन के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने बाजार अर्थव्यवस्था दर्ज प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किया :
 - क. झेजियांग यिशेंग पेट्रोकैमिकल कंपनी लिमिटेड
 - ख निंग्बो हेंग्यी ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड
 - ग. यिशंग दाह्आ पेट्रोकैमिकल कंपनी लिमिटेड
 - घ. हैनान यिशिंग पेट्रोकैमिकल कंपनी लिमिटेड
- (ix) प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगते हुए भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को आयातक प्रश्नाविलयां प्रेषित कीं :
 - क. बेलनोन पोलिएस्टर लिमिटेड, मुंबई
 - ख. जे बी एफ इंडस्ट्रीज लिमिटेड, म्ंबई
 - ग. आलोक इंडस्ट्रीज लिमिटेड, मुंबई
 - घ इंडो रामा सिंथेटिक्स (इंडिया), लिमिटेड, गुड़गांव, हरियाणा
 - ड. दि बाम्बे डाइंग एंड मैन्यूफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड, मुंबई
 - च. धुनसेरी पैट्रोकेम एंड टी लिमिटेड, कोलकाता
 - छ. गार्डन सिल्क मिल्स लिमिटेड, मुंबई
 - ज. फिलाटेक्स इंडिया लिमिटेड, नई दिल्ली
 - झ. जिंदल पाली फिल्म लिमिटेड, नई दिल्ली
 - ञ. नकोदा लिमिटेड, मुंबई
 - ट. स्मीत इंडस्ट्रीज लिमिटेड, सूरत
 - ठ. राज रेयान इंडस्ट्रीज लिमिटेड, मुंबई
 - ड. एसोसिएशन आफ सिंथेटिक फाइबर इंडस्ट्रीज (एएसएफआई) नई दिल्ली
 - ढ. पीटीए यूजर्स एसोसिएशन आफ इंडिया, नई दिल्ली
- (x) भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित आयातकों/प्रयोक्ताओं से विहित प्रपत्र में आयातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर प्राप्त हुआ :
 - क. ध्नसेरी पेट्रोकेम एंड टी लिमिटेड
 - ख. आलोक इंडस्ट्रीज लिमिटेड
 - ग. दि बांबे डाइंग एंड मैन्यूफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड
 - घ. जिंदल पाली फिल्म्स लिमिटेड

- ङ जेबीएफ इंडस्ट्रीज लिमिटेड
- च. वेलनोन पालिएस्टर्स लिमिटेड
- छ. इंडोरामा सिन्थेटिक्स (इंडिया) लिमिटेड
- ज. सुमीत इंडस्ट्रीज लिमिटेड
- (xi) घरेलू उद्योग तथा निम्नलिखित हितबद्ध पक्षकारों द्वारा जांच शुरुआत पश्चात प्रस्तुतिकरण भी किए गए :
 - क. ध्नसेरी पेट्रोकेम एंड टी लिमिटेड
 - ख. पालिएस्टर फिल्म इंडस्ट्रीज एसोसिएशन
 - ग. पीटीए यूजर्स एसोसिएशन
 - घ. दि सदर्न इंडिया मिल्स एसोसिएशन (एसआईएमए)
 - ङ. एसोसिएशन आफ सिंथेटिक फाइबर इंडस्ट्री
 - च. सैमसंग पेट्रोकैमिकल कंपनी लिमिटेड
 - छ. हयोसंग कारपोरेशन
 - ज. एस के पेट्रोकैमिकल कंपनी लिमिटेड
 - झ. टैक्वांग इंडस्ट्रियल कंपनी लिमिटेड
 - ञ. इंडोरामा पेट्रोकेम लिमिटेड
 - ट. टीपीटी पेट्रोकैमिकल्स पब्लिक लिमिटेड कंपनी
 - ठ. बीपी कैमबेल एन वी, ईयू
 - ड. बी पी अरोमैटिक्स ईयू
 - बी पी ज्हाई कैमिकल कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण.
- (xii) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों का अगोपनीय रूपांतरण सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराया जिसे हितबद्ध द्वारा निरीक्षण हेत् खुला रखा गया।
- (xiii) वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआई एंड एस) से संबद्ध वस्तु के पिछले तीन वर्षों और जांच की अविध के दौरान किए गए आयातों का विवरण उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया। प्राधिकारी इस जांच परिणाम में डीजीसीआई एंड एस द्वारा प्रदान कराए गए आंकड़ों पर भरोसा किया गया है।
- (xiv) सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) और पाटनरोधी नियमावली के नियम III के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार भारत में संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत और उसे बनाने तथा बेचने की लागत के आधार पर क्षतिरहित कीमत निकाली गई है तािक यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम तर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।
- (xv) याचिकाकर्ता कंपनियों द्वारा प्रदान कराई गई सूचना का सत्यापन प्राधिकारी द्वारा आवश्यक समझी गई सीमा तक किया गया। वर्तमान प्रारंभिक जांच परिणाम में प्रयोजनार्थ, जहां कहीं लागू हुआ, केवल इस तरह सत्यापित सूचना, आवश्यक संशोधनों सहित, पर भरोसा किया गया।

- (xvi) वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच की अविध 01 अप्रैल, 2012 से 31 मार्च, 2013 (12 माह) है। तथापि क्षिति जांच अविध को 1 अप्रैल, 2009 से जांच की अविध की समाप्ति तक अर्थात 2009-10, 2010-11, 2011-12 और जांच की अविध को अविध के रूप में माना गया है।
- (xvii) जहां कहीं किसी हितबद्ध पक्षकार के वर्तमान जांच की कार्रवाई के दौरान आवश्यक सूचना तक पहुंच की मनाही की है अथवा अन्यथा उपलब्ध नहीं कराई है, अथवा जांच में भारी व्यवधान डाला है, वहां प्राधिकारी ने ऐसे हितबद्ध पक्षकार को असहयोगकर्ता के रूप में मान लिया और प्रारंभिक जांच परिणाम उपलब्ध तथ्यों के आधार पर रिकार्ड किए हैं।
- (xviii) हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदत्त सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के बारे में की गई थी। संतुष्ट होने के उपरांत प्राधिकारी ने अपेक्षानुसार गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना गोपनीय मानी गई है और इसका प्रकटन अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं किया गया है। जहां संभव हुआ है, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदाता पक्षकारों को यह निर्देश दिया गया था कि वे गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध कराएं और उसे नियमावली के अनुसार प्राधिकारी द्वारा अनुरक्षित सार्वजनिक फाइल में रखा गया।
- (xix) *** यह चिन्ह इस प्रारंभिक जांच परिणाम में किसी हितबद्ध द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का द्योतक है और प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमानुसार उसे गोपनीय ही माना है।
- (XX) वर्तमान जांच के लिए अपनाई गई विनिमय दर 1 अमरीकी डालर = 54.65 रुपए है।
- ख. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्त्
- 4. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद (पीयूसी) प्योरी फाइड टैरेफ्थैलिक एसिड (पीटीए), अपने सभी प्राकारान्तरों मीडियम क्वालिटी टैरेफ्थैलिक एसिड (एमटीए) और क्वालीफाइड टैरेफ्थैलिक एसिड (क्यूटीए) सहित है। प्योरीफाइड टैरेफ्थैलिक एसिड (पीटीए) एक सफेद फ्री फ्लोइंग क्रिस्टलाइन पाउडर है, जो किसी भी दृष्टिगोचर संदूषण से मुक्त है। टैरेफ्थैलिक एसिड एक कार्बनिक यौगिक होता है जिसका रासायनिक फार्मूला सी6 एच4 (सी ओ ओ एच) 2 होता है। यह 402 डिग्री सी पर उत्साहित हो जाता है और यह जल एवं अल्कोहल में कम घुलनशील है। पीटीए पालिएस्टर चिप्स बनाने के लिए प्राथमिक कच्चा माल है जिसका प्रयोग टैक्सटाइल्स, पैकेजिंग, फर्निशिमस, उपभोक्ता वस्तुओं, रेजिन्स और कोटिंग्स में कई अनुप्रयोगों हेतु प्रयोग किया जाता है। चूंकि क्यूटीए, एमटीए और पीटीए रासायनिक रूप से समान उत्पाद हैं और चूंकि उनका प्रयोग अंतर्निमेय रूप से किया जाता है, इसलिए विचाराधीन उत्पाद के दायरे में क्यूटीए और एमटीए को भी शामिल किया जाता है। आवेदकों द्वारा किए गए दावे के अनुसार डाइ-मिथाइल टैरेफ्थालेट (डीएमटी) रासायनिक रूप से एक भिन्न उत्पाद है और इसलिए यह विचाराधीन उत्पाद के दायरे के अंतर्गत नहीं आता है। विचाराधीन उत्पाद को सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम के उपशीर्षक संख्या 29173600 के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है। तथापि, यह वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और यह किसी भी रूप में वर्तमान जांच के दायरे के अंतर्गत बाध्यकारी नहीं है।
- 5. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए प्रस्तुतिकरण निम्नलिखित हैं :
- (i) प्योरीफाइड टैरेफ्थैलिक एसिड (पीटीए) एक सफेद फ्री फ्लोइंग क्रिस्टलाइन पाउडर है, जो किसी भी दृष्टिगोचर संदूषण से मुक्त है (जिसे एतद्पश्चात विचाराधीन उत्पाद अथवा पीटीए कहा गया है) है। पीटीए एक सफेद फ्री फ्लोइंग क्रिस्टलाइन पाउडर होता है, जो सभी तरह के दृष्टिगत संदूषणों से मुक्त होता है। इसे सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम के उपशीर्षक संख्या 2917 3600 के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है। टैरेफ्थैलिक एसिड एक कार्बनिक यौगिक होता है जिसका रासायनिक फार्मूला सी6 एच4 (सी ओ ओ एच) 2 होता है। यह 402 डिग्री सी पर उत्साहित हो जाता है और यह जल एवं अल्कोहल में कम घुलनशील है। पीटीए पालिएस्टर चिप्स बनाने के लिए

प्राथमिक कच्चा माल है जिसका प्रयोग टैक्सटाइल्स, पैकेजिंग, फर्निशिमस, उपभोक्ता वस्तुओं, रेजिन्स और कोटिंग्स में कई अनुप्रयोगों हेतु प्रयोग किया जाता है। एमटीए और क्यूटीए रासायनिक रूप से पीटीए के समान ही होते हैं। पीटीए, एमटीए और क्यूटीए के बीच अंतर क्यूटीए और एमटीए में मौजूद अशुद्धता के स्तर में होता है। पीटीए, एमटीए और क्यूऔए का उत्पादन समान प्रौद्योगिकी, संयंत्र एवं उपकरण, विनिर्माण प्रक्रिया, कच्चे माल का प्रयोग करके किया जाता है। तीनों समान कार्यों का निष्पादन करते हैं। यह सभी समान सीमाशुल्क वर्गीकरण के अंतर्गत आते हैं। तीनों उत्पादों के बीच अंतर केवल अशुद्धताओं के स्तर में होता है। वास्तव में, उत्पादक जैसे एस के कैमिकल एमटीए का उत्पादन करते हैं परंतु साहित्य में उसका उल्लेख पीटीए किया जाता है।

(ii) डाइ-मिथायल टैरेफ्थालेट (डीएमटी) रासायनिक रूप से पीटीए से भिन्न उत्पाद है। डीएमओ और पीटीए के उत्पाद प्रौद्योगिकी, विनिर्माण प्रक्रिया, संयंत्र एवं उपकरण, कच्चा माल, तकनीकी विनिर्देशन अलग-अलग है। तथापि, डीएमटी और पीटीए का प्रयोग विभिन्न अनुप्रयोगों में अंतर्निमेय रूप से किया जाता है। तथापि, डीएमटी को सभी प्रयोगों में पीटीए के स्थान पर/प्रतिस्थानी के रूप में प्रयोग नहीं किया जा सकता। भारत में डीएमटी का न तो उत्पादन होता है और न ही भारत में डीएमटी का आयात किया जाता है। वर्तमान याचिका पीटीए (इसके सभी प्राकारान्तरों एमटीए और क्यूटीए सिहत) पर पाटनरोधी शुल्क के लिए है और यह याचिका भारत में पीटीए के उत्पादकों द्वारा दायर की गई है। डीएमटी वास्तव में एक ऐसा उत्पाद है जिसको चरणबद्ध रूप समाप्त कर दिया गया है और डीएमटी के स्थान पर पीटीए को प्रतिस्थानी कर दिया गया है। चूंकि इसका भारत में उत्पादन नहीं होता है/और न ही भारत में इसका आयात किया जाता है इसलिए उत्पाद के दायरे में डीएमटी शामिल नहीं है। चूंकि क्यूटीए, एमटीए और पीटीए रासायनिक रूप से समान उत्पाद है और इसके अतिरिक्त, चूंकि उनका प्रयोग अंतर्निमेय रूप से किया जाता है, इसलिए विचाराधीन उत्पाद के दायरे में क्यूटीए और एमटीए को समान रूप से शामिल किया जाता है।

निर्यातकों, आयातकों, उपभोक्ताओं तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रस्त्तिकरण

- 6. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा कोई भी प्रस्तुतिकरण नहीं किया गया है। प्राधिकारी द्वारा जांच
- 7. विचाराधीन उत्पाद के दायरे के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए तथा प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए प्रस्तुतिकरणों की जांच एवं उनका समाधान निम्नलिखित है:
- (i) वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद, प्राधिकारी द्वारा जांच शुरुआत अधिसूचना में यथाप्रस्तावित वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद (पीयूसी) प्योरी फाइड टैरेफ्थैलिक एसिड (पीटीए), अपने सभी प्राकारान्तरों मीडियम क्वालिटी टैरेफ्थैलिक एसिड (एमटीए) और क्वालीफाइड टैरेफ्थैलिक एसिड (क्यूटीए) सहित है। प्योरीफाइड टैरेफ्थैलिक एसिड (पीटीए) एक सफेद फ्री फ्लोइंग क्रिस्टलाइन पाउडर है, जो किसी भी दृष्टिगोचर संदूषण से मुक्त है। टैरेफ्थैलिक एसिड एक कार्बनिक यौगिक होता है जिसका रासायनिक फार्मूला सी6 एच4 (सी ओ ओ एच) 2 होता है। यह 402 डिग्री सी पर उत्साहित हो जाता है और यह जल एवं अल्कोहल में कम घुलनशील है। पीटीए पालिएस्टर चिप्स बनाने के लिए प्राथमिक कच्चा माल है जिसका प्रयोग टैक्सटाइल्स, पैकेजिंग, फर्निशिमस, उपभोक्ता वस्तुओं, रेजिन्स और कोटिंग्स में कई अनुप्रयोगों हेतु प्रयोग किया जाता है। चूंकि क्यूटीए, एमटीए और पीटीए रासायनिक रूप से समान उत्पाद हैं और चूंकि उनका प्रयोग अंतर्निमेय रूप से किया जाता है, इसलिए विचाराधीन उत्पाद के दायरे में क्यूटीए और एमटीए को भी शामिल किया जाता है। आवेदकों द्वारा किए गए दावे के अनुसार डाइ-मिथाइल टैरेफ्थालेट (डीएमटी) रासायनिक रूप से एक भिन्न उत्पाद है और इसलिए यह विचाराधीन उत्पाद के दायरे के अंतर्गत नहीं आता है। विचाराधीन उत्पाद को सीमाश्ल्क प्रशूल्क अधिनियम के उपशीर्षक संख्या 29173600 के

अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है। तथापि, यह वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और यह किसी भी रूप में वर्तमान जांच के दायरे के अंतर्गत बाध्यकारी नहीं है।

- (ii) आवेदक द्वारा यथा दावाकृत डाइमिथायल टैरेफ्थालेट (डीएमटी) रासायनिक रूप से एक भिन्न उत्पाद है और इसलिए वह विचाराधीन उत्पाद के दायरे के अंतर्गत नहीं आता है।
- (iii) समान वस्त् के संबंध में पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) में निम्नलिखित प्रावधान है :
 - "समान वस्तु" का तात्पर्य ऐसी किसी वस्तु से है जो भारत में पाटन किए जाने हेतु जांचाधीन वस्तु के हर तरह से समनुरूप अथवा समान है अथवा ऐसी वस्तु के अभाव में ऐसी दूसरी वस्तु से है जो यद्यपि हर प्रकार से समान नहीं है तथापि उसमें जांचाधीन वस्तु से अत्यधिक मिलती-ज्लती विशेषताएं हैं।
- (iv) प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु तथा संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तु गुणधर्मों जैसे भौतिक एवं रासायनिक गुणधर्म, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, प्रकार्यों एवं प्रयोगों, उत्पाद विनिर्देशनों, कीमत निर्धारण, वितरण एवं विपणन तथा वस्तु के प्रशुल्क वर्गीकरण के रूप में तुलनीय है। दोनों ही तकनीकी रूप से एवं वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय है। उपभोक्तागण इनका प्रयोग अंतर्निमेय रूप से कर रहे है। विचाराधीन उत्पाद का आयात करने वाले उपभोक्ताओं ने इसकी घरेलू उद्योग से खरीद भी की है। उपर्युक्त के मद्देनजर, घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु को संबद्ध देशों से आयातित विचाराधीन उत्पाद को नियमों के अनुसार घरेलू समान वस्तु के रूप में माना जा रहा है।
- ग. घरेलू उद्योग का दायरा एवं आधार

निर्यातकों, आयातकों, प्रयोक्ताओं तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रस्त्तिकरण

- 8. घरेलू उद्योग के दायरे एवं आधार के संबंध में इस जांच की कार्रवाई के दौरान उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों दवारा किए गए और प्राधिकारी दवारा संगत माने गए प्रस्तृतिकरण निम्नलिखित हैं :
- (i) आईओसीएल, जो संबद्ध वस्तु का एक घरेलू उत्पादक है, ने इस याचिका का समर्थन नहीं किया है।
- (ii) एमसीसी पीटीए इंडिया कार्प प्राइवेट लिमिटेड (एमसीपीआई) नियम 2(ख) के अंतर्गत घरेलू उद्योग के भाग के रूप में माने जाने के लिए अर्ह नहीं है क्योंकि वह अपनी शेयरधारिता के कारण मित्सुबिशी कारपोरेशन, जापान, मित्सुबिशी कारपोरेशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, मरूबेगी कारपोरेशन, जापान, सामयांग कारपोरेशन, कोरिया आरपी और साम नाम पेट्रोकैमिकल कंपनी लिमिटेड, कोरिया आरपी से संबद्ध है।
- (iii) एमसीसी पीटीए इंडिया कार्प. इंडिया लिमिटेड (एमसीपीआई) मित्सुबिशी कारपोरेशन, जापान की एक 100 प्रतिशत अनुषंगी है। मित्सुबिशी कारपोरेशन क्षति अविध में संबद्ध देशों से अधिप्रापण करके भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात करने में संलिप्त रहा है। मित्सुबिशी कारपोरेशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एमसीपीआईएल) ने इनका आयात किया और भारत में उनकी बिक्री की। मित्सुबिशी कारपोरेशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एमसीपीआईएल) एमसीसी पीटीए इंडिया कार्प. प्राइवेट लिमिटेड (एमसीपीआई) का भारत में एजेंट के रूप में कार्य कर रहा था।
- (iv) निर्यातक (मित्सुबिशी कारपोरेशन एमसी), आयातक (मित्सुबिशी कारपोरेशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड एमसीपीआईएल) और याचिकाकर्ता (एमसीसी पीटीए इंडिया कार्प. प्राइवेट लिमिटेड एमसीपीआई) को मित्सुबिशी गुप द्वारा नियंत्रित किया जाता है और इसलिए एमसीपीआई संबद्ध वस्तु के एक निर्यातक और आयातक से संबद्ध है।

- (v) मित्सुबिशी कारपोरेशन की एमसीसी पीटीए इंडिया कार्प. प्राइवेट लिमिटेड (एमसीपीआई) में भारी शेयरधारिता है और वह अपनी एक पूर्णस्वामित्व वाली सहायक कंपनी एमसीपीआईएल को एक बिक्री एजेंट के रूप में नियुक्त करने के लिए एमसीपीआई पी दबाव डाल रहा है जिससे कि उसे लाभ हो सके।
- (vi) मरूबेणी कारपोरेशन एमसीपीआईएल के शेयरधारक, एमसीपीआईएल का बिक्री एजेंट है और वह संबद्ध वस्तु का एक आयातक है। मरूबेणी एवं एमसी द्वारा संबद्ध वस्तु का भारी मात्रा में आयात/निर्यात किया जाता है। इसलिए एमसीपीआई को अयोग्य ठहरा दिया जाना चाहिए।
- (vii) सामा नाम पेट्रोकैमिकल कंपनी लिमिटेड कोरिया पर एमसीसी और सामयांग कारपोरेशन, कोरिया का नियंत्रण है क्योंकि उनका साम नाम में 80 प्रतिशत शेयर है। इसलिए एमसीसी पीटीए इंडिया कार्प. प्राइवेट लिमिटेड (एमसीपीआई) और सामयंग दोनों संबद्ध कंपनियां हैं।
- (viii) एमसीसी जापान की साम नाम पेट्रोकैमिकल कंपनी लिमिटेड में सबसे बड़ी शेयरधारिता (40 प्रतिशत) है और इसलिए उसका साम नाम पर नियंत्रण है। एमसीसी जापान ने उसका उल्लेख एक अनुषंगी कंपनी के रूप में किया है।
- (ix) एमसीसी पीटीए इंडिया कार्प. प्राइवेट लिमिटेड से संबद्ध निर्यातक अपने संबद्ध आयातक के लिए जानबूझकर कम कीमत पर निर्यात करते हैं और आयातक को इन आयातों पर लाभ होता है।
- (x) एमसीसी पीटीए इंडिया कार्प. प्राइवेट लिमिटेड ने इसकी सहबद्धता का सुलासा नहीं किया है अथवा यह स्पष्टीकरण नहीं दिया है कि एमसी नियमित आधार पर भारी मात्रा में निर्यात क्यों करता है।
- (xi) मित्सुबिशी कैमिकल कारपोरेशन का एमसीसी पीटीए में 66 प्रतिशत शेयर है और साम नाम पेट्रोकैमिकल्स, कोरिया में उसका 40 प्रतिशत शेयर है। एमसीसी द्वारा धारित इस शेयर के कारण उसका एससीसी पीटीए और साम नाम पेट्रोकैमिकल्स के प्रचालनों तथा उसके अधिशासी निर्णयों में भी उसका नियंत्रण होता है। साम नाम पेट्रोकैमिकल्स इस जांच में एक नामित निर्यातक है, इसलिए नियम 2(ख) के स्पष्टीकरण के उपखंड (i) (ख) के अनुसार एमसीसी पीटीए, एमसीसी और साम नाम पेट्रोकैमिकल्स कोरिया के बीच यह संबंध स्पष्टतः एमसीसी पीटीए का घरेलू उद्योग की परिभाषा से अपवर्जन कर देगा।
- (xii) क्षिति अविध के दौरान मलेशिया से आयातों में वृद्धि हुई है। चूंकि रिलायंस इंडस्ट्रीज ने बीपी कैमिकल्स (मलेशिया) एसडीएनबीएचडी (बीपीसीएम) में 100 प्रतिशत पण प्राप्त कर लिया है, इसलिए निष्कर्ष यह है कि पीटीए के कच्चे माल को मलेशिया भेजा गया और उसे पीटीए में संपरिवर्तित किया गया और फिर उसका भारत में पुन: आयात करके उसकी भारत में बिक्री की गई। इस संयंत्र से दिसम्बर, 2012 द्व जुलाई, 2013 के दौरान भारत को लगभग 19228 एमटी की बिक्री की गई।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण

- 9. घरेलू उद्योग के दायरे एवं आधार के संबंध में जांच की कार्रवाई के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए प्रस्त्तिकरण निम्नलिखित हैं :
- (i) आईओसीएल के संबंध में यह तथ्य कि इसने वर्तमान याचिका का समर्थन नहीं किया है, प्राधिकारी को जांच की कार्रवाई से निवारित नहीं करता है। निर्दिष्ट प्राधिकारी को केवल यह जांच करना होता है कि क्या (क) आवेदन का अभिव्यक्त रूप से समर्थन करने वाले घरेलू उत्पादकों का उत्पादन घरेलू उद्योग द्वारा समान वस्तु के कुल उत्पाद के पच्चीस प्रतिशत से अधिक है; और (ख) आवेदन का समर्थन उन घरेलू उत्पादकों द्वारा किया गया जिनका साम्हिक उत्पादन, घरेलू उद्योग के आवेदन का समर्थन अथवा उसका विरोध करने वाले उत्पादकों द्वारा संबद्ध वस्तु के उत्पादन के पचास प्रतिशत से अधिक है या नहीं।

(ii) एमसीसी पीटीए कार्प. इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एमसीपीआई) की शेयरधारित पद्धित निम्नलिखित है :

क्र.सं.	शेयरधारक	शेयरधारिता
1	मित्सुबिशी कैमिकल कारपोरेशन, जापान	66%
2	मित्सुबिशी कारपोरेशन	10%
3	सोजिटज कारपोरेशन	8%
4	मरूबेणी कारपोरेशन	6%
5	टोयोटा ट्सुशो	5%
6	वेस्ट बंगाल इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कारपोरेशन	5%

(iii) कोरिया के उत्पादकों में से एक उत्पादक अर्थात् मैसर्स साम नाम पेट्रोकैमिकल कंपनी लिमिटेड कोरिया की एक संयुक्त उद्यम कंपनी है जिसकी शेयर धारिता निम्नलिखित है :

क्र.सं.	शेयरधारक	शेयरधारिता
1	सामयांग कारपोरेशन, कोरिया	40%
2	जी. एस. कालेटक्स, कोरिया	20%
3	मित्सुबिशी कैमिकल कारपोरेशन, जापान	40%

- (iv) मित्सुबिशी कैमिकल कारपोरेशन जापान का एमसीसी पीटीए कार्प. प्राइवेट लिमिटेड, भारत में 66 प्रतिशत शेयर तथा साम नाम पेट्रोकैमिकल कंपनी लिमिटेड, कोरिया में 40 प्रतिशत शेयर है। अत:, एमसीसी पीटीए कार्प. प्राइवेट लिमिटेड, भारत का सामयांग या जीएस काल्टेक्स से कोई प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष संबंध नहीं है। ये कोरियाई कंपनियां हैं।
- (v) साम नाम पेट्रोकैमिकल कंपनी लिमिटेड के *** निदेशक हैं, जिनमें से *** को *** द्वारा और *** द्वारा नामित किया गया है। एक निदेशक *** मित्सुबिशी कैमिकल कारपोरेशन, जापान द्वारा नामित किया जाता है, उसका साम नाम पेट्रोकैमिकल कंपनी लिमिटेड, कोरिया पर कोई नियंत्रण नहीं होता है। तथापि, कंपनी एमसीसी पीटीए कार्प. प्राइवेट लिमिटेड भारत पर नियंत्रण करती है। मित्सुबिशी कैमिकल्स कारपोरेशन, साम नाम पेट्रोकैमिकल कंपनी लिमिटेड को निदेश देने अथवा उस पर अन्यथा नियंत्रण करने की स्थिति में नहीं है क्योंकि इसकी शेयरधारिता में अधिकता का अभाव है।
- (vi) साम नाम पेट्रोकैमिकल कंपनी लिमिटेड ने जांच की अविध के दौरान भारत में अपने उपभोक्ताओं में से एक को *** एमटी पीटीए की बिक्री की है। इसको छोड़कर, साम नाम पेट्रोकैमिकल कंपनी लिमिटेड ने क्षिति अविध के दौरान भारत को कोई निर्यात नहीं किया है। साम नाम पेट्रोकैमिकल कंपनी लिमिटेड ने *** को यह सामग्री परीक्षण उत्पाद के रूप में प्रदान की है। मैसर्स *** प्रति वर्ष *** एमटी (*** स्ट्रीम्स) का उत्पादन करने के लिए *** में एक संयंत्र की स्थापना कर रहा है जिसमें वाणिज्यिक उत्पादन शीघ्र ही प्रारंभ होने वाला है) *** ने साम नाम पेट्रोकैमिकल कंपनी लिमिटेड से इस नए संयंत्र के लिए पीटीए खरीदने की संभावनाओं का पता लगाया है। इसलिए इस कंपनी ने साम नाम पेट्रोकैमिकल कंपनी लिमिटेड द्वारा उत्पादित उत्पाद का परीक्षण करने के लिए इस सामग्री की खरीद की। अतः, साम नाम पेट्रोकैमिकल कंपनी लिमिटेड द्वारा किया गया यह निर्यात तकनीकी

विचार के लिए एक आपवादिक लेनदेन है न कि साम नाम पेट्रोकैमिकल कंपनी लिमिटेड द्वारा किया गया एक नियमित निर्यात है।

- (vii) यह एक सुस्थापित विधिक स्थिति है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी को पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के अंतर्गत विवेकाधिकार प्राप्त है। बहरहाल, इस मामले में तथ्य स्पष्टत: यह सिद्ध करते हैं कि दोनों याचिकाकर्ता कंपनियों को नियम 2(ख) के आशय के अंतर्गत पात्र घरेलू उद्योग के रूप में समझा जाना चाहिए।
- (viii) मित्सुबिशी ग्रुप जैसा कोई सांविधिक निकाय नहीं है। इसिलए, इस बात का कोई प्रश्न ही नहीं है कि ऊपर सूचीबद्ध कंपनियों में से किसी भी कंपनी पर नियंत्रण मित्सुबिशी ग्रुप द्वारा किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, एमसीपीआई को मित्सुबिशी कारपोरेशन द्वारा नियंत्रित नहीं किया जाता है और न ही एमसीपीआई मित्सुबिशी कारपोरेशन को नियंत्रित करती है, न ही एमसीपीआई और मित्सुबिशी कारपोरेशन पर किसी तृतीय पक्षकार का नियंत्रण है। यह नहीं कहा जा सकता है कि एमसीपीआई और मित्सुबिशी कारपोरेशन नियमों के अंतर्गत संबद्ध कंपनियां हैं।
- (ix) जहां तक विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकारों के इस तर्क का संबंध है कि मरूबेणी कारपोरेशन एमसीपीआईएल का एक बिक्री एजेंट, एमसीपीआईएल का एक शेयरधारक और संबद्ध वस्तु का आयातक है, इस विचारार्थ मरूबेणी की निम्नलिखित शेयरधारिता प्रणाली प्रासंगिक है:

शेयरधारिता प्रणाली				
वित्तीय संस्थान	***0/0			
व्यक्ति	***0/0			
घरेल् निकाय	***0/0			
गैर-घरेल् निकाय	***0/0			
अन्य	***%			
प्रमुख शेयरधारक				
दि मास्टर ट्रस्ट बैंक ऑफ जापान लिमिटेड	***%			
जापान ट्रस्टी सर्विसेस बैंक लिमिटेड	***0/0			
सोम्पो जापान इन्श्योरेंस इंक	***0/0			
जे पी मार्गन चेज बैंक	***0/0			
जापान ट्रस्टी सर्विसेस बैंक	***0/0			
मैजी यशुदा लाइफ इंश्योरेंस कंपनी	***0/0			
टोकियो मैरीन एंड निकिडो फायर इंश्योरेंस कंपनी				
लिमिटेड	***%			
मिझुहो बैंक	***%			
बारकलेज सिक्योरिटीज जापान लिमिटेड	***%			
निप्पन लाइफ इंश्योरेंस कंपनी	***0/0			

- (x) अत: एमसीपीआई को मरूबेणी कारपोरेशन द्वारा नियंत्रित नहीं किया जाता है, न ही एमसीपीआई मरूबेणी कारपोरेशन को नियंत्रित करती है, न ही एमसीपीआई और मरूबेणी कारपोरेशन को तृतीय पक्षकार द्वारा नियंत्रित किया जाता है। यह नहीं कहा जा सकता है कि एमसीपीआई और मरूबेणी कारपोरेशन नियमों के अंतर्गत संबद्ध पक्षकार है।
- (xi) एमसीपीआई का पाटनरोधी नियमावली के आशय के अंतर्गत विचाराधीन उत्पाद के किसी आयातक या निर्यातक से कोई संबंध नहीं है क्योंकि उनमें से कोई भी दूसरे पर प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः नियंत्रण नहीं करता है; न ही एमसीपीआई और न ही निर्यातकों/आयातकों पर तृतीय व्यक्ति का प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः कोई नियंत्रण है; न ही एमसीपीआई और निर्यातक/आयातक एक साथ प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः तृतीय व्यक्ति पर नियंत्रण करते हैं। इसके अतिरिक्त, यह विश्वास करने अथवा संदेह करने का कोई आधार नहीं है कि इस संबंध का प्रभाव ऐसा है जो उत्पादकों को असंबद्ध उत्पादकों से भिन्न व्यवहार करने के लिए मजबूर करें।
- (xii) इस तर्क के संबंध में कि मित्सुबिशी कारपोरेशन और सैमसंग ने 1 नवम्बर, 2012 को यह समझौता किया कि वे प्रतिमाह 4000-5000 एमटी पीटीए की बिक्री/खरीद करेंगे, जो सारा का सारा भारतीय बाजारों के लिए होगा, मित्सुबिशी कारपोरेशन एमसीपीआई से संबद्ध नहीं है और इसलिए याचिकाकर्ताओं में से किसी भी का मित्सुबिशी कारपोरेशन के भारत में उत्पाद का पाटन करने के निर्णय पर कोई नियंत्रण नहीं है।
- (xiii) इस तर्क के संबंध में कि एमसीपीआई ने अपनी संबद्धता का खुलासा नहीं किया और न ही यह स्पष्ट किया कि मित्सुबिशी कारपोरेशन ने नियमित आधार पर पर्याप्त रूप से निर्यात क्यों किया एमसीपीआई मित्सुबिशी कारपोरेशन से संबद्ध नहीं है और इसलिए वह मित्सुबिशी कारपोरेशन को भारत में अपने उत्पाद की बिक्री करने से प्रतिवारित नहीं कर सकता है।
- (xiv) मलेशिया से निर्यात न्यूनतम है और इसलिए किसी एक याचिकाकर्ता कंपनी का किसी एक मलेशियाई उत्पादक के साथ संभावित संबंधी होने का मुद्दा पूरी तरह से असंगत है।

प्राधिकारी दवारा जांच

- 10. घरेलू उद्योग के दायरे एवं आधार के संबंध में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए प्रस्तुतिकरणों की जांच एवं उनका समाधान निम्नलिखित है:
- (i) यह आवेदनपत्र घरेलू उद्योग की ओर से मैसर्स एमसीसी पीटीए इंडिया कार्प. प्राइवेट लिमिटेड और मैसर्स रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा दायर किया गया है। इन दो घरेलू उत्पादकों के अलावा भारत में पीटीए का एक अन्य उत्पादक है नामश: इंडियन ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड। तथापि, पीटीए के उक्त घरेलू उत्पादक ने न तो इस आवेदन का समर्थन किया है और न ही उसका विरोध किया है। आवेदन में प्रस्तुत की गई सूचना के अनुसार मैसर्स एमसीसी पीटीए इंडिया कार्प. प्राइवेट लिमिटेड और मैसर्स रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड का उत्पादन समान उत्पाद के कुल भारतीय उत्पाद के 50 प्रतिशत से अधिक है। आवेदकों ने घोषित किया है कि विचाराधीन उत्पाद का न तो उन्होंने आयात किया है और न ही भारत में उनके किसी संबद्ध पक्षकार ने इस उत्पाद का आयात किया है। पुन: यह घोषित किया गया है कि आवेदकों का भारत में संबद्ध वस्तु के किसी भी आयातक से या संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तु के निर्यातकों से कोई संबंध नहीं है।
- (i) जहां तक हितबद्ध पक्षकारों के इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि एमसीपीआई को, निर्यातकों और/या आयातकों के साथ संबंध होने के कारण घरेलू उद्योग के एक भाग के रूप में योग्य नहीं माना जा सकता है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियम 2(ख) में यह प्रावधान है कि :

- (ख) "घरेलू उद्योग" का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न है अथवा उन उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है, परंतु जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं या वे स्वयं उसके आयातक होते हैं तो ऐसे मामले में ऐसे उत्पादकों को घरेलू उद्योग का भाग नहीं माना जाएगा।"
- (ii) विकीपीडिया में उपलब्ध जानकारी के अनुसार प्राधिकारी नोट करते हैं कि मित्सुबिशी ग्रुप जापान की स्वशासी बहुराष्ट्रीय कंपनियों का एक समूह है जो व्यवसाय की एक व्यापक शृंखला को कवर करता है और मित्सुबिशी ब्रांड, ट्रेडमार्क और लीगैसी को शेयर करती है। एमसीपीआई का "मित्सुबिशी ग्रुप" के साथ प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संबंध होने का प्रश्न ही नहीं उठता है।
- (iii) इसके अतिरिक्त प्राधिकारी "मित्सुबिशी काम" पर उपलब्ध सूचना के आधार पर यह नोट करते हैं कि "मित्सुबिशी" एक समुदाय है जिसमें स्वतंत्र कंपनियों का एक गुणक शामिल है। उनमें से अधिकांश कंपनियों के नाम में "मित्सुबिशी" शब्द का उल्लेख रहता है परंतु यह नाम सभी में नहीं होता है और अधिकांश कंपनियां थी-डायमंड मित्सुबिशी चिन्ह का प्रयोग करती हैं। परंतु इनमें से कोई भी अपने को "मित्सुबिशी नहीं कहता है। इसके अतिरिक्त, वेब आधारित वही सूचना यह उल्लेख करती है कि ये कंपनियां अपने व्यवसाय क्रियाकलाप स्वतंत्र रूप से करते हैं और कई क्षेत्रों में तो वे एक दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा भी करती हैं। चूंकि वे समान आधारभूत प्रबंधन दर्शन को शेयर करते हैं, इसलिए वे सामान्य हित के क्षेत्रों में सहयोग करते हैं जैसे खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम, और जनहित क्रियाकलाप। इन कंपनियों ने इंटरनेट पर एक मित्सुबिशी पोर्टल "मित्सुबिशी काम" नाम से स्थापित किया है जिससे मित्सुबिशी के संबंध में एक व्यापक परिदृश्य प्रदान किया जा सके। परंतु चूंकि उक्त वेब आधारित सूचना यह दर्शाती है कि इन कंपनियों में निर्णय करने वाला कोई निकाय नहीं होता है जो इन कंपनियों की समग्र नीति का निर्धारण करती हो।
- (iv) घरेलू उद्योग सहित हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर प्राधिकारी नोट करते हैं कि विभिन्न पक्षकारों, जिनके साथ एमसीपीआई के संबंधों का आरोप लगाया गया है, के शेयरधारिता प्रतिमान निम्नलिखित है:

(i) एमसीसी पीटीए इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एमसीपीआई) के शेयरधारिता प्रतिमान

नाम	शेयरधारिता %
मित्सुबिशी कैमिकल कारपोरेशन	66
मित्सुबिशी कारपोरेशन	10
सोजिटज कारपोरेशन	8
मरूबेणी कारपोरेशन	6
टोयोटा ट्युशा कारपोरेशन	5
टोयोटा बंगाल औद्योगिक विकास निगम	5

(ii) मित्सुबिशी कारपोरेशन इंडिया लिमिटेड के शेयरधारक प्रतिमान

नाम	शेयरधारिता (%)
मित्सुबिशी कारपोरेशन	100%

(iii) मित्सुबिशी कैमिकल कारपोरेशन के शेयरधारिता प्रतिमान

नाम	शेयरधारिता %
दि मास्टर ट्रस्ट बैंक आफ जापान, लिमिटेड (ट्रस्ट एकाउंट)	***
मैजी यशुदा लाइफ इंस्योरेंस कंपनी	***
जापान ट्रस्टी सर्विसेस बैंक लिमिटेड (ट्रस्ट एकाउंट)	***
निप्पन लाइफ इंस्योरेंस लिमिटेड	***
बैंक आफ टोकियो – मित्सुबिशी यू एफ जे, लिमिटेड	***
टकेडा फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड	***
टोकियो मैरीन एंड निचिडो फायर इंस्युरेंस कंपनी लिमिटेड	***
दि बैंक आफ न्यूयार्क, ट्रीटी जेएएसडीईसी एकाउंट	***
ताइयो लाइफ इंस्युरेंस कंपनी	***
जापान ट्रस्टी सर्विसेस बैंक लिमिटेड (ट्रस्ट एकाउंट)	***

(iv) मित्स्बिशी कारपोरेशन के शेयर होल्डिंग प्रतिमान

नाम	शेयरधारिता (%)
वित्तीय संस्थान	***
विदेशी कंपनियां	***
व्यक्ति	***
अन्य कंपनियां	***

(v) मरुबेणी कारपोरेशन का शेयरहोल्डिंग प्रतिमान

शेयर होल्डिंग प्रतिमान %				
वित्तीय संस्थान	***			
व्यक्ति	***			
घरेलू निकाय	***			

गैर-घरेल् निकाय	***
अन्य	***
प्रमुख शेयरधारक	
नाम	शेयरधारिता %
दि मास्टर ट्रस्ट बैंक आफ जापान लिमिटेड (ट्रस्ट एकाउंट)	***
जापान ट्रस्टी सर्विसेस बैंक लिमिटेड (ट्रस्ट एकाउंट)	***
सोम्पो जापान इंस्युरेंस इंक	***
जे पी मारगन चेस बैंक 380055	***
जापान ट्रस्टी सर्विसेस बैंक लिमिटेड (ट्रस्ट एकाउंट 9)	***
मैजी यसुदा लाइफ इंस्योरेंस कंपनी	***
टोकियो मैरीन एंड निचिडो फायर इंस्योरेंस कंपनी लिमिटेड	***
मिझुहो बैंक लिमिटेड	***
बार्कलेख सिक्योरिटीज जापान लिमिटेड	***
निप्पन लाइफ इंस्योरेंस कंपनी	***

(vi) साम नाम पेट्रोकैमिकल कंपनी लिमिटेड की शेयरधारिता प्रतिमान

क्र.सं.	शेयरधारक	शेयरधारिता %
1	सैमसंग कारपोरेशन कोरिया	40
2	जी एस काल्टेक्स कोरिया	20
3	मित्सुबिशी कैमिकल कारेपोरेशन, जापान	40

- (v) प्राधिकारी पुन: यह नोट करते हैं कि नियमों के अंतर्गत संबद्ध पक्षकार को निम्नवत परिभाषित किया गया है :-
 - (i) उत्पादकों को निर्यातकों या आयातकों के साथ संबद्ध केवल तभी माना जा सकता है जब :-
 - (क) उनमें से एक प्रत्यक्षत: या अप्रत्यक्षत: दूसरे पर नियंत्रण करता हो; या
 - (ख) उनमें से दोनों पर किसी तृतीय व्यक्ति द्वारा प्रत्यक्षत: या अप्रत्यक्षत: नियंत्रण किया जाता हो; या

- (ग) उनका एक साथ किसी अन्य पुरूष पर प्रत्यक्षत: या अप्रत्यक्षत: नियंत्रण इस शर्त के अध्यधीन हो कि यह संदेह करने अथवा यह विश्वास करने के आधार है कि इस संबंध का प्रभाव ऐसा है जिससे उत्पादकों को अन्य असंबद्ध उत्पादकों से भिन्न व्यवहार करने के लिए मजबूर होना पड़ता हो।
- (ii) ऐसा माना जाएगा कि किसी उत्पादक का किसी दूसरे उत्पादक पर नियंत्रण तभी है जब पूर्ववर्ती विधिक रूप से या प्रचालनात्मक रूप से ऐसी स्थिति में हो कि वह उत्तरवर्ती पर अवरोध या नियंत्रण कर सके।
- (vi) अत: प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि दो निकायों को एक दूसरे से संबद्ध निकाय के रूप में तभी माना जा सकता है जब उपर्युक्त में से कोई एक शर्त पूरी होती हो।
- (vii) प्राधिकारी नोट करते हैं कि एमसीपीआई मित्सुबिशी कैमिकल कारपोरेशन जापान के साथ इस कारण से संबद्ध है कि बाद वाली कंपनी की उसमें बड़ी शेयरधारिता है। तथापि, जापान, इस जांच में संबद्ध देश न होने के कारण, ऐसे संबंध की कोई संगतता नहीं है।
- (viii) प्राधिकारी पुन: नोट करते हैं कि यह एक सर्वविदित तथ्य है कि साम नाम पेट्रोकैमिकल कंपनी लिमिटेड कोरिया, जिसमें मित्सुबिशी कैमिकल कारपोरेशन, जापान की भारी शेयरधारिता है, ने जांच की अविध के दौरान संबद्ध वस्तु की कुछ मात्रा का भारत को निर्यात किया है। तथापि, आवेदक द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण के अनुसार, जांच की अविध के दौरान साम नाम द्वारा भारत को किए गए संबद्ध वस्तु के आयात आपवादिक है और यह कोई नियमित व्यापारिक प्रक्रिया नहीं है। इसके अतिरिक्त, आवेदक द्वारा किए गए उल्लेख के अनुसार, साम नाम कोरिया में मित्सुबिशी कैमिकल कारपोरेशन, जापान की शेयरधारिता को ऐसे नहीं माना जा सकता है कि उसका साम नाम कोरिया के वाणिज्यिक क्रियाकलापों में निदेशक मंडल में अधिकांश प्रतिनिधित्व के बिना, नियंत्रणकारी प्रभाव हैं।
- (ix) प्राधिकारी नोट करते हैं कि साम नाम कोरिया आरपी द्वारा संगत अविध के दौरान भारत को किए गए निर्यात संबद्ध देशों से कुल निर्यातों का महज ***% बनते है और जांच की अविध के दौरान कोरिया आरपी से किए गए कुल आयातों का केवल ***% है। इसके अतिरिक्त, वर्तमान जांच में कोरिया आरपी एक संबद्ध देश है और एमसीपीआई के संबद्ध पक्षकार होने के बावजूद साम नाम कोरिया द्वारा किए गए निर्यात भी पाटनरोधी उपायों, यदि उनका अधिरोपण किया गया तो, के अध्यधीन होंगे। अत:, यदि पाटनरोधी उपायों का अधिरोपण किया जाता है तो इस संबंध के कारण एमसीपीआई को कोई अन्चित लाभ नहीं होगा।
- (x) प्राधिकारी नोट करते हैं कि मरूबेणी कारपोरेशन की एमसीपीआई में भारी शेयरधारिता है। मरूबेणी कारपोरेशन भारत में मरूबेणी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के नाम से एक पूर्णस्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है जिसने भारत में इस विचाराधीन उत्पाद का आयात किया है। तथापि, मरूबेणी कारपोरेशन द्वारा एमसीपीआई में धारित अमहत्वपूर्ण शेयरधारिता को एमसीपीआई की निर्णय करने की प्रक्रिया में वास्तविक प्रभाव के रूप में पचित नहीं किया जा सकता है।
- (xi) उपर्युक्त स्थिति को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि एमसीपीआई को अपात्र घरेलू उद्योग के रूप में मानने का कोई औचित्य ही नहीं है। इस तथ्य पर विश्वास करने अथवा उसमें संदेह करने का कोई आधार नहीं है कि किसी निर्यातक या आयातक के साथ एमसीपीआई के संबंधों का प्रभाव ऐसा होगा कि वह कंपनी गैर-संबद्ध उत्पादक से भिन्न व्यवहार करने लगे। एमसीपीआई का प्रधान व्यवसाय उत्पादन है न कि आयात/ व्यापार करना। इसके अतिरिक्त, यदि इस संबंध में एमसीपीआई को कोई अनुचित लाभ उपचित होता तो रिलायंस इंडस्ट्री लिमिटेड, जो एक संयुक्त आवेदक है, ने वर्तमान जांच में एमसीपीआई के साथ सहयोग करने का विकल्प नहीं दिया होता। उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी यह मानते हैं कि मैसर्स एमसीसी पीटीए इंडिया कार्प. प्राइवेट लिमिटेड एक पात्र घरेलू उत्पादक है जो पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के अनुसार घरेलू उद्योग है।

- (xii) जहां तक इस तर्क का संबंध है कि रिलायंस अपने अधिगृहीत मलेशियाई संयंत्र में कच्चे माल का संपरिवर्तन करने और उसका भारत को पुन: निर्यात करने में संलिप्त है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि वर्तमान जांच में मलेशिया एक संबद्ध देश नहीं है और इसलिए इन आयातों की कोई संगतता नहीं है।
- (xiii) विस्तृत जांच के पश्चात प्राधिकारी यह निर्धारित करते हैं कि मैसर्स एमसीसी पीटीए इंडिया कार्प. प्राइवेट लिमिटेड और मैसर्स रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड का जांच की अविध के दौरान संबद्ध वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा अनुपात बनता है और इसलिए वे नियम 2(ख) के आशय के अंतर्गत घरेलू उद्योग हैं और पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(3) में उल्लिखित शर्तों के अनुरूप मानदंडासें का पूरा करती है।

घ. गोपनीयता

निर्यातकों, आयातकों, प्रयोक्ताओं तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रस्त्तिकरण

- 11. गोपनीयता के संबंध में जांच की अविध के दौरान उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए प्रस्तुतिकरण निम्नलिखित हैं :-
- (i) आवेदकों द्वारा साम नाम पेट्रोकैमिकल कंपनी लिमिटेड के निदेशकों के लिए किया गया गोपनीयता का दावा बहुत अधिक है।

घरेल् उद्योग द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण:

- 12. गोपनीयता के संबंध में जांच की अविध के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए प्रस्तुतिकरण निम्नलिखित हैं:
- (i) याचिकाकर्ता ने केवल ऐसी सूचना के लिए ही गोपनीयता का दावा किया है जिसकी गोपनीयता की अनुमित देना प्राधिकारी की सुसंगत परम्परा के अनुरूप है और नियमों के अंतर्गत जिसकी अनुमित दे दी गई है।
- (ii) याचिकाकर्ता ने आवेदन का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतर प्रदान किया है। कोई भी हितबद्ध पक्षकार किसी ऐसी सूचना पर उंगली उठाने में समर्थ नहीं हुआ है जिसका गोपनीयता का दावा किया गया हो और नियमों के अंतर्गत जिसकी गोपनीयता न्यायोचित न हो।
- (iii) साम नाम के निदेशकों के लिए गोपनीयता के दावे के संबंध में यह तथ्य कि कोई नियंत्रण नहीं है, का आशय यह नहीं है कि संगत सूचना का प्रकटन किया जा सकता है।
- (iv) भारत में निर्यात की सकल मात्रा, घरेलू बाजार में बिक्री की सकल मात्रा, उत्पादन, बिक्री, भारत को निर्यातों के लिए औसत कीमत जैसी सूचना के लिए गोपनीयता का दावा किया गया है। वास्तव में इस सूचना में वाणिज्यिक रूप से कुछ भी संवेदनशील नहीं है।
- (v) अधिकांश निर्यातकों ने अनुक्रमित सूचना प्रदान नहीं की है, यद्यपि सूचना अनुक्रमित रूप में सारांशीकरण किए जाने के योग्य है।

प्राधिकारी दवारा जांच

- 13. गोपनीयता के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए प्रस्तुतिकरणों की जांच और उनका समाधान निम्नवत किया गया है:
- (i) सूचना की गोपनीयता के संबंध में पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 में निम्नलिखित प्रावधान है :-

गोपनीय सूचना - (1) नियम 6 के (7), नियम 12 के उपनियम (2) (3) ,2), नियम 15 के उपनियम (4) और नियम 17 के उपनियम (4) तथा उपनियमों में किसी बात का उल्लेख होने के बावजूद, नियम 5 के उपनियम (1) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनपत्रों की प्रतियां या जांच की कार्रवाई के दौरान किसी पक्षकार द्वारा निर्दिष्ट प्राधिकारी को गोपनीय आधार पर प्रदान कराई गई किसी सूचना को केवल तभी गोपनीय माना जाएगा जब निर्दिष्ट प्राधिकारी उसकी गोपनीयता से संतुष्ट हों और ऐसी सूचना का, उक्त सूचना प्रदान कराने वाले पक्षकार द्वारा विशिष्ट रूप से प्राधिकृतिकरण के बिना किसी अन्य पक्षकार को, प्रकटन नहीं किया जा सकता है।

- (2) निर्दिष्ट प्राधिकारी यह अपेक्षा करते हैं कि गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान कराने वाले पक्षकार उसका अगोपनीय सारांश भी प्रस्तुत करेंगे और यदि, सूचना प्रदान करने वाले पक्षकार के विचार से ऐसी सूचना का सार प्रस्तुत करना संभव न हो तो उक्त पक्षकार निर्दिष्ट प्राधिकारी को उन कारणों का विवरण प्रस्तुत करेंगे कि उक्त सूचना का सार प्रस्तुत करना संभव क्यों नहीं है।
- (3) उपनियम (2) में किसी बात के होते हुए भी, यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट है कि गोपनीयता के लिए उनकी चाह वांछनीय नहीं है या ऐसी सूचना का प्रदाता सूचना को सार्वजनिक करने का इच्छुक नहीं है अथवा वह उसे सामान्यीकृत या सार रूप में प्रकटन करने के लिए प्राधिकृत करें तो वह ऐसी सूचना की अनदेखी कर सकते हैं।
- (ii) हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदत्त सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के बारे में की गई थी। संतुष्ट होने के उपरांत प्राधिकारी ने अपेक्षानुसार गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना गोपनीय मानी गई है और इसका प्रकटन अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं किया गया है। जहां संभव हुआ है, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदाता पक्षकारों को यह निर्देश दिया गया था कि वे गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतरण सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराएं। प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों का अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध कराया। प्राधिकारी नोट करते हैं कि सार्वजनिक रूप से उपलब्ध किसी भी सूचना को गोपनीय नहीं माना जा सकता है।

विविध प्रस्त्तिकरण

निर्यातकों/आयातकों, प्रयोक्ताओं तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण

- 14. विविध मुद्दों के संबंध में जांच की कार्रवाई के दौरान उत्पादकों/निर्यातकों/ आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए तथा प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए प्रस्त्तिकरण निम्नलिखित है :-
- (i) पीटीए के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने से घरेलू बाजार में पीटीए की कीमतों में वृद्धि होगी और उसका इसके अनुप्रवाही उद्योग जैसे बीओपीईटी फिल्म्स उद्योग, पीएसएफ (पालियस्टर स्टैपल फाइबर) और सिंथेटिक टैक्सटाइल उदयोग के उत्पादन की लागत पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।
- (ii) भारत में मांग एवं आपूर्ति में भी भारी अंतर है। इस प्रकार, जब मांग आपूर्ति में अंतर के कारण आयात आवश्यक हो तो पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने से प्रयोक्ता उद्योग पर इसका विपरीत प्रभाव पड़ेगा।
- (iii) पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण अन्य पीईटी विनिर्माताओं के लिए न कि आरआईएल के लिए अलाभकर होगा, जिसके पास ग्राही पीटीए विनिर्माण सुविधा है।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रस्त्तिकरण

15. जांच की अविध के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए विविध प्रस्तुतिकरण निम्नलिखित हैं :-

- (i) किसी भी प्रत्युत्तरदाता निर्यातक ने पैराक्सीलीन का मूल्यांकन करने के संबंध में किए गए प्रश्न का पूरा उत्तर नहीं दिया है। इसके अतिरिक्त, सैमसंग पेट्रोकैमिकल्स और एस के पेट्रोकैमिकल्स ही ऐसी संबद्ध कंपनियां हैं जो पैराक्सीलीन का उत्पादन करती हैं और उसकी इन कंपनियों को आपूर्ति करती है।
- (ii) प्रश्नावली प्रत्युत्तर सकल रूप से त्रुटिपूर्ण है; प्राधिकारी उसे कम से कम इस प्रारंभिक जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ नामंजूर कर सकते हैं।
- (iii) निर्यातकों द्वारा किए गए प्रश्नावली प्रत्युत्तरों से यह स्पष्ट नहीं होता है कि संबंधित उत्पादक ने कैसे संबंध वस्तु का उत्पादन किया और उसकी एक ऐसी व्यापारिक कंपनी को आपूर्ति की जिसने भारत को उस वस्तु की अंततोगत्वा आपूर्ति की।
- (iv) इस तर्क के संबंध में कि पीएक्स की आपूर्ति कम है और इसके अनुप्रवाही उद्योग द्वारा इसकी कम उपयोग क्षमता के कारण आरआईएल को लाभ होगा, पाटनरोधी श्ल्क का प्रयोजन स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की अनुमति देना है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

- 16. विविध मुद्दों के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए तथा प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए विविध प्रस्तुतिकरणों की जांच एवं उनका समाधान निम्नलिखित है :
- (i) जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि पीटीए के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने से घरेलू बाजार में पीटीए की कीमतों में वृद्धि होगी और इसका प्रभाव अनुप्रवाही उत्पादकों पर पड़ेगा, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने के उद्देश्य अनुचित व्यापार प्रक्रियाओं में परिशोधन करना और घरेलू उद्योग को व्यवसाय के समान अवसर प्रदान करके इसके क्षतिकारी प्रभावों का समाधान करना है। इसके अतिरिक्त, पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने से आयातों में कोई रूकावट नहीं आएगी।
- (ii) जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि घरेलू उद्योग देश में संपूर्ण मांग को पूरा करने में सक्षम नहीं है और इस मांग आपूर्ति के बीच अंतर को दूर करने के लिए आयात आवश्यक है; प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि ऐसा कोई विधिक प्रावधान नहीं है जिससे यह अधिदेशित होता हो कि देश की संपूर्ण मांग को घरेलू उद्योग से पूरा किया जाए। इसके अतिरिक्त, उचित व्यापार की स्थिति को ध्यान में रखते हुए घरेलू उद्योग अपनी क्षमता से देश की संपूर्ण मांग को पूरा करने में सक्षम है।
- (iii) प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह तर्क कि संबद्ध वस्तु के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने से घरेलू उद्योग को अनुचित लाभ होगा पूर्वावधारणायुक्त एवं अपरिपक्व है। पाटनरोधी जांच पाटन एवं उसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग पर पड़ने वाले क्षितिकारी प्रभाव का विश्लेषण एवं आकलन करने के तथ्यों एवं विधि पर आधारित होती है और पाटन की तुलना में घरेलू उद्योग को समान एवं उचित अवसर प्रदान करने के लिए पर्याप्त एवं उपयुक्त पाटनरोधी उपायों का अधिरोपण करने की सिफारिश करना है।
- च. बाजार अर्थव्यवस्था दर्जा, सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन निर्यातकों, आयातकों, प्रयोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रस्त्तिकरण
- 17. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए तथा प्राधिकारी द्वारा संगत समझे गए विभिन्न प्रस्त्तिकरणों की जांच एवं उनका समाधान निम्नलिखित है :-
- (i) कच्चे माल और पीटीए की कीमतों में वृद्धि होने, व्यापार का सामान्य अनुक्रम (व्यवहार्यता/सीओपी) परीक्षण (80:20) और पाटन मार्जिन/क्षिति मार्जिन, यदि जांच की अविध के दौरान औसत लागत के आधार पर अनुप्रयुक्त की जाती है, तो यह पूरी तरह से त्रुटिपूर्ण और अंतार्किक होगी। लागत एवं कीमत के बीच समुचित तुलना करने के

लिए व्यवहार्यता परीक्षण को मासिक आधार पर लागू किया जाता है और पाटन मार्जिन का परिकलन प्रतिमाह के लिए किया जाता है। व्यवहार्यता जांच (80:20) लागू करने के लिए औसत आधार पर एक लागत को अंगीकार करने से विषम परिणाम प्राप्त होंगे।

- (ii) पीटीए का व्यापार एवं उसकी बिक्री उपभोक्ताओं की विभिन्न श्रेणियों (अंतिम प्रयोक्ता एवं वितरकों) को की जाती है। यदि बिक्रियां वितरकों को की जाती हैं तो निर्यातक की वितरण लागत कम हो जाती है।
- (iii) संबद्ध वस्तु का निर्यात पैक्ड और भारी मात्रा में किया जाता है। व्यवहार्यता परीक्षण करते समय उत्पादन लागत और घरेलू बिक्रियों दोनों को निष्क्रिय कर दिया जाना चाहिए।
- (iv) चूंकि कूड आयल, नाफ्था, पीएक्स और पीटीए की बाजार कीमत का निर्धारण अंतर्राष्ट्रीय बाजार कीमतों के आधार पर किया जाता है इसलिए वैश्विक अर्थव्यवस्था और मांग/आपूर्ति की स्थिति कीमत उतार-चढ़ाव के लिए मुख्य कारक होते हैं। चूंकि लगभग सभी वैश्विक पीटीए उत्पादक अंतर्राष्ट्रीय मानकों को पूरा करते हैं, इसलिए पीटीए कीमतों का निर्धारण अंतर्राष्ट्रीय बाजार कीमतों द्वारा किया जाता है, जिनकी घोषणा रसायन बाजार कीमत सूचना वेबसाइटों द्वारा की जाती है। आरआईएल का प्रबल बाजार हिस्सा है और वह अपनी बिक्री कीमत का निर्धारण अंतर्राष्ट्रीय बाजार कीमत तथा आयात शुल्क तथा आयात से संबंधित व्ययों के अनुसार करता है। एमसीपीआई और आईओसी आरआईएल की कीमतों का अनुसरण करते हैं। कोरियाई उत्पादक भी निर्यात कीमत का निर्धारण अंतर्राष्ट्रीय कीमत के आधार पर करते हैं। चूंकि आईसीआईएस कीमतों की घोषणा साप्ताहिक, मासिक आधार पर करता है, इसलिए औसत साप्ताहिक कीमत का परिकलन पोतलदान की माह समाप्ति कलोजिंग के बाद ही की जा सकती है। इसलिए कोरियाई उत्पादक अस्थायी कीमत को लागू करते हैं और मासिक आधार पर उसका निपटारा करते हैं। कोरिया की आयात कीमत, समुद्री भाड़ा और भुगतान की अविध के अंतरालों पर विचार करने के पश्चात् आईसीआईएस, पीएलएटीटीएस ओर पीसीआई द्वारा जारी औसत मासिक कीमत के समान ही होते हैं। कोरिया में घरेलू बाजार कीमत का निर्धारण भी अंतर्राष्ट्रीय बाजार कीमतों के आधार पर किया जाता है। इसलिए कोरिया द्वारा पाटन किया जाना तथ्यत: गलत है।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रस्त्तिकरण

- 18. जांच की कार्रवाई के दौरान सामान्य मूल्य निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए तथा प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए प्रस्तुतिकरण निम्नलिखित हैं :
- (i) इस दावे के संबंध में क्रूड आयल, नाफ्था, पीएक्स और पीटीए की बाजार कीमत का निर्धारण अंतर्राष्ट्रीय बाजार कीमत तथा वैश्विक अर्थव्यवस्था के आधार पर किया जाता है और मांग/आपूर्ति की स्थिति के कारण ही मुख्यत: कीमतों में उतार-चढ़ाव होता है, यह प्रस्तुत किया जाता है कि वर्तमान जांच पीटीए के आयातों के संबंध में है और इसलिए पैराक्सीलीन, प्रमुख कच्चा माल होने और पीटीए की कीमतों में उतार-चढ़ाव वर्तमान जांच के लिए संगत है न कि अन्य उदध्त कारक।
- (ii) इस दावे के संबंध में कि आरआईएल का प्रमुख बाजार हिस्सा है तथा अन्य उत्पादक इसी की कीमत का अनुसरण करते हैं, वास्तव में आरआईएल की बिक्री मात्रा, प्रमुख स्थिति ग्रहण नहीं करती है। प्रत्युत्तरदाता पक्षकार यह स्वीकार करते हैं कि एमसीपीआई की कीमतें आयात कीमतों से जुड़ी होती हैं न कि आरआईएल कीमतों से। यहां तक कि आरआईएल की कीमतें आयात कीमतों से संबद्ध होती हैं।
- (iii) यह दावा कि कोरिया की आयात कीमतें लगभग आईसीआईएस, पीएलए टीटीएस और पीसीआई द्वारा जारी औसत मासिक कीमतें होती हैं, जो समुद्री भाड़ा और भुगतान की अविध के अंतर पर विचार करने के पश्चात् यह दर्शाया गया है कि कोरियाई उत्पादकों ने भारत को निर्यात में अंतर्राष्ट्रीय कीमतों का अनुसरण किया है ओर उन्होंने अपनी

घरेलू कीमत तथा उत्पादन लागत पर विचार नहीं किया। अत:, यदि घरेलू कीमतें अधिक हैं और वे घरेलू कीमतें लाभप्रद है तो यह कोरियाई उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा पाटन को सिद्ध करना।

(iv) यह दावा कि कोरिया में घरेलू बाजार कीमत का निर्धारण भी अंतर्राष्ट्रीय बाजार कीमत के आधार पर किया जाता है, यह सिद्ध नहीं करता है कि निर्यातकगण अपने उत्पाद की भारत में बिक्री पाटित कीमतों पर नहीं करते हैं। यदि कोरिया में घरेलू बाजार कीमत भी अंतर्राष्ट्रीय बाजार कीमतों के समान है तो इसका आशय यह हुआ कि कोरियाई उत्पादकों को, संगत अविध के दौरान पीएक्स की प्रचलित कीमतों पर विचार करते हुए वित्तीय घाटा हो रहा है। इसलिए कोरिया द्वारा पाटन गलत है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

- 19. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरणों का प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित समाधान किया गया है :-
- (i) जहां तक इस तर्क का संबंध है कि कच्चे माल और पीटीए की कीमतों में उतार-चढ़ाव के कारण व्यापार का सामान्य अनुक्रम (व्यवहार्यता/सीओपी) परीक्षण (80:20) और पाटन मार्जिन/क्षिति मार्जिन मासिक आधार पर किया जाना चाहिए, प्राधिकारी ने इसका महवार विश्लेषण किया है।
- (ii) जहां तक इस तर्क का संबंध है कि जब बिक्रियां वितरकों को की जाती है तो निर्यातक को कम वितरण लागत खर्च करनी पड़ती है और निर्यात कीमत का निर्धारण करते समय उसे ध्यान में रखना चाहिए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत आंकड़े/सूचना का अभी भी सत्यापन किया जाना है और इसलिए प्रारंभिक जांच परिणाम के इस स्तर पर इस दावे का समाधान करना अपरिपक्वता होगी।
- (iii) जहां तक इस तर्क का संबंध है कि संबद्ध वस्तु का निर्यात पैक्ड और बल्क फार्म में किया जाता है और इसलिए व्यवहार्यता परीक्षण करते समय उत्पादन लागत और घरेलू बिक्रियों दोनों में विभिन्न प्रकार की पैकिंग की लागत को निष्क्रिय कर दिया जाना चाहिए, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि सामान्य मूल्य और गैर-क्षतिकारी कीमत का निर्धारण निर्धारित नियमों तथा डीजीएडी की प्रचलित परम्परा के अनुसार किया जाता है।
- (iv) जहां तक इस तर्क का संबंध है कि नाफ्था, क्रूड आयल, पीएक्स और पीटीए की बाजार कीमतों का निर्धारण अंतर्राष्ट्रीय बाजार कीमतों के आधार पर किया जाता है, इसलिए वैश्विक अर्थव्यवस्था तथा मांग/आपूर्ति की स्थिति ही कीमत उतार-चढ़ाव की मुख्य कारक होती है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान जांच पीटीए के आयातों के संबंध में है और इसलिए पैराक्सीलीन, जो प्रमुख कच्चा माल होता है और पीटीए की कीमत में उतार-चढ़ाव वर्तमान जांच के लिए संगत हैं और न कि कोई अन्य कारक।
- (v) विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि कोरिया द्वारा पाटन तथ्यतः गलत है क्योंकि कोरियाई उत्पादक अपनी बिक्री कीमत का निर्धारण अंतर्राष्ट्रीय कीमतों के आधार पर करते हैं और इसी तरह एमसीपीआई तथा आईओसी भी वैसा ही करते हैं, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी विधि के अनुसार वास्तविक पाटन मार्जिन का परिकलन संबद्ध वस्तु के सामान्य मूल्य और संबद्ध वस्तु की वास्तविक निर्यात कीमत से अधिक है तो पाटन मार्जिन सकारात्मक है। अंतर्राष्ट्रीय कीमत की कोई संगतता नहीं है क्योंकि पाटन मार्जिन का परिकलन उनके सामान्य मूल्य की तुलना में संबद्ध देशों के प्रत्युत्तरदाता सहयोगकर्ता निर्यातकों की निवल निर्यात कीमत के आधार पर किया जाता है।
- 20. प्राधिकारी नोट करते है कि विगत तीन वर्षों में चीन जन.गण. को भारत तथा डब्ल्यूटीओ के अन्य सदस्यों द्वारा पाटनरोधी जांच में गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना गया है। चीन जन.गण. को गैर बाजार अर्थव्यवस्था

वाले देश के रूप में नियमों के अनुसार निर्यातक देश या व्यक्तिगत निर्यातकों द्वारा इस पूर्वावधारणा के खंडन के अध्यधीन माना गया है।

- 21. पाटनरोधी नियमावली के पैरा 8, अनुबंध-1 के अनुसार गैर बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का उस स्थिति में खंड किया जा सकता है यदि चीन का निर्यातक पैरा 8 के उपपैरा (3) में विनिर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर सूचना और पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करता है और इसके प्रतिकूल सिद्ध करता है। चीन जन गण. से संबद्ध वस्तु के सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार संबंधी प्रश्नावली के उत्तर में पैरा 8 के उपपैरा (3) में किए गए उल्लेख के अनुसार आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करना अपेक्षित है तािक निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मानदंडों पर विचार कर सकें कि क्या :-
 - (क) कच्ची सामग्रियों सिहत कीमत; लागत और निविष्टि तथा श्रम लागत, उत्पादन, बिक्रियां और निवेश के बारे में चीन जन.गण. में संबंधित फर्मों का निर्णय ऐसे बाजारी संकेतों के अनुसार किया जाता है जिसमें आपूर्ति और मांग परिलक्षित होती है और इस बारे में राज्य का अधिक हस्तक्षेप नहीं होता है और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत में बाजार मूल्य पर्याप्त रूप से प्रदर्शित होते हैं;
 - (ख) इस प्रकार की फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति विशेषकर परिसंपत्तियों के मूल्यहास, अन्य बहे खातों, वस्तु विनिमय व्यापार और ऋणों की प्रतिपूर्ति के माध्यम से भुगतान के संदर्भ में पूर्ववर्ती गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाली प्रणाली से हुई महत्वपूर्ण विकृतियों के अध्यधीन हैं;
 - (ग) इस प्रकार की फर्में दिवालियापन और संपत्ति कानूनों के अध्यधीन हैं जो फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता और स्थिरता की गारंटी देते हैं; और
 - (घ) विनिमय दर का परिवर्तन ब्याज की दर पर किया जाता है।
- 22. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच शुरुआत अधिसूचना जारी होने के परिणामस्वरूप चीन के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने बाजार अर्थव्यवस्था प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किया है और गैर बाजार अर्थव्यवस्था की अवधारणा से खंडन की मांग की है, जिसकी निम्नवत जांच की जाती है:
- (क) झेजियांग यिशेंग पेट्रोकैमिकल कंपनी लिमिटेड
- (ख) निंग्बो हेंग्यी ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड
- (ग) यिशंग दाह्आ पेट्रोकैमिकल कंपनी लिमिटेड
- (घ) हैनान येशिंग पेट्रोकैमिकल्स कंपनी लिमिटेड
- 23. प्रश्नावली प्रत्युत्तर में उपलब्ध सूचना के अनुसार प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि ऊपर उल्लिखित सभी प्रतिवादी कंपनियां एक दूसरे से संबद्ध हैं और वे संबद्ध वस्तु में अंतर्ग्रस्त हैं। यद्यपि झेजियांग यिशेंग पेट्रोकैमिकल कंपनी लिमिटेड पीटीए की उत्पादक और निर्यातक है वहीं अन्य कंपनियों के संबंध में यह कहा गया है कि वे संबद्ध वस्तु के उत्पादन/घरेलू बिक्री/निर्यात बिक्री में अंतर्ग्रस्त है। एमईटी प्रत्युत्तर में यह दावा किया गया है कि कपंनी एक विदेशी संयुक्त (सहकारी या इक्विटी) उद्यम है और कंपनी की पूर्णतया सीमित देयता है। इसके अतिरिक्त एमईटी प्रत्युत्तर में यह उल्लेख किया गया है कि वर्तमान जांच में अन्य प्रतिवादी कंपनियां अर्थात् यिशेंग दाहुआ पेट्रोकैमिकल कंपनी लिमिटेड, हैनान यिशेंग पेट्रोकैमिकल कंपनी लिमिटेड और निंग्बो हैंग्यी ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड संबद्ध कंपनियों हैं और संबंधित उत्पाद में अंतर्ग्रस्त है। झेजियांग येशिंग, झेजियांग हेन्गई की एक सहायक कंपनी है, जिस पर हेंग्ई पेट्रोकैमिकल कंपनी लिमिटेड का पूर्ण स्वामित्व है। पुनः यह उल्लेख किया जाता है कि श्री कियु जियान्लिन इसके स्वामी है और वे ही उपर्युक्त कंपनियों के वास्तविक नियंत्रण है। प्रतिवादी कपंनी द्वारा किए गए उल्लेख के अनुसार इस कंपनी के शेयर धारक है झेजियांग हेंग्यी पेट्रोकैमिकल कंपनी लिमिटेड (***%), रोंगशेंग पेट्रोकैमिकल कंपनी लिमिटेड (***%), बेस्ट पार्टनर इंटरनेशनल इंवेस्टमेंट लिमिटेड (***%) और

हांगकांग शेंग हुई लिमिटेड (***%) प्रत्युत्तर में किए गए उल्लेख के अनुसार प्रमुख कच्चे माल और उपयोगी वस्तुओं की खरीद राज्य स्वामित्व वाली चीन के निकायों के साथ दीर्घाविध संविदा करके की जाती है। कंपनी द्वारा प्रस्तुत की गई लेखापरीक्षा रिपोर्ट के अनुसार झेंजियांग येशिंग पेट्रोकैमिकल कंपनी लिमिटेड की स्थापना वर्ष 2003 में चीन के एक विदेशी संयुक्त उद्यम के रूप में की गई थी, जिसका वित्तपोषण निंग्बों म्युनिसिपल प्यूपिल्स गवर्नमेंट के अनुमोदन के अनुरूप झेंजियांग हेंग्यी ग्रुप कंपनी लिमिटेड चीन जन.गण., रोंगशेंग कैमिकल फाइबर ग्रुप कंपनी लिमिटेड चीन जन.गण. और हांगकांग निवलपमेंट इंवेस्टमेंट कंपनी लिमिटेड द्वारा किया जाता है। यह उल्लेख किया गया है कि इस संपूर्ण समूह की अंतिम स्वामी कंपनी झेंजियांग हेंग्यी ग्रुप कंपनी लिमिटेड है।

- 24. प्राधिकारी नोट करते हैं कि इन कंपनियों में वर्षों के दौरान कई स्वामित्व परिवर्तन हुए, जिनका विवरण प्रतिवादी कंपनियों द्वारा प्रस्तुत नहीं किया गया है। इसके अतिरिक्त इस संपूर्ण समूह की अंतिम पैरेंट कंपनी झेजियांग ग्रुप कंपनी लिमिटेड बताई गई है जिसने एमईटी प्रत्युत्तर दायर नहीं किया है। वेब आधारित सूचना के अनुसार प्राधिकारी नोट करते हैं कि झेजियांग हेंगई ग्रुप कंपनी लिमिटेड की स्थापना 18 अक्तूबर, 1994 को की गई थी। हेंग्यी की मुख्य बिजनेस पीटीए (प्योरीफाइड टैरेफ्थालिक एसिड) का विनिर्माण करना, पालियस्टर स्पिनिंग और कैमिकल फाइबर की इलास्टी माइजिंग करना है। इसके अतिरिक्त, झेजियांग रोंगशेंग होल्डिंग ग्रुप, जो एक शेयर होल्डर है, की स्थापना भी 1989 में की गई थी, और यह संबद्ध वस्तु में अपनी अनुषंगी कंपनियों के साथ अंतर्गस्त है, इसकी 10 अनुषंगियां है, जिसमें निंग्बो डालियान और हैनान पीटीए का उत्पादन करती हैं। इसके अतिरिक्त, वेब आधारित सूचना के आधार पर वर्तमान जांच में संबद्ध प्रतिवादी ग्रुप कंपनियों में से एक यिशेंग दाहुआ पेट्रोकैमिकल कंपनी लिमिटेड की स्थापना हेंग्यी ग्रुप, रोंगशेंग ग्रुप और राज्य स्वामित्व वाले उद्यम दाहुआ ग्रुप द्वारा की गई थी।
- 25. प्राधिकारी ने चीन की उन प्रतिवादी कंपनियों द्वारा प्रदान कराई गई सूचना का संज्ञान लिया है जिन्होंने एमईटी प्रत्युत्तर दायर किया है जिसमें उन्होंने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8 में यथा उल्लिखित पूर्वावधारणा का खंडन करने की मांग की है और अपनी कंपनी को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान करने के संबंध में उन्हें प्रेषित गैर बाजार अर्थव्यवस्था प्रश्नावली का खंडन किया है। तथापि प्रतिवादी कंपनियां उनके बाजार अर्थव्यवस्था के दावे को सिद्ध करने के लिए पर्याप्त साक्ष्य देने में असफल रहीं। स्वामित्व और नियंत्रण, कंपनी की लागत और कीमत तथा बिजनेस निर्णयों पर इसके प्रभाव, समय-समय पर स्वामित्व में परिवर्तन, परिसंपत्तियों का मूल्यांकन, भूमि प्रयोग अधिकार संबंधी मुद्दों की जांच लंबित रहने के परिणामस्वरूप प्राधिकारी का विचार है कि चीन जन गण. के इन सभी उत्पादकों, निर्यातकों को इसके सामान्य मूल्य का प्रारंभिक निर्धारण करने के लिए बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया जा सकता है। प्राधिकारी पुनः नोट करते हैं कि प्रतिवादी कंपनियों ने अपने प्रत्युत्तर में अपने बाजार अर्थव्यवस्था दावे को स्पष्ट करने के लिए अपनी धारक/समूह कंपनियों के संबंध में दिए गए अपने प्रत्युत्तर में पर्याप्त विवरण तथा अन्य संगत जानकारी नहीं दे सके। उपर्युक्त स्थिति को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी सत्यापन लंबित रहने तक इस प्रारंभिक जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ चीन की उपर्युक्त उल्लिखित प्रतिवादी कंपनियों को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं करते हैं।
- छ. सामान्य मूल्य का निर्धारण

चीन जन.गण. के उत्पादकों एवं निर्यातकों के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण

26. प्राधिकारी नोट करता है कि चीन जन. गणराज्य कोई भी उत्पादक/ निर्यातक को इस नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 6 के संबंध में चीन में सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए बाजार अर्थव्यवस्था स्थिति के अंतर्गत कार्य करता हुआ नहीं पाया गया है। इन परिस्थितियों में यह प्राधिकारी चीन की उपुर्यक्त कम्पनियों पर इस नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 8 को लागू करने की स्थिति में नहीं है तथा यह प्राधिकारी इस नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 के अनुसार कार्यवाही करेगा।

27. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 में निम्नलिखित प्रावधान है:

"गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयात के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देशों में मूल्य अथवा निर्धारित मूल्य अथवा भारत सिहत अन्य देशों से ऐसे तीसरे देश से मूल्य अथवा जहां यह संभव नहीं हो अथवा किसी अन्य तार्किक आधार पर जिसमें समान उत्पाद के लिए भारत में वास्तव में भुगतान की गई अथवा भुगतान योग्य कीमत जिसकी आवश्यकता पड़ने पर उचित लाभ मार्जिन शामिल करने के लिए विधिवत समायोजित किया गया हो, के आधार पर किया जायेगा।"

- 28. इन नियमों के अनुसार चीन में सामान्य मूल्य का निर्धारण निम्नलिखित में से किसी भी आधार पर किया जा सकता है:
 - क) बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में मूल्य के आधार पर अथवा
 - ख) बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में निर्धारित मूल्य के आधार पर अथवा
 - ग) भारत सहित ऐसे किसी तीसरे देश से अन्य देशों से मूल्य के आधार पर
 - घ) यदि सामान्य मूल्य का निर्धारण उपर्युक्त विकल्पों के आधार पर नहीं किया जा सकता है तब नामित प्राधिकारी उचित लाभ मार्जिन शामिल करने के लिए विधिवत समायोजित समान उत्पाद के लिए भारत में वास्तव में भुगतान की गई अथवा भुगतान योग्य कीमत सहित किसी अन्य तार्किक आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण कर सकता है।
- 29. यह प्राधिकारी नोट करता है कि तीसरे देश की लागत और मूल्यों के आधार पर सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए, घरेलू बिक्री अथवा तीसरे देश के निर्यात बिक्री तथा तीसरे देश में ऐसे उत्पादकों के उत्पादों तथा सहयोग की लागत संबंधी पूर्ण और व्यापक आंकड़े अपेक्षित हैं। इन बाजारों में प्रचलित मूल्यों और लागतों के संबंध में कोई ऐसी सूचना न तो आवेदक अथवा प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा दी गई है और न ही किसी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध सूचना प्राप्त की जा सकती है और न ही उत्तर देने वाले चीन की कम्पनियों ने इस समय उपयुक्त बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में कोई दावा किया है। इन मामलों की आगे जांच लंबित रहने तक प्रारंभिक निर्धारण के उद्देश्य से यह प्राधिकारी किसी अन्य तार्किक आधार पर सामान्य मूल्य को निर्धारित करेगा।
- 30. यह प्राधिकारी पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 के दूसरे परन्तुक के संबंध में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर चीन जन.गण. के लिए सामान्य मूल्य का अनंतिम रूप से निर्धारण करता है। तदनुसार विचाराधीन उत्पाद का एक्सवर्क्स सामान्य मूल्य का निर्धारण बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक खर्च तथा लाभ को शामिल करने के लिए विधिवत समायोजित उत्पादन के निर्धारित लागतों के आधार पर किया गया है। इस प्रकार अनंतिम रूप से निर्धारित सामान्य मूल्य *** अमेरिकी डॉलर/प्रति किग्रा. है।

कोरिया गणराज्य तथा थाईलैंड में उत्पादकों तथा निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण कोरिया गणराज्य में उत्पादकों तथा निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

- 31. धारा 9 क (1) (ग) के अंतर्गत, किसी वस्त् के संबंध में सामान्य मूल्य का आशय निम्नलिखित हैः
 - (i) सामान्य वस्तु जब उसका आशय उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाये गये नियमों के अनुरूप यथानिर्धारित निर्यातक देश अथवा क्षेत्र में खपत से हो, के लिए सामान्य व्यापार की स्थिति में तुलनीय कीमत अथवा
 - (ii) निर्यातक देश अथवा क्षेत्र के घरेलू बाजार में बाजार की सामान्य स्थिति में समान वस्तुओं की कोई बिक्री न होती हो अथवा जब किसी खास बाजार स्थिति अथवा निर्यातक देश अथवा क्षेत्र के घरेलू बाजार में

बिक्री की मात्रा कम हो तब ऐसी बिक्री के लिए उचित तुलना की अनुमित नहीं हो, सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा।

- (क) सामान्य वस्तु की तुलनीय सांकेतिक मूल्य जब उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाये गये नियमों के अनुरूप यथानिर्धारित निर्यातक देश अथवा क्षेत्र अथवा किसी उपयुक्त तीसरे देश से निर्यात किया गया हो
- (ख) उप धारा (6) के अंतर्गत बनाये गये नियमों के अनुरूप यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री तथा सामान्य लागत तथा लाभ के लिए उचित वृद्धि के साथ-साथ मूल देश में उक्त वस्तु के उत्पादन की लागत।

बशर्ते कि मूल देश के अलावा किसी देश जहां इस वस्तु को केवल निर्यातक देश से लदान करके लाया गया है अथवा ऐसी वस्तु निर्यातक देश में उत्पादित न हो, से इस वस्तु के आयात के संबंध में, निर्यातक देश में कोई तुलनीय मूल्य न हो, सामान्य मूल्य का निर्धारण मूल देश में इसकी कीमत के संबंध में किया जायेगा।

कोरिया आरपी

- 32. कोरिया आरपी के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किया है।
 - क) सैमसंग पेट्रोकैमिकल कंपनी लिमिटेड, कोरिया आरपी जिसे अब सैमसंग जनरल कैमिकल कंपनी लिमिटेड (उत्पादक) और सैमसंग सीएंडटी कारपोरेशन, कोरिया आरपी (निर्यातक) के रूप में जाना जाता है।
 - ख) एस के पेट्रोकैमिकल इंक, कोरिया आरपी (उत्पादक) मित्स्बिशी कारपोरेशन जापान (निर्यातक) सहित
 - ग) ह्योसंग कारपोरेशन, कोरिया आरपी
 - घ) टैक्वांग इंडस्ट्रियल कंपनी लिमिटेड, कोरिया आरपी, अब सैमसंग जनरल कैमिकल कंपनी लिमिटेड के रूप में ज्ञात

मैसर्स सैमसंग पैट्रोकैमिकल कंपनी लिमिटेड, कोरिया आरपी जिसे अब सैमसंग जनरल कैमिकल कंपनी लिमिटेड के नाम से जाना जाता है

33. मैसर्स सैमसंग पैट्रोकैमिकल कंपनी लिमिटेड, कोरिया आरपी की ओर से दिनांक 20 मई, 2014 के पत्र के तहत यह स्चित किया गया कि उक्त कंपनी का विलयन के साथ हो गया है और इस विलयन के परिणामस्वरूप सैमसंग जनरल कैमिकल कंपनी कोरिया आरपी अब संबद्ध वस्तु की उत्पादक कंपनी हो चुकी है। पुनः यह अनुरोध किया गया कि सैमसंग पेट्रोकैमिकल कंपनी लिमिटेड का नाम बदलकर प्राधिकारी के रिकार्ड में सैमसंग जनरल कैमिकल कंपनी लिमिटेड कर दिया जाए। निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर में कंपनी ने घोषित किया कि घरेलू बिक्री की उनकी केवल एक ही सरणी है और उन्होंने जांच की अविध में ग्राहकों को संबद्ध वस्तु की बिक्री घरेलू बाजार में प्रत्यक्षतः की है। प्राधिकारी ने सत्यापन लंबित रहने की स्थिति में निर्यातक द्वारा दावा किए गए समायोजन के अनुसार लाभप्रद घरेलू बिक्री को अनंतिम रूप से नियमावली के अंतर्गत संगत प्रावधानों के अनुरूप सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए अनंतिम रूप से स्वीकार कर लिया। कंपनी के लिए सामान्य मूल्य का अनंतिम रूप से निर्धारण *** यूएस डालर प्रति एमटी के रूप में किया गया है।

टैक्वांग इंडस्ट्रियल कंपनी लिमिटेड, कोरिया आरपी

34. निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर में कंपनी ने घोषणा की कि जांच की अविध के दौरान घरेलू बाजार में बिक्री की तीन श्रेणियां हैं अर्थात असंबद्ध अंतिम प्रयोक्ता को प्रत्यक्ष बिक्री, संबद्ध अंतिम प्रयोक्ता को सीधे बिक्रियां और असंबद्ध घरेलू व्यापारी के जरिए अप्रत्यक्ष बिक्री। जहां तक पहुंच की अविध के दौरान भारत को निर्यात बिक्रियों का संबंध है कंपनी ने यह घोषित किया है कि उन्होंने असंबद्ध विदेशी व्यापारियों के जरिए सीधे और अल्प मात्रा में (*** एमटी) निर्यात किए हैं।

प्राधिकार नोट करते हैं कि टैक्वांग इंडिस्ट्रियल कंपनी लिमिटेड, कोरिया आरपी द्वारा रिपोर्ट की गई लाभदायक घरेलू बिक्री कीमत और कोरिया के अन्य सहयोगकर्ता निर्यातकों द्वारा रिपोर्ट की गई लाभदायक घरेलू बिक्री कीमत के बीच व्यापक अंतर है इसलिए प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य का अनंतिम निर्धारण निर्यातक द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़ों का सत्यापन लंबित रहते तक उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया है। तदनुसार निर्धारित सामान्य मूल्य *** यूएस डालर प्रति एमटी है।

एस. के. पेट्रोकैमिकल इंक, कोरिया आरपी

35. निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर में कंपनी ने यह घोषित किया कि पीओआई के दौरान घरेलू बाजार में बिक्री के लिए उनकी तीन सरणियां थीं अर्थात असंबद्ध अंतिम प्रयोक्ताओं को सीधे बिक्री, संबद्ध अंतिम प्रयोक्ताओं को सीधे बिक्री और असंबद्ध घरेलू ट्रेडर के जरिए अप्रत्यक्ष बिक्री। जहां तक जांच की अविध के दौरान भारत को निर्यात बिक्रियों का संबंध है कंपनी ने घोषित किया है कि उन्होंने सीधे ही निर्यात किया है और अल्प मात्रा (*** एमटी) की बिक्री असंबद्ध विदेशी व्यापारियों के जरिए की है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि टैक्वांग इंडिस्ट्रियल कंपनी लिमिटेड द्वारा रिपोर्ट की गई लाभदायक घरेलू बिक्री कीमत और कोरिया के अन्य सहयोगकर्ता निर्यातकों द्वारा रिपोर्ट की गई लाभदायक घरेलू बिक्री कीमत के बीच भारी अंतर है। उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य का अंतिम रूप से निर्धारण, निर्यातक द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों का सत्यापन लंबित रहने तक उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया है। तदनुसार, निर्धारित सामान्य मूल्य *** यूएस डालर प्रति एमटी है।

मैसर्स हयोसंग कारपोरेशन कोरिया आरपी

- 36. निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर में कंपनी ने यह घोषित किया कि जांच की अविध के दौरान घरेलू बाजार में बिक्री करने के लिए उनके पास दो माध्यम थे अर्थात असंबद्ध घरेलू अंतिम प्रयोक्ताओं को सीधे की गई बिक्रियां और वितरकों को की गई बिक्रियां। निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि कंपनी ने जांच की अविध के दौरान भारत को तीन सरणियों से बिक्रियां की हैं:
 - क) स्वयं उत्पादित संबद्ध वस्तु की प्रत्यक्ष बिक्री;
 - ख) स्वयं उत्पादित संबद्ध वस्तु का अपने असंबद्ध व्यापार अर्थात मित्शुई एंड कंपनी, कोरिया आरपी के जरिए निर्यात:
 - ग) अन्य उत्पादकों अर्थात एस.के. पेट्रोकैमिकल, लोहे कैमिकल और साम नाम पेट्रोकैमिकल द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु का अपनी संबद्ध व्यापारिक कंपनी हयोसंग ट्रेडिंग पीजी के जरिए निर्यात।
- 37. यद्यपि हयोसंग कारपोरेशन, कोरिया आरपी द्वारा स्वयं उत्पादित संबद्ध वस्तु का उनके द्वारा किए गए प्रत्यक्ष निर्यात के लिए निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किया है परंतु इसकी संबद्ध व्यापारिक कंपनी अर्थात हयोसंग ट्रेडिंग पीजी, जिसके जिए जांच की अविध के दौरान अन्य उत्पादकों द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु का भारत को निर्यात किया है, ने निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर नहीं किया है। इसके अतिरिक्त, मित्शु और कपंनी कोरिया आरपी, जिसके जिए हयोसंग कारपोरेशन कोरिया आरपी जांच की अविध के दौरान भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात भी किया है, न निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर नहीं किया है। इसके परिणामस्वरूप हयोसंग कारपोरेशन कोरिया आरपी और इसकी संबद्ध व्यापारिक कंपनी मैसर्स हयोसंग ट्रेडिंग पीजी तथा अन्य अंतर्ग्रस्त उत्पादकों/व्यापारियों द्वारा जांच की अविध के दौरान भारत को संबद्ध वस्तु के निर्यात की पर्याप्त मात्रा के बारे में पूर्ण मूल्य शृंखला के अभाव में प्राधिकारी प्रतिवादी कंपनी को लिए व्यक्तिगत पाटन मार्जिन का निर्धारण करने और प्रदान करने में सक्षम नहीं है। उपर्युक्त परिस्थितियों के अंतर्गत हयोसंग कारपोरेशन कोरिया आरपी के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण करना संगत नहीं माना जाता है। उपर्युक्त स्थिति को ध्यान में रखते हुए इस प्रारंभिक जांच परिणाम के प्रयोजन के लिए प्राधिकारी हयोसंग कारपोरेशन कोरिया आरपी के लिए, कंपनी द्वारा प्रदान कराई गई सूचना के आधार पर व्यक्तिगत पाटन मार्जिन का निर्धारण नहीं करते हैं।

असहयोगकर्ता निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य

38. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कोरिया आरपी के किसी भी अन्य निर्यातक/उत्पादक ने वर्तमान जांच में प्राधिकारी को प्रत्युत्तर नहीं दिया है। कोरिया आरपी के सभी असहयोगकर्ता निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में प्राधिकारी सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण *** यूएस डालर/एमटी के रूप में करते हैं।

थाईलैंड के उत्पादकों एवं निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

- 39. थाईलैंड के निम्नलिखित संबद्ध उत्पादकों/निर्यातकों ने निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किया है :
 - क) इंडोरामा पेट्रोकेम लिमिटेड, थाईलैंड
 - ख) टीपीटी पेट्रोकैमिकल्स पब्लिक लिमिटेड, थाईलैंड

इंडोरामा पेट्रोकेम लिमिटेड, थाईलैंड

40. निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर में कंपनी ने घोषित किया कि उन्होंने जांच की अविध के दौरान केवल घरेलू बाजार में ही प्रत्यक्ष बिक्रियां संविदा आधार पर और स्थल आधार पर की है। किसी भी अन्य निर्यातक/उत्पादक ने वर्तमान जांच में प्राधिकारी को प्रत्युत्तर नहीं दिया है। कोरिया आरपी के सभी असहयोगकर्ता निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में प्राधिकारी सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण *** यूएस डालर/एमटी के रूप में करते हैं।

टीपीटी पेट्रोकैमिकल्स पब्लिक लिमिटेड, थाईलैंड

41. निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर में कंपनी ने घोषित किया कि उन्होंने जांच की अविध के दौरान केवल घरेलू बाजार में ही प्रत्यक्ष बिक्रियां संविदा आधार पर और स्थल आधार पर की है। किसी भी अन्य निर्यातक/उत्पादक ने वर्तमान जांच में प्राधिकारी को प्रत्युत्तर नहीं दिया है। कोरिया आरपी के सभी असहयोगकर्ता निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में प्राधिकारी सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण *** यूएस डालर/एमटी के रूप में करते हैं।

असहयोगकर्ता निर्यातकों के लिए सामान्य मुल्य

42. प्राधिकारी नोट करते हैं कि थाईलैंड के किसी भी अन्य निर्यातक/उत्पादक ने वर्तमान जांच में प्राधिकारी को प्रत्युत्तर नहीं दिया है। कोरिया आरपी के सभी असहयोगकर्ता निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में प्राधिकारी सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण *** यूएस डालर/एमटी के रूप में करते हैं।

यूरोपियन यूनियन (ईयू) में उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

43. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यूरोपियन यूनिटन के किसी भी अन्य निर्यातक/उत्पादक ने वर्तमान जांच में प्राधिकारी को प्रत्युत्तर नहीं दिया है। कोरिया आरपी के सभी असहयोगकर्ता निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में प्राधिकारी सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण *** यूएस डालर/एमटी के रूप में करते हैं।

निर्यात कीमत

चीन जन.गण.

चीन जन.गण. के निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण

44. मैसर्स झेजियांग यिशेंग पेट्रोकैमिकल कपंनी लिमिटेड चीन जन.गण. और इसकी संबद्ध व्यापारिक कंपनी मैसर्स निंग्बो हिंग्यी ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड चीन जन.गण. ने निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किया है। हालांकि झेजियांग यिशेंग पेट्रोकैमिकल कंपनी लि. चीन जन. गण. संबद्ध वस्तु की उत्पादक है जिसने पीओआई के दौरान भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है वहीं एक अन्य संबद्ध कंपनी मैसर्स निंग्बो हेंग्यी ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण. ऐसा कहा जाता है कि संबद्ध वस्तु की केवल घरेलू बिक्री करती है।

- 45. झेजियांग यिशेंग पेट्रोकैमिकल कंपनी लिमिटेड द्वारा दायर निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि यह कंपनी एक प्रमुख उत्पादक है जिसकी संबद्ध वस्तु की वार्षिक उत्पादन क्षमता लगभग *** एमटी है। परंतु इतनी भारी क्षमता होने के बावजूद कंपनी ने केवल *** संव्यवहार करने का ही दावा किया है जिससे पीओआई के दौरान भारत को संबद्ध वस्तु की *** एमटी का निर्यात किया गया और यह भी संपूर्ण पीओआई में केवल एक माह में जो कि *** यूएस डालर प्रति एमटी के औसत एफओबी कीमत पर। उपर्युक्त स्थिति से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि कंपनी द्वारा किए गए निर्यात इतने कम हैं कि उसको व्यक्तिगत मार्जिन प्रदान करने के लिए विचार नहीं किया जा सकता है। अतः प्राधिकारी झेजियांग यिशेंग पेट्रोकैमिकल कंपनी लिमिटेड चीन जन.गण. द्वारा किए गए निर्यातों पर निवल निर्यात कीमत तथा व्यक्तिगत पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए विचार नहीं करते हैं।
- 46. अत: प्राधिकारी ने चीन जन.गण. के सभी निर्यातकों के लिए निवल निर्यात कीमत का निर्धारण उपलब्ध तथ्यों के आधार पर नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार *** यूएस डालर प्रति एमटी की है।

कोरिया आरपी

सैमसंग पेट्रोकैमिकल कंपनी लिमिटेड कोरिया आरपी जिसे अब सैमसंग जनरल कैमिकल कंपनी लिमिटेड (उत्पादक) और सैमसंग सीएंडटी, कोरिया आरपी (निर्यातक) के रूप में जाना जाता है।

47. निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर में सैमसंग पेट्रोकैमिकल कंपनी लिमिटेड कोरिया आरपी (अब सैमसंग जनरल कैमिकल कंपनी लिमिटेड के रूप में ज्ञात) ने दावा किया है कि उसने भारत को संबद्ध वस्त् का निर्यात अपनी संबद्ध कंपनी अर्थात सैमसंग सीएंडटी, कोरिया आरपी और मित्स्बिशी कारपोरेशन, जापान के जरिए किया है। निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर में प्रदान कराई गई जानकारी से प्राधिकारी नोट करते हैं कि सैमसंग पेट्रोकैमिकल कंपनी लिमिटेड कोरिया आरपी ने सैमसंग सीएंडटी कोरिया आरपी के जरिए जांच की अविध के दौरान भारत को संबद्ध वस्तु का *** यूएस डालर प्रति एमटी की औसत कीमत पर *** एमटी का निर्यात किया है और मित्स्बिशी कारपोरेशन, जापान के जरिए *** एमटी का निर्यात किया है। यद्यपि मैसर्स सैमसंग सीएंडटी कोरिया आरपी ने निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किया परंतु मित्स्बिशी कारपोरेशन, जापान ने निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर नहीं किया। प्राधिकारी नोट करते हैं कि मित्सुबिशी कारपोरेशन, जापान के जरिए किया गया निर्यात बहुत अधिक नहीं है और इसलिए उन्होंने निवल निर्यात कीमत का निर्धारण सैमसंग पेट्रोकैमिकल कंपनी लिमिटेड कोरिया आरपी (अब सैमसंग जनरल कैमिकल कंपनी लिमिटेड के रूप में ज्ञात) (उत्पादक) और सैमसंग सीएंडटी कोरिया आरपी (निर्यातक) के लिए, मित्स्बिशी कारपोरेशन, जापान के जरिए किए गए निर्यातों का अपवर्जन करते हुए निर्धारण किया। प्राधिकारी ने फैक्टरी बाहय स्तर पर निवल निर्यात कीमत पर पहुंचने के लिए लंबित सत्यापन शुल्क प्रतिअदायगी को छोड़कर उत्पादक और निर्यातक द्वारा दावा किए गए समायोजन किए हैं। तदन्सार सैमसंग पेट्रोकैमिकल कंपनी लिमिटेड कोरिया आरपी (अब सैमसंग जनरल कैमिकल कंपनी लिमिटेड के रूप में ज्ञात) (उत्पादक) और सैमसंग सीएंडटी कोरिया आरपी (निर्यातक) के लिए फैक्टरी बाह्य निवल निर्यात कीमत का अनंतिम निर्धारण *** यूएस डालर प्रति एमटी किया है।

टैक्वांग इंडस्ट्रियल कंपनी लिमिटेड, कोरिया आरपी

48. निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर में कंपनी ने घोषित किया है कि जांच की अविध के दौरान उन्होंने भारत को निर्यात प्रत्यक्षतः तथा अल्प मात्रा (*** एमटी) में अपने असंबद्ध विदेशी व्यापारियों के जिरए भी किया है। उपर्युक्त निर्यात को अमहत्वपूर्ण मानते हुए प्राधिकारी ने निवल निर्यात कीमत का निर्धारण उन निर्यातों का अपवर्जन करके किया है। निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर में टैक्वांग इंडस्ट्रियल कंपनी लिमिटेड कोरिया आरपी ने जांच की अविध के दौरान भारत को *** एमटी संबद्ध वस्तु का निर्यात *** यूएस डालर प्रति एमटी की सीआईएफ कीमत पर करने का दावा किया है। प्राधिकारी ने फैक्टरी

बाह्य स्तर पर निवल निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए सत्यापन लंबित रहने तक शुल्क प्रति अदायगी के अपवाद को छोड़कर प्रश्नावली प्रत्युत्तर में निर्यातक द्वारा किए गए सभी दावों को स्वीकार कर लिया। तदनुसार, टैक्वांग इंडिस्ट्रियल कंपनी लिमिटेड कोरिया आरपी के लिए फैक्टरी बाह्य स्तर पर निवल निर्यात कीमत का अनंतिम रूप से निर्धारण *** यूएस डालर प्रति एमटी किया है।

एस.के. पेट्रोकैमिकल इंक, कोरिया आरपी

49. निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि कंपनी ने जांच की अविध के दौरान भारत को संबद्ध वस्तु की भारी मात्रा का निर्यात अपनी दो अन्य कंपनियों अर्थात मित्सुबिशी कारपोरेशन, जापान तथा हयोंसंग कारपोरेशन कोरिया आरपी के जरिए तथा इसकी संबद्ध व्यापारिक कंपनी अर्थात हयोंसंग ट्रेडिंग पीजी कोरिया आरपी के जरिए किया है। यद्यपि मित्सुबिशी कारपोरेशन, जापान ने निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किया है जिसके जरिए संबद्ध वस्तु की केवल *** एमटी का निर्यात किया गया था, जबिक हयोंसंग ट्रेडिंग पीजी कोरिया आरपी जिसके जरिए *** एमटी संबद्ध वस्तु का निर्यात किया गया था ने प्राधिकारी को सहयोग नहीं दिया और वर्तमान जांच में निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर नहीं किया। इसके परिणामस्वरूप जांच की अविध के दौरान एस.के. पेट्रोकैमिकल इंक. कोरिया आरपी द्वारा संबद्ध वस्तु की भारी मात्रा में निर्यात के संबंध में संपूर्ण मूल्य शृंखला के अभाव में प्राधिकारी एस.के. पेट्रोकैमिकल इंक. कोरिया आरपी के संबंध में निवल निर्यात कीमत का निर्धारण नहीं करते हैं और उसे व्यक्तिगत मार्जिन प्रदान नहीं करते हैं। इसके अतिरिक्त जांच की अविध के दौरान के पश्चात की अविध में एस.के. पेट्रोकैमिकल इंक. कोरिया आरपी ने सूचित किया है कि उन्होंने संबद्ध वस्तु का उत्पादन बंद कर दिया है और इस जांच से अलग होने की इच्छा व्यक्त की है।

मैसर्स ह्योसंग कारपोरेशन, कोरिया आरपी

- 50. निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि कंपनी ने जांच की अविध के दौरान भारत को तीन सरिणयों के जरिए निर्यात किया है:
 - क) स्व-उत्पादित संबद्ध वस्त् की प्रत्यक्ष बिक्री
 - ख) स्व-उत्पादित संबद्ध वस्त् की अपने असंबद्ध व्यापारी मित्स्बिशी एंड कपंनी कोरिया आरपी के जरिए निर्यात
 - ग) अन्य उत्पादकों अर्थात एस.के. पेट्रोकैमिकल, लोहे कैमिकल और सामनाम पेट्रोकैमिकल द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु का अपनी हयोसंग ट्रेडिंग पीजी नामक संबद्ध व्यापारिक कंपनी के जरिए निर्यात।
- 51. यद्यपि हयोसंग कारपोरेशन कोरिया आरपी द्वारा स्वयं उत्पादित संबद्ध वस्तु का उनके द्वारा किए गए प्रत्यक्ष निर्यात के लिए निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किया है तथापि इसकी संबद्ध व्यापारिक कंपनी अर्थात हयोसंग ट्रेडिंग पीजी, जिसके जिरए अन्य उत्पादकों द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु की भारी मात्रा का निर्यात जांच की अविध के दौरान भारत को किया गया है, ने निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर नहीं किया है। इसके अतिरिक्त, मित्सुई एंड कंपनी कोरिया आरपी, जिसके जिरए हयोसंग कारपोरेशन कोरिया आरपी में जांच की अविध के दौरान भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है, ने भी निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर नहीं किया है। इसके परिणामस्वरूप, हयोसंग कारपोरेशन, कोरिया आरपी और इसकी संबद्ध व्यापारिक कंपनियों मैसर्स हयोसंग ट्रेडिंग पीजी तथा अन्य अंतर्ग्यस्त उत्पादकों/व्यापारियों द्वारा जांच की अविध के दौरान भारत को संबद्ध वस्तु के किए गए निर्यातों की पर्याप्त मात्रा के संबंध में संपूर्ण मूल्य शृंखला के अभाव में प्राधिकारी निवल निर्यात कीमत का निर्धारण नहीं करते हैं और हयोसंग कारपोरेशन कोरिया आरपी को व्यक्ति मार्जिन प्रदान नहीं करते हैं।

कोरिया आरपी के असहयोगकर्ता निर्यातक

52. कोरिया आरपी के उन अन्य सभी निर्यातकों के संबंध में, जिन्हें असहयोगकर्ता के रूप में माना गया है, प्राधिकारी निवल निर्यात कीमत का अनंतिम रूप से निर्धारण नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर *** यूएस डालर/एमटी के रूप में करते हैं।

थाईलैंड

- 53. थाईलैंड के निम्नलिखित संबद्ध उत्पादकों/निर्यातकों ने निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किया है :
 - क) इंडोरामा पेट्रोकेम लिमिटेड, थाईलैंड
 - ख) टीपीटी पेट्रोकैमिकल्स पब्लिक लिमिटेड, थाईलैंड

इंडोरामा पेट्रोकेम लिमिटेड थाईलैंड

54. निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर में कंपनी ने घोषित किया कि जांच की अविध के दौरान उसने भारत को, अपनी संबद्ध भारतीय कंपनी अर्थात मैसर्स इंडोरामा सिंथेटिक्स (आई) लिमिटेड को ही प्रत्यक्ष निर्यात किया है। कंपनी ने जांच की अविध के दौरान संबद्ध वस्तु का भारत को *** यूएस डालर/एमटी की औसत कीमत पर *** एमटी संबद्ध वस्तु का कुल निर्यात किए जाने की सूचना दी है। प्राधिकारी ने फैक्टरी बाहय निवल निर्यात कीमत पर पहुंचने के उद्देश्य से निर्यातक द्वारा किए गए दावों का समायोजन सत्यापन लंबित रहने पर निर्यात प्रोत्साहनों के अपवाद सिहत कर दिया है और उसका निर्धारण *** यूएस डालर/ एमटी के रूप में किया है।

टीपीटी पेट्रोकैमिकल्स पब्लिक लिमिटेड, थाईलैंड

55. निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर मे. कम्पनी ने घोषित किया कि कंपनी ने जांच की अविध के दौरान संबद्ध वस्तु का भारत को अपनी संबद्ध भारतीय कंपनी अर्थात इंडोरामा सिंथेटिक्स (आई) लिमिटेड के जिरए प्रत्यक्ष निर्यात किया है। कंपनी ने जांच की अविध के दौरान भारत को *** यूएस डालर/एमटी की औसत कीमत पर *** एमटी संबद्ध वस्तु का कुल निर्यात किए जाने की सूचना दी है। प्राधिकारी ने फैक्टरी बाह्य निवल निर्यात कीमत पर पहुंचने के उद्देश्य से सत्यापन लंबित रहने तक निर्यात प्रोत्साहनों को छोड़कर, निर्यातक द्वारा किए गए दावों का समायोजन किया है और उसका निर्धारण *** यूएस डालर/एमटी के रूप में किया है।

थाइलैण्ड के असहयोगकर्ता निर्यातक

56. थाइलैण्ड के अन्य सभी निर्यातकों के संबंध में, जिन्हें असहयोगकर्ता के रूप में माना गया है, प्राधिकारी ने उनकी निवल निर्यात कीमत का अनंतिम रूप से निर्धारण उपलब्ध तथ्यों के आधार पर नियमावली के नियम 6 (8) में उल्लिखित शर्तों के अनुसार *** यूएस डालर प्रति एमटी के रूप में किया है।

यूरोपियन यूनियन (ईयू) के निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण

57. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यूरोपियन यूनियन के किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने वर्तमान जांच में निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर नहीं किया है। इसलिए, यूरोपियन यूनियन के सभी निर्यातकों के लिए निवल निर्यात कीमत का निर्धारण नियमावली के नियम 6(8) में उल्लिखित शर्तों के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के अनुरूप 990.75 यूएस डालर प्रति एमटी निर्धारित करते हैं।

पाटन मार्जिन

58. ऊपर निर्धारित सामान्य मूल्य और निवल निर्यात कीमत पर विचार करते हुए पाटन मार्जिन का परिकलन निम्नवत किया गया है।

क्र. सं.	निर्यात की सरणी	उत्पादक का नाम	निर्यातक	सामान्य मूल्य यूएस डालर/एमटी	निवल निर्यात कीमत यूएस डालर/एमटी	पाटन मार्जिन यूएस डालर/एमटी	पाटन मार्जिन %	पाटन मार्जिन रेंज %
	चीन जन.गण.							
1	कोई	सभी उत्पादक	सभी निर्यातक	***	***	***	***	15-25
				कोरिया	आरपी	•		
2	कोरिया आरपी – भारत	सैमसंग जनरल कैमिकल कंपनी लि.	सैंमसंग सीएंडटी	***	***	***	***	0-10
3	कोरिया आरपी – भारत	टैक्वांग इंडस्ट्रियल कंपनी लि.	टैक्वांग इंडस्ट्रियल कंपनी लि.	***	***	***	***	5-15
4	कोई	अन्य सभी उत्पादक	अन्य सभी निर्यातक	***	***	***	***	10-20
			•	थाईत	ਮੈਂ <u>ड</u>		•	
5	थाईलैंड – भारत	इंडोरामा पेट्रोकेम लि.	इंडोरामा पेट्रोकेम लि.	***	***	***	***	0-10
6	थाईलैंड - भारत	टीपीटी पेट्रोकैमिकल्स पब्लिक लि.	टीपीटी पेट्रोकैमि- कल्स पब्लिक लि.	***	***	***	***	0-10
7	कोई	अन्य सभी उत्पादक	अन्य सभी निर्यातक	***	***	***	***	20-30
	यूरोपियन यूनियन							
8	कोई	सभी उत्पादक	सभी निर्यातक	***	***	***	***	10-20

ज. क्षति एवं कारणात्मक संबंध

निर्यातकों, आयातकों, प्रयोक्ताओं तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किया गया प्रस्तुतिकरण

- 59. क्षिति एवं कारणात्मक संबंध के बारे विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए तथा प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए प्रस्तुतिकरण निम्नलिखित हैं:-
 - क. सम्बद्ध वस्तु के घरेलू उत्पादकों में से एक कम्पनी जिसने इस याचिका का समर्थन नहीं किया है, आई ओ सी एल की कीमत अन्य घरेलू उत्पादकों की कीमत से 4-10 प्रतिशत कम है। परंतु आई ओ सी एल में अपनी वार्षिक रिपोर्ट में आयातों के कारण कीमत में कमी होने का दावा नहीं किया है।

- ख. घरेलू उद्योग ने विभिन्न कारकों में संभावित गिरावट को सिद्ध नहीं किया है।
- ग. यह आरोप कि वर्ष 2009-10 की तुलना में आयातों की मात्रा में समग्र वृद्धि हुई है, त्रुटिपूर्ण है। वर्ष 2009-10 वैश्विक मंदी का समय था और उसको आधार वर्ष मानकर किया गया कोई विश्लेषण उपयुक्त नहीं होगा।
- घ. आयातों की मात्रा में वर्ष 2010-11, 2011-12 और जांच की अवधि में कमी आई है। उत्पादन तथा खपत के संबंध में आयातों के प्रतिशत में वर्षों से तीव्र गिरावट हुई है।
- ड. घरेलू उद्योग मात्रा प्रभाव के कारण क्षिति का दावा नहीं कर सकता है क्योंकि यह अनिवार्य है कि जब घरेलू उद्योग अपनी अधिकतम क्षमता से प्रचालन कर रहा हो तब भी आयात होंगे, परंतु यह बाजार की मांग को अभी भी पूरा नहीं कर पाया है।
- च. आयातों के अवसारित मूल्य ने लगातार एवं पर्याप्त वृद्धि प्रदर्शित की है।
- छ. घरेलू उद्योग के उत्पादन और बिक्री में भारी वृद्धि हुई है।
- ज. एमसीपीआई ने पर्यावरण मंत्रालय को लिखे अपने पत्र में अपने संयंत्र में तकनीकी समस्या होने का दावा किया है, जिसके परिणामस्वरूप, संयंत्र समुचित रूप से प्रचालन नहीं कर सका। इसके कारण उनके निर्यात में कमी आई। आवेदक लाभ उठाने के लिए विभिन्न सांविधिक प्राधिकारियों के समक्ष विभिन्न दावा नहीं कर सका। आई ओ सी और आर आई एल ने पीटीए सुविधा का प्रचालन सम्पूर्ण क्षमता से किया परन्तु एमसीपीआई तकनीकी समस्या के कारण अपने उत्पादन का सामान्यीकरण नहीं कर सका।
- झ. अन्य घरेलू उत्पादकों के संयंत्र 100 प्रतिशत क्षमता से अधिक पर प्रचालन कर रहे हैं इसलिए, आयातों के कारण न्यून क्षमता उपयोग का दावा गलत है।
- अ. वर्ष 2011-12 में जांच की अविध में विक्री में वृद्धि उसी अविध के दौरान उत्पादन में हुई वृद्धि की तुलना में अधिक है इस मामले में यह तथ्य कि माल सूची में वृद्धि हुई इसके विपरीत है।
- ट. वर्ष 2010-11 से आयातों के बाजार हिस्से में भारी गिरावट आई है।
- ठ. उत्पादकता पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। रोजगार में वृद्धि हुई है। हल्की सी गिरावट एमसीपीआई संयंत्र में तकनीकी समस्या के कारण आई है। संदत्त पारिश्रमिक में भी वृद्धि हुई है।
- ड. क्षिति के दावे के आलोक में घरेलू उद्योग द्वारा पर्याप्त रूप से उच्च क्षमता विस्तार असंगत है।
- ढ. पीटीए के घरेलू उत्पादकों द्वारा संदर्भ कीमत रखों कि आईसीआईएस या प्लैट्स द्वारा रिपोर्ट की गई सीएफआर चीन द्वारा रिपोर्टित सीएफआरसीयू वी है का निर्धारण किया गया है और यह आयातों से मुक्त है।
- ण. आवेदक, जो यद्यपि सीमा शुल्क के अध्यधीन नहीं है उसे संदर्भ कीमत की 5.583 प्रतिशत की दर से प्रभातिकर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, चूंकि कीमत यूएस डालर में है, इसलिए वे रूपए में प्रपाती गिरावट का अनुचित लाभ प्राप्त कर रहे हैं।
- त. एमपीसीएल, पीएक्स की कमी से पीड़ित है और उसके लिए आयातों को उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता है। पीएक्स की कीमत में वृद्धि हो गई है परतु नाफ्था की कीमत में उसी अनुपात में वृद्धि नहीं हुई है। तथापि, नाफ्था की कीमतों में वृद्धि, पीटीए की कीमतों में वृद्धि के समान ही थी। तीन में से दो घरेलू उत्पादक नाफ्था से पीएक्स का उत्पादन करते हैं और वे पीटीए का उत्पादन करने के लिए इसकी खपत

- करते हैं। इसलिए उत्पादन, गैर क्षतिकारी कीमत, लाभ/हानि और आवक का निर्धारण करने के लिए वास्तविक उत्पादन लागत पीएक्स के लिए ग्रहण की जानी चाहिए न कि किसी राष्ट्रीय कीमत को।
- थ. थाईलैण्ड से आयातों में समग्र गिरावट आई है और कोरिया से आयातों में मामूली सी वृद्धि हुई है। अतः चीन द्वारा पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने से निर्यातकों के व्यवहार पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।
- द. मांग में वृद्धि में मामूली से वृद्धि इस तथ्य के कारण आई है कि कतिपय प्रयोगकर्ता पुनर्श्चक्रित सामग्री जैसे पीईटी बोतलें आदि का प्रयोग करने लगे हैं क्योंकि यह पीटीए का जाता विकल्प है।
- ध. घरेलू उद्योग द्वारा विचार की गई विनिमय दर 54 है जबिक आरबीआई की चालू विनिमय दर 62.88 है। यदि प्रचलित विनिमय दर पर विचार किया जाता है तो कीमत अधारदन और कीमत अधोविक्रमण का स्तर कम हो जाएगा।
- न. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-।। (iv) में विशिष्ट क्षिति से संबंधित आंकड़ों का "पृथक अभिज्ञान" किए जाने की अपेक्षा की गई है क्योंकि केवल तीन ही घरेलू उत्पादक हैं और प्रत्येक उत्पादक की उत्पादन प्रक्रिया भिन्न है।
- प. आर आई एल के पीटीए उत्पादन के 66 प्रतिशत का उत्पादन ग्राही खपत के लिए होता है और यह आयातों से प्रतिस्पर्धा नहीं करता है।
- फ. कीमत और लागत में भारी उतार-चढ़ाव के कारण सभी आर्थिक पैरामीटरों (कीमत अधेरदन, अधोविक्रमण, निग्रहण एवं अवमंदन सहित) की जांच मासिक आधार पर की जानी चाहिए।
- ब. कीमत निग्रहण/अवमंदन के संदर्भ में आर आई एल और एमसीपीआई की लागत में भारी अंतर है और उत्पादन लागत का असाधारण संचयन विश्लेषण को विकृत कर देगा।
- भ. पीएक्स पीटीए आंकड़ों में कमी के कारण एमसीपीआई को क्षिति हुई, परन्तु आर आई एल और आई ओ सी को लाभ हुआ। याचिकाकर्ता दावा करते हैं कि पीएक्स पीटीए डेल्टा अतिजीविता बनाए रखने के लिए विदेशी उत्पादकों हेतु कम से कम 150 डालर/एमटी होना चाहिए। तथापि, एमसीपीआई का पीएक्स-पीटीए डेल्टा (इकाई पीटीए उत्पादन लागत-इकाई पीएक्स लागत) 253-279 डालर/एमटी है। यह दर्शाता है कि एमसीपीआई, जब तक अपनी कीमतों में कमी नहीं करती है वह विदेशी उत्पादकों के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकता है।
- म. आर आई एल को पीएक्स प्रभाग में भारी लाभ हुआ है, परन्तु उसे पीटीए प्रभाग में क्षिति हुई है। आर आई एल पीएक्स के उत्पादन को प्रथम लाभ केन्द्र में रूप में मानता है और पीएक्स की लागत को लागत प्लस या बाजार कीमत आधार पर पीटीए को अंतरित करता है। इसके परिणामस्वरूप पीटीए की वास्तविक लागत में वृद्धि होती है।
- य. सुविधा उपयोग, लाभप्रदायकर्ता और संवर्धित माल सीची को छोड़कर किसी भी आर्थिक पैरामीटर ने क्षति प्रदर्शित नहीं की है।
- कक. एमसीपीआई ने आधार वर्ष की तुलना में जांच की अविध के दौरान वास्तविक उत्पादन में 100 प्रतिशत से अधिक वृद्धि की है।
- खख. आर आई एल और आई ओ सी ने जांच की अविध में सर्वोत्तम क्षमता उपयोग प्राप्त किया है। इसलिए तीन उत्पादकों के औसत के आधार पर क्षमता उपयोग में गिरावट का दावा भ्रमपूर्ण है।

- गग. आर आई एल ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में यह स्वीकार किया है कि उसके पेट्रोकेमिकल सेक्टर को 11.2 प्रतिशत और 8.2 प्रतिशत का प्रचालन लाभ हुआ है जो कम्पनी के व्यापक लाभ में बहुत अधिक है।
- घघ. नियमावली के अनुबंध-। (1) के अनुसार, लागत के तथ्य का निर्धारण आर आई एल द्वारा रखे गए रिकार्डों के आधार पर किया जाना चाहिए, भारतीय जीएएपी के अनुसार इन रिकार्डों का अनुरक्षण किया जाना चाहिए और वे उत्पादन एवं बिक्री की लागत को तर्कसंगत रूप से प्रदर्शित करें। लागत को आर आई एल के लेखा परीक्षित वित्तीय विवरणों के समायोजित की जानी चाहिए।
- ड॰ड॰. आई ओ सी की वार्षिक रिपोर्ट दर्शाती है कि उसके पेट्रोकेमिकल सेक्टर में जांच की अविध में घाटे के बजाय लाभ हुआ है। आई ओ सी को भी लाभ हुआ क्योंकि यह पीएक्स का उत्पादन और उपयोग करता है।
- चच. आर आई एल ने ग्राही खपत के संदर्भ में सम्पूर्ण मात्रा सूचना प्रदान की है। आर आई एल ने प्रत्येक बाजार प्रखंड व्यापारी और ग्राही के लिए सूचना प्रदान नहीं की है।
- छछ. मित्सुबिशी कारपोरेशन और सैमसंग कोरिया ने प्रतिमाह 4000-5000 एमटी पीटीए का क्रय/ बिक्री करने का एक संविदा 1 नवम्बर, 2012 को किया है। इस संविदा के अंतर्गत सभी पीटीए को भारतीय बाजार के लिए निर्धारित किया गया है।
- जज. पीटीए का विनिर्माण करने के लिए पैराक्सीलीन मुख्य फीडस्टाक है, पीटीए की क्षमता में भारी वृद्धि हुई है। वर्ष 2009-10 से 2012-13 की अवधि के दौरान पीएक्स उत्पादन में क्षमता संवर्धन कम हो गया। क्षमता संवर्धन और पीएक्स की आपूर्ति में कमी से पीएक्स की कीमतों में वृद्धि हुई, जिस कारण से पीटीए की उत्पादन लागत में वृद्धि हुई। पीटीए की बिक्री कीमत पर दबाव पीटीए की अधिक आपूर्ति होने के कारण आया इसलिए विनिर्माताओं के मार्जिन पर दबाव पड़ा।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण

- 60. क्षिति एवं कारणात्मक संबंधों के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित प्रस्तुतिकरण किए गए हैं और प्राधिकारी ने उन्हें संगत माना है:-
 - क. इस तर्क के संबंध में कि घरेलू उद्योग ने विभिन्न कारकों में संभावित गिरावट को सिद्ध नहीं किया है, प्राधिकारी घरेलू उद्योग की वास्तविक स्थिति की जांच कर रहे हैं और यदि कोई क्षति प्रदर्शित नहीं होती है तो संभावित कारक असंगत हो जाता है।
 - ख. यह तथ्य असंगत है आधार वर्ष मंदी का काल था, क्योंकि क्षति का दावा कीमत पर आधारित है, न कि मात्रा पैरामीटर पर। इसके अतिरिक्त, वर्ष 2009-10 में आयात पिछले वर्ष की तुलना में बह्त अधिक थे।
 - ग. वर्ष 2010-11 के पश्चात् आयात माप में गिरावट आई क्योंकि एमसीपीआई ने संस्थापित नई क्षमता से उत्पादन करना प्रारंभ कर दिया था। तथापि, लाभ नकदी प्रवाह और निवेश पर अर्जन के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन में वर्ष 2010-11 के पश्चात् वास्तवित रूप से गिरावट हुई।
 - घ. इस संबंध में कि घरेलू उद्योग अपनी पूर्ण क्षमता पर प्रचालन करने के बावजूद भी घरेलू मांग को पूरा करने में सक्षम नहीं हो रहा है, घरेलू उद्योग ने पाटन के विपरीत कीमत प्रभाव का दावा किया है।
 - इ. प्रत्युत्तर दाता पक्षकारों द्वारा किए गए दावे के अनुसार यद्यपि आयात कीमत में वृद्धि हुई है, तथापि, आयातों की सीआईएफ कीमत और अवसारित कीमत में वृद्धि कच्चे माल की लागत में हुई वृद्धि की तुलना में बहुत कम है और कीमत निग्रहण हुआ है।

- च. इस तर्क के संबंध में कि एमसीपीआई ने पर्यावरण मंत्रालय को लिखे एक पत्र में अपने संयंत्र में तकनीकी समस्या होने का दावा किया है, यह उल्लेख किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने कीमत का दावा किया है न कि मात्रा क्षिति का।
- छ. इस तर्क के संबंध में कि घरेलू उद्योग के उत्पादन और उसकी बिक्री में भारी वृद्धि हुई है घरेलू उद्योग ने कीमत का दावा किया है, न कि मात्रा क्षति का।
- ज. इस तर्क के संबंध में अन्य घरेलू उत्पादकों के संयंत्र अपनी 100 प्रतिशत क्षमता से अधिक प्रचालन कर रहे हैं। और इसलिए न्यून क्षमता उपयोग का दावा नहीं किया जा सकता है, घरेलू उद्योग ने कीमत का दावा किया है, न कि मात्रा क्षति का।
- झ. इस तर्क के संबंध में कि वर्ष 2010-11 से आयातों के बाजार हिस्से में भारी गिरावट आई है, घरेलू उद्योग ने कीमत का दावा किया है, न कि मात्रा क्षति का।
- ञ. प्रत्युत्तर पक्षकार ने यह दावा किया है कि वर्ष 2011-12 से जांच की अविध में बिक्री में वृद्धि उसी अविध के दौरान हुई उत्पादन में वृद्धि की तुलना से अधिक है और इसलिए मालसूची में वृद्धि हो ही नहीं सकती है। घरेलू उद्योग कीमत न कि मात्रा क्षति का दावा किया है। इसके अतिरिक्त घरेलू उद्योग की बिक्री में वृद्धि, इसके उत्पादन में वृद्धि की तुलना में कम थी, जिसके कारण माल सूची में बढ़ोत्तरी हुई।
- ट. उत्पादकता रोजगार और वेतन के संबंध में, याचिकाकर्ताओं ने इनके कारण क्षति का दावा नहीं किया है। इसके अतिरिक्त, नियमों में विशिष्टत: यह उल्लेख नहीं है कि क्षति सभी पैरामीटरों के संबंध में होनी चाहिए।
- ठ. घरेलू उद्योग द्वारा क्षमता विस्तार के संबंध में यह कहा जा सकता है कि यह वृद्धि दीर्घकालिक उद्देश्यों को ध्यान में रखकर की गई।
- 5. प्रतिवादी पक्षकार ने यह तर्क दिया है कि आवेदक, यद्यिप उन पर सीमा शुल्क लागू नहीं था फिर भी, संदर्भ कीमत का 5.583 प्रतिशत की दर से सीमा शुल्क प्रभारित कर रहे हैं और यह कि चूंकि कीमतें यूएस डालर में हैं, इसलिए रूपए में आई प्रपाती गिरावट के कारण उन्हें भारी लाभ हो रहा है। यह दर्शाता है कि घरेलू उद्योग द्वारा अपनाया गया कीमत तंत्र आयात पक्षपात पर आधारित है। इसलिए अतिरिक्त, रूपए के अवमूल्यन का भी उत्पादन लागत पर प्रभाव पड़ा होगा। प्राधिकारी की यह एक सुस्थापित परम्परा रही है कि वह जांच की अविध के दौरान प्रचलित विनिमय दर के आधार पर निर्धारण करते हैं।
- ढ. चूिक जांच की अविध के दौरान मलेशिया से आयात निर्धारित सीमा से कम थे, इसलिए मलेशिया के निर्यातक और याचिकाकर्ताओं में से किसी एक के बीच संबंध होने की बात असंगत हो जाती।
- ण. एमपीसीएल को पीएक्स की कमी के कारण परेशान होना नहीं पड़ रहा है, जैसा कि प्रतिवादी पक्षकार ने दावा किया है। इसका विपरीत मात्रा प्रभाव पड़ना चाहिए परन्त् उसका दावा घरेलू उद्योग द्वारा नहीं किया गया है।
- त. थाइलैण्ड से आयात में सम्पूर्ण गिरावट होने और कोरिया से आयातों में मामूली वृद्धि होने के मुद्दे के संबंध में घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि सभी देशों से किए जाने वाले आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन होना चाहिए। थाइलैण्ड से आयातों में गिरावट कोरिया में हुई आयातों की वृद्धि के कारण आई है।
- थ. इस तर्क के संबंध में कि पुनर्चक्रित सामग्री, जैसे पी ई टी बोतलों में अंतरण के कारण मांग में कम वृद्धि हुई है, यह कहा जा सकता है कि मांग में ऐसा कोई संकुचन अथवा खपत की प्रणाली में ऐसा कोई परिवर्तन नहीं हुआ जिसके कारण घरेलू उदयोग प्रभावित हुआ हो।
- द. इस दावे के संबंध में कि भारतीय रिजर्व बैंक की चालू विनिमय दर 62.88 है, जबकि जांच की अविध के दौरान विनिमय दर 55.67 थी और उसे ही घरेलू उद्योग द्वारा अपनाया गया था।
- ध. क्षति की रिपोर्टिंग के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा केन्द्रीय उत्पाद का समाहत लिए से जानकारी मंगाने के संबंध में यह कहा जाता है कि पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत प्राधिकारी की यह अपेक्षा नहीं है।

- न. प्रतिवादी पक्षकार ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II (iv) की गलत व्याख्या की है कि उसमें "पृथक अभिज्ञान" की जरूरत है। अनुबंध-II (iv) में एक ऐसी स्थिति का प्रावधान किया है जहां समान उत्पाद के उत्पादन से संबंधित सूचना जैसे उत्पादक का लाभ और बिक्री को अलग से अभिज्ञात नहीं किया जा सकता है। अनुबंध-II (iv) प्राधिकारी को आयातों के प्रभाव का मूल्यांकन करते समय घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित समान उत्पाद की तुलना में व्यापक उत्पाद समूह के उत्पादन के संबंध में सूचना पर विचार करने की अनुमति प्रदान करता है, जिसमें समान उत्पाद भी शामिल हों। यह विभिन्न उत्पादकों की पृथक क्षति विश्लेषण को शामिल नहीं करता है।
- न. यह दावा कि आर आई एल के पीटीए उत्पादन का 66 प्रतिशत उत्पादन ग्राही खपत के लिए होता है और यह आयातों के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं करता है, इससे पृथक विश्लेषण न्यायोचित नहीं बन जाता है। आर आई एल ने ग्राही उत्पादन को शामिल करते हुए ग्राही उत्पादन को शामिल न करते हुए दोनों रूपों में सूचना प्रदान कर दी है।
- प. इस तर्क के संबंध में कि पीएक्स, पीटीए डेल्टा में कमी होने के कारण एमसीपीआई को घाटा हुआ परंतु आर आई एल और आई ओ सी को लाभ हुआ, लाभ में गिरावट को भी क्षति माना जाता है।
- फ. यह तर्क कि चूंकि घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा 80 प्रतिशत से अधिक है, इसलिए कोरिया के उत्पाद भारत में बाजार कीमतों को अग्रसर नहीं कर सके। यह तर्क पिछले तर्क का खण्डन करता है जिसमें यह कहा गया है कि अंतर्राष्ट्रीय कीमतों को अपनाया गया।
- ब. यह तर्क की आर आई एल और एम सी पी आई की संचयी उत्पादन लागत का प्रयोग नहीं किया जा सकता है क्योंकि इससे विश्लेषण विकृत हो जाएगा, स्वीकार नहीं किया जा सकता है क्योंकि घरेलू उद्योग के निष्पादन पर समग्र रूप से विचार किया जाना है।
- भ. यह दावा कि एमसीपीआई का पीएक्स पीटीए डेल्टा 253-279 डालर/एमटी है, जो दर्शाता है कि एमसीपी आई जब तक अपनी लागत में कटौती नहीं करता है तब तक वह विदेशी उत्पादकों के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकता है, तथ्यत: गलत है।
- म. यह दावा कि आर आई एल को पीएक्स प्रभाग में भारी लाभ हुआ परन्तु पीटीए प्रभाग में उसे घाटा हुआ, पिछले दावे का खण्डन करता है कि आरआईएल की लागत न्यून है और एमसीपीआई को क्षिति हो रही है। प्राधिकारी को ग्राही इनपुटों पर विचार उनकी बाजार कीमतों के अनुरूप करना चाहिए।
- कक. कुछ पैरामीटरों द्वारा क्षति न दर्शाए जाने के संबंध में, घरेलू उद्योग पर पाटन का विपरीत प्रभाव कीमत अधोरदन, कीमत निग्रहण/ अवमंदन, माल सूची लाभ, नकद लाभ और निवेश पर अर्जन जैसे पैरामीटरों के संबंध में पड़ा है।
- खख. मालसूची के संबंध में यह कहा जा सकता है कि घरेलू उद्योग को मांग आपूर्ति में अंतर के बाबजूद बढ़ती मालसूची का सामना करना पड़ा।
- गग. इस तर्क के संबंध में कि आरआईएल और आईओसी ने पीटीए सुविधा का प्रचालन पूर्ण क्षमता के साथ किया परंतु एमसीपीआई अपने उत्पादन को सामान्य नहीं बना सकी क्योंकि उसे तकनीकी समस्या थी, यह कहा जा सकता है कि वर्तमान मामले में मात्रा क्षति का दावा नहीं किया गया है।
- घघ. इस तर्क के संबंध में कि एससीपीआई ने अपने वास्तविक उत्पादन में आधार वर्ष की तुलना में जांच की अविध के दौरान 100 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि की है, वर्तमान मामले में मात्रा क्षिति का दावा नहीं किया गया है। उत्पाद में इतनी अधिक वृद्धि होने के बावजूद घरेलू उद्योग के लाभ में प्रपाती गिरावट आई है।

- ड़ड़. प्रतिवादी पक्षकार ने यह तर्क दिया है कि आरआईएल और आईओसी ने जांच की अवधि में सर्वोत्त्म क्षमता उपयोग प्राप्त किया है इसलिए तीनों उत्पादकों के क्षमता उपयोग का औसत निकालना भ्रामक है। किसी भी मामले में मात्रा क्षति का दावा नहीं किया गया है।
- चच. प्रत्युत्तरदाता पक्षकार ने दावा किया है कि आरआईएल ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में यह स्वीकार किया है कि पेट्रोकैमिकल सेक्टर को 11.2 प्रतिशत और 8.2 प्रतिशत का प्रचालन लाभ हुआ है जो कंपनी के व्यापक लाभ से काफी अधिक है। घरेलू उद्योग को क्षिति का दावा संबंधित उत्पाद के लिए किया जाता है न कि सेक्टर के लिए समग्र रूप से।
- छछ. आरआईएल द्वारा प्रदान कराई गई सूचना के संबंध में कंपनी ने कंपनी द्वारा अनुरक्षित रिकार्ड के अनुसार सूचना प्रदान कराई है।
- जज. प्रत्युत्तरदाता पक्षकार ने दावा किया है कि आईओसी की वार्षिक रिपोर्ट दर्शाती है कि पेट्रोकैमिकल सेक्टर की लाभप्रदता में जांच की अविध के दौरान घाटे से लाभ की ओर सुधार हुआ है और इसे यह लाभ इसलिए हुआ क्योंकि वह पीएक्स का उत्पादन और उसका उपयोग करता है। घरेलू उद्योग के लिए क्षति का दावा संबद्ध उत्पाद के लिए किया जाता है, न कि समग्र सेक्टर के लिए। इसके अतिरिक्त, ऐसी क्षति घरेलू उद्योग के लिए देखा जाना अपेक्षित है और न कि आईओसीएल के लिए देखना।
- झझ. प्रत्युत्तरदाता पक्षकारों ने यह उल्लेख किया है कि संबद्ध आयातों में तीव्र वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग को यह क्षति आयातों द्वारा कारित कीमत अधोरदन कीमत निग्रहण/अवमंदन आदि के कारण हुई है।

प्राधिकारी दवारा जांच

- 61. क्षिति एवं कारणात्मक संबंधों के बारे में जांच की कार्रवाई के दौरान घरेलू उद्योग तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए प्रस्तुतिकरणों की जांच एवं उनका समाधान निम्नलिखित किया गया है :
 - (क) जहां तक इस तर्क का संबंध है कि आईओसीएल, जिसने इस याचिका का समर्थन नहीं किया है, की कीमतें अन्य घरेलू उत्पादकों की कीमतों की तुलना में 4-10 प्रतिशत कम है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि आईओसीएल ने वर्तमान जांच में आवेदकों का न तो समर्थन किया है और न ही उसका विरोध किया है और इसलिए उसे पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत घरेलू उद्योग के रूप में नहीं माना जा सकता है। वर्तमान जांच में आवेदक घरेलू उत्पादक अर्थात एमसीपीआई और आरआईएल पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत घरेलू उद्योग हैं। इसलिए, पाटनरोधी नियमावली में निर्धारित प्रावधानों के अनुसार प्राधिकारी को केवल घरेलू उद्योग के संबंध में जाचं करना और क्षति निर्धारित करना अपेक्षित है।
 - (ख) जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि एमसीपीआई को अपने संयंत्र में तकनीकी समस्याओं का सामना करना पड़ा ,जो क्षिति का वास्तविक कारण है ,प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह एक तथ्य है कि एमसीपीआई को अपने संयंत्र में तकनीकी समस्या का सामना करना पड़ा है ,परंतु उसे ही क्षिति का एकमात्र कारक नहीं माना जा सकता है। इसके अतिरिक्त ,घरेलू उद्योग ने संबद्ध देशों से आयातों के विपरीत कीमत प्रभाव का दावा किया है ,न कि मात्रा प्रभाव का।
 - (ग) जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि पीटीए के घरेलू उत्पादकों द्वारा कीमतों का निर्धारण संदर्भ कीमत के आधार पर किया गया है जो पीएलएटीटीएस द्वारा रिपोर्ट किए गए आईसीआईएस या सीएफआर चीन द्वारा रिपोर्ट किए गए सीएफआर सीएमपी हैं और उनका आयातों से कोई संबंध नहीं है,प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि ऐसे स्रोतों द्वारा घोषित की गई कीमत घरेलू बिक्री कीमत का निर्धारण करने के लिए घरेलू

उत्पादकों हेतु बेंचमार्क कीमत के रूप में कार्य नहीं कर सकती है। यद्यपि, पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत क्षिति एवं कारणात्मक संबंध स्थापित करने के लिए संबद्ध देशों से वास्तविक अवसारित कीमत संगत होती है जिसकी घरेलू उद्योग की गैर-क्षितकारी कीमत से तुलना करने पर वह क्षित मार्जिन का निर्धारण करने के लिए आधार बनती है।

- (घ) जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि आवेदकगण, यद्यपि वे सीमाशुल्क के अध्यधीन नहीं है फिर भी वे घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की बिक्री करते समय ग्राहकों से 5.583 प्रतिशत प्रभारित करते हैं, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा किए गए उल्लेख के अनुसार, घरेलू उद्योग द्वारा अपनाया जाने वाला यह कीमत निर्धारण तंत्र आयात सममुल्यता पर आधारित है।
- (ङ) जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि अन्य घरेलू उत्पादकों के विपरीत एमपीसीएल को पीएक्स की कमी के कारण घरेलू उत्पादकों पड़ रही है और इसलिए पीएक्स के लिए वास्तविक उत्पादन लागत नाफ्था के स्तर से ली जानी चाहिए, न कि कीमत का निर्धारण करने के लिए किसी उत्पादन लागत, गैर क्षितिकारी कीमत, लाभ/हानि और आवक से ली जानी चाहिए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग को दावा की गई क्षिति कीमत प्रभाव के कारण नहीं है। अतः घरेलू उद्योग द्वारा संबद्ध वस्तु के उत्पादन पर प्रभाव डालने वाले किसी कच्चे माल का अभाव संगत नहीं है। प्राधिकारी पुनः यह नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु के लिए पीएक्स प्रमुख कच्चा माल है, न कि नाफ्था।
- (च) जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि पीटीए चिप्स के कुछ प्रयोक्ताओं ने पाली इथायलीन टैरेफ्थालेट (पीईटी) बाटल्स जैसे पुनर्चक्रित सामग्री का प्रयोग करना आरंभ कर दिया है जो ताजे पीटीए का एक स्थानापन्न है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि यह तर्क निराधार है क्योंकि संबद्ध वस्तु के लिए मांग में कोई संक्चन नहीं हुआ है।
- (छ) जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि घरेलू उद्योग द्वारा विचारित विनिमय दर 54 है जबिक आरबीआई के अनुसार चालू विनिमय दर 62.88 है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच की अविध के दौरान प्रचलित विनिमय दर ही जांच के लिए संगत है।
- (ज) जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि प्रत्येक घरेलू उत्पादक के लिए पृथक क्षति विश्लेषण अपेक्षित होता है क्योंकि उनकी उत्पादन प्रक्रिया भिन्न होती है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमों के अनुसार क्षति का निर्धारण घरेलू उद्योग के लिए समग्र रूप से करना होता है।
- (झ) जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि आरआईएल के पीटीए उत्पादन के 66 प्रतिशत की खपत ग्राही रूप से होती है और वह आयातों से प्रतिस्पर्धा नहीं करता है,प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि क्षति विश्लेषण पाटनरोधी नियमावली के अनुसार व्यापारी एवं ग्राही बाजारों दोनों के लिए करना अपेक्षित होता है।
- (ञ) जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि कीमत और लागत में व्यापक उतार-चढ़ाव के कारण सभी आर्थिक पैरामीटरों (कीमत अधोरदन, अधोविक्रयण, निग्रहण और अवमंदन सहित) की जांच मासिक आधार पर की जानी चाहिए, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटन मार्जिन एवं क्षिति मार्जिन का निर्धाण मासिक आधार पर किया जाता है।
- (ट) जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि पीएक्स-पीटीए डेल्टा में कमी होने के कारण एमसीपीआई को घाटा हुआ, परंतु आरआईएल और आईओसी को लाभ हुआ, प्राधिकारी नोट करते हैं कि विभिन्न प्रौद्योगिकी के जरिए उत्पादित संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत भिन्न हो सकती हैं, परंतु इसका आशय यह नहीं है कि

- एमसीपीआई को इस घाटा के लिए पीएक्स के स्तर से संबद्ध वस्तु का विनिर्माण करना ही क्षिति का एक मात्र कारण है। इसके अतिरिक्त, आरआईएल को संबद्ध वस्तु में कम लाभ का सामना करना पड़ा है।
- (ठ) जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि आरआईएल पीएक्स उत्पादन को पृथक लाभ केंद्र के रूप में मानता है और पीएक्स की लागत को लागत प्लस और बाजार कीमतों के आधार पर पीटीए को अंतरित कर देता है जिससे पीटीए की वास्तविक लागत बढ़ जाती है, यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के लिए गैर-क्षतिकारी कीमत का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III और डीजीएडी में संगत परम्परा के अनुसार किया है।
- (ड) जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि पीटीए की बिक्री कीमत पर दबाव पीटीए की अधिक आपूर्ति के कारण हुआ है, तद्द्वारा विनिर्माता के मार्जिन पर दबाव बढ़ जाता है प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग को क्षति आयातों के मात्रा प्रभाव के कारण नहीं हुई है।

संचयी आकलन

- 62. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II पैरा (iii) में यह अपेक्षित है कि जहां एक से अधिक देश से किसी उत्पाद के हुए आयात की साथ-साथ पाटनरोधी जांच की जा रही है वहां निर्दिष्ट प्राधिकारी उस स्थिति में ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण करेंगे जब वह यह निर्धारित करें कि:—
 - क. प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में पुष्टिकृत पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त दो प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से हुए आयात की मात्रा समान वस्तु के आयात की मात्रा की 3 प्रतिशत से कम है वहां संयची रूप से आयात समान वस्तु के आयात के साथ सबसे अधिक बनता है तथा
 - ख. आयातित वस्तु एवं समान घरेलू वस्तुओं के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के मद्देनजर आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण उचित है।

63. प्राधिकारी नोट करते हैं कि

- (क) भारत में संबद्ध वस्तु का संबद्ध देशों से आयात किया जा रहा है। प्रत्येक संबद्ध देश से पाटन का मार्जिन नियमावली के अंतर्गत निर्धारित न्यूनतम सीमा से अधिक है।
- (ख) प्रत्येक संबद्ध देश से आयातों की मात्रा व्यक्तिगत रूप से आयातों की कुल मात्रा से 3 प्रतिशत से अधिक है।
- (ग) आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन उपयुक्त है क्योंकि संबद्ध देशों से किए गए निर्यात भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत समान वस्तु के प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धा करते हैं।
- 64. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी विचार करते हैं कि घरेलू उद्योग को संबद्ध देशें से संबद्ध वस्तु के निर्यातों के कारण होने वाली क्षति का संचयी आकलन करना उपयुक्त होगा।
- 65. अनुबंध-2 के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 में यह प्रावधान है कि क्षिति विश्लेषण में उन कारकों की जांच करना शामिल होगा जिनसे घरेलू उद्योग को क्षिति का संकेत मिलता हों "........." पाटित आयातों की मात्रा, घरेलू बाजार में समान वस्तु के लिए कीमतों पर उनके प्रभाव और इन वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव को शामिल करते हुए सभी कारकों पर विचार किया जाता है" कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय यह जांच करना आवश्यक समझा जाता है कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा भारी कीमत अधोरदन किया गया है या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों का अन्यथा भारी निग्रहण हुआ है अथवा उनकी कीमतों में होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है जो अन्यथा भारी मात्रा में हुई होती। भारत में घरेलू उद्योग

पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच के लिए उन सभी कारकों पर पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-2 के अनुसार विचार किया गया है जिनका घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है जैसे उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदायकता, निवल बिक्री प्रापण, पाटन की मात्रा एवं मार्जिन आदि।

घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का मात्रा प्रभाव

(क) मांग एवं बाजार हिस्सा

66. प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ मांग और भारत में इस उत्पाद की स्पष्ट खपत को भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्री और सभी स्रोतों से आयात जोड़ के रूप में परिभाषित किया है। इस तरह आकलित मांग निम्नलिखित तालिका में दी गई है:-

विवरण	यूनिट	2009-10	2010-11	2011-12	जांच की
					अवधि
मांग	एमटी	3,464,251	3,952,359	3,886,084	4,098,329
अनुक्रमित	प्रवृत्ति	100	114	112	118
संबद्ध देशों से आयात	एमटी	320,235	625,770	526,784	595,325
अनुक्रमित	प्रवृत्ति	100	195	164	186
अन्य देशों से आयात	एमटी	161,887	118,818	77,786	54,464
अनुक्रमित	प्रवृत्ति	100	73	48	34
घरेलू उद्योग (ग्राही खपत					
सहित) की बिक्री	एमटी	2,454,129	2,760,771	2,739,514	2,906,540
अनुक्रमित	प्रवृत्ति	100	112	112	118
अन्य उत्पादकों की बिक्री	एमटी	528,000	447,000	542,000	542,000
अनुक्रमित	प्रवृत्ति	100	85	103	103

(i) मांग में बाजार हिस्सा

67. भारत में संबद्ध आयातों के बाजार हिस्से की जांच विभिन्न स्रोतों से आयात तथा घरेलू उद्योग की बिक्री पर विचार करते हुए की गई। प्राधिकारी नोट करते हैं कि मांग में वृद्धि के बावजूद घरेलू उद्योग का हिस्सा स्थिर बना रहा जबकि संबद्ध देशों से पाटित आयातों के हिस्से में आधार वर्ष की तुलना में जांच की अविध के दौरान भारी वृद्धि हुई है।

विवरण	यूनिट	2009-10	2010-11	2011-12	जांच का
					अवधि
संबद्ध देशों से आयात	%	9	16	14	15
अन्य देशों से आयात	%	5	3	2	1
घरेलू उद्योग की बिक्री	%	71	70	70	71
अन्य उत्पादकों की बिक्री	%	15	11	14	13

आयात मात्रा एवं बाजार हिस्सा

68. संबद्ध वस्त् की आयात मात्रा निम्नलिखत है:

विवरण		यूनिट	2009-10	2010-11	2011-12	जांच की अवधि
मात्र	संबद्ध देश	एमटी	320,235	625,770	526,784	595,325
	अन्य देश	एमटी	161,887	118,818	77,786	54,464
	कुल आयात	एमटी	482,122	744,588	604,570	649,789
आयात में बाजार हिस्सा	संबद्ध देश	%	66	84	87	92
·	अन्य देश	%	34	16	13	8

69. उपर्युक्त तालिका से यह देखा जाता है कि संबद्ध देशों से आयात में आधार वर्ष की तुलना में जांच की अविध के दौरान वृद्धि हुई है।

उत्पादन के संबंध में आयातों का हिस्सा

70. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों के आयात में घरेलू उद्योग के उत्पादन के संबंध में वृद्धि हुई है जो निम्नलिखित तालिका से स्पष्ट है :

विवरण	यूनिट	2009-10	2010-11	2011-12	जांच की अवधि
संबद्ध देश से आयात	एमटी	320,235	625,770	526,784	595,325
घरेलू उद्योग का उत्पादन	एमटी	2,454,835	2,754,659	2,753,708	2,931,680
घरेलू उद्योग के उत्पादन के संबंध					
में आयात	%	13	23	19	20

ड. क्षमता एवं क्षमता उपयोग

71. क्षिति अविध के दौरान घरेलू उद्योग का क्षमता एवं क्षमता उपयोग निम्नलिखित तालिका में दिया गया है:

विवरण	यूनिट	2009-10	2010-11	2011-12	पीओआई
क्षमता एमटी	एमटी	2,595,000	3,420,000	3,420,000	3,420,000
उत्पादन	एमटी	2,454,835	2,754,659	2,753,708	2,931,680
क्षमता उपयोग	%	95	81	81	86

72. यह देखा जाता है कि मांग में वृद्धि के बावजूद घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग जांच की अविध के दौरान आधार वर्ष की तुलना में गिरावट आई है :

च. उत्पादन

73. घरेलू उद्योग का उत्पादन डाटा निम्नलिखित तालिका में दिया गया है :

	यूनिट	2009-10	2010-11	2011-12	जांच की
					अवधि
उत्पादन	एमटी	2,454,835	2,754,659	2,753,708	2,931,680
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	112	112	119
मांग	एमटी	3,464,251	3,952,359	3,886,084	4,098,329
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	114	112	118
मांग के संबंध में उत्पादन	%	71	70	71	72

- 74. यह पाया जाता है कि घरेलू उद्योग के उत्पादन में क्षमता में वृद्धि के कारण वृद्धि हुई है।
- छ. बिक्री मात्रा
- 75. घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा निम्नलिखित तालिका में दी गई है।

	यूनिट	2009-10	2010-11	2011-12	जांच की
					अवधि
घरेलू बिक्री (ग्राही खपत सहित)	एमटी	2454129	2760771	2739514	2906540
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	112	112	118
मांग	एमटी	3,464,251	3,952,359	3,886,084	4,098,329
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	114	112	118
मांग में घरेलू उद्योग का बाजार	%	71	70	70	71
हिस्सा					

- 76. उपर्युक्त तालिका से यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग की बिक्री में जांच की अविध के दौरान वृद्धि हुई है। तथापि बिक्री में यह वृद्धि मांग में वृद्धि के अनुपात में नहीं है।
- झ. घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव
- 77. जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पादन की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत में कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती । इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग की भारित औसत उत्पादन लागत (सीओपी), भारित औसत निवल बिक्री प्राप्ति (एनएसआर) और क्षति रहित कीमत (एनआईपी) की तुलना संबद्ध देशों से हुए आयातों की पहुंच लागत के साथ की गई है ।
- i. कीमत कटौती
- 78. निवल बिक्री प्राप्ति की गणना भुगतान किए गए भाड़े और करों की कटौती करने के बाद की गई थी। आयातों के पहुंच मूल्य की गणना लागू उपकर सहित 1 प्रतिशत हैंडलिंग प्रभार तथा लागू मूल सीमाशुल्क को संबद्ध आयातों के

सीआईएफ मूल्य में जोड़कर की गई है। आयातों के पहुंच मूल्य की तुलना घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति के साथ की गई थी और यह पाया गया था कि पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में जांच अविध के दौरान केवल *** प्रतिशत कीमत अधोरदन हआ।

	यूनिट	2009-10	2010-11	2011-12	जांच की अवधि
संबद्ध देश					
आयातों की उतराई कीमत	रुपए/एमटी	46,073	53,950	62,580	64,673
निवल बिक्री कीमत	रुपए/एमटी	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	रुपए/एमटी	***	***	***	***
कीमत अधोरदन %	%	***	***	***	***
कीमत अधोरदन रेंज	रेंज %	ऋणात्मक	ऋणात्मक	0-10	0-10

	यूनिट	2009-10	2010-11	2011-12	पीओएल
चीन					
आयातों की उतराई कीमत	रुपए/एमटी	-	60,567	58,382	63,851
निवल बिक्री कीमत	रुपए/एमटी	-	***	***	***
कीमत अधोरदन	रुपए/एमटी	-	***	***	***
कीमत अधोरदन %	%	-	***	***	***
कीमत अधोरदन रेंज	रेंज %	-	ऋणात्मक	0-10	0-10

	यूनिट	2009-10	2010-11	2011-12	पीओआई
कोरिया आरपी					
आयातों की उतराई कीमत	रुपए/एमटी	45,819	52,878	62,581	64,677
निवल बिक्री कीमत	रुपए/एमटी	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	रुपए/एमटी	***	***	***	***
कीमत अधोरदन %	%	***	***	***	***
कीमत अधोरदन रेंज	रेंज %	ऋणात्मक	ऋणात्मक	0-10	0-10

	यूनिट	2009-10	2010-11	2011-12	पीओआई
थाईलैंड					
आयातों की उतराई कीमत	रुपए/एमटी	46,570	54,997	63,150	64,865
निवल बिक्री कीमत	रुपए/एमटी	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	रुपए/एमटी	***	***	***	***
कीमत अधोरदन %	%	***	***	***	***
कीमत अधोरदन रेंज	रेंज %	ऋणात्मक	ऋणात्मक	ऋणात्मक	0-10

	यूनिट	2009-10	2010-11	2011-12	पीओआई
यूरोपियन यूनियन					
आयातों की उतराई कीमत	रुपए/एमटी	43,312	51,599	63,024	63,824

निवल बिक्री कीमत	रुपए/एमटी	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	रुपए/एमटी	***	***	***	***
कीमत अधोरदन %	%	***	***	***	***
कीमत अधोरदन रेंज	रेंज %	0-10	ऋणात्मक	ऋणात्मक	0-10

- ii. कम कीमत पर बिक्री
- प्राधिकारी नोट करते हैं कि कम कीमत पर बिक्री क्षिति निर्धारण का एक महत्वपूर्ण संकेतक है। क्षिति रहित कीमत की गणना की गई है और कम कीमत पर बिक्री की मात्रा निकालने के लिए उसकी तुलना संबद्ध वस्तु के पहुंच मूल्य के साथ की गई है । क्षतिरहित कीमत का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-।।। के अनुसार जांच अविध के दौरान विचाराधीन उत्पाद के लिए घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत पर विचार करते हुए किया गया है । विष्लेशण से यह पता चलता है कि संबद्ध आयातों का पहुंच मूल्य क्षति रहित कीमत से कम था जैसाकि निम्नलिखित तालिका से देखा जा सकता

विवरण	यूनिट	चीन	कोरिया	थाईलैंड	ईयू
गैर क्षतिकारी कीमत [∗]	रुपए/एमटी	***	***	***	***
उतराई मूल्य (पीओआई)	रुपए/एमटी	63851	64677	64865	63824
कीमत अधोबिक्रयण	रुपए/एमटी	***	***	***	***
अधोविक्रयण	%	***	***	***	***
अधोविक्रयण	% रेंज	0-10	0-10	0-10	0-10
नोट : एनआईपी माहवार भारि	त औसत पर आधारित		•	•	•

- कीमत हास/न्यूनीकरण
- प्राधिकारी ने इस बात की जांच है कि क्या पाटित आयातों के प्रभाव से भारत में समान वस्तु की कीमतों 80. का हास हुआ है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती ।

विवरण	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
उत्पादन की लागत	र√.एमटी	***	***	***	***
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	114	156	175
बिक्री कीमत	रू/.एमटी	***	***	***	***
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	112	138	145
पहुंच मूल्य	रू./एमटी	46,073	53,950	62,580	64673
अनुक्रमित	प्रवृत्ति	100	117	136	140

उपर्युक्त तालिका से यह देखा जा सकता है कि उत्पादन लागत 2009-10 में 100 से बढ़कर जांच अविध में 175 हो गई है, बिक्री कीमत इसी अविध के दौरान 100 से बढ़कर केवल 145 हुई है जिससे पाटित आयातों के कारण कीमत का न्यूनीकरण हुआ है क्योंकि घरेलू उद्योग लागत में हुई वृद्धि के अनुपात में अपनी कीमत को बढ़ाने में समर्थ नहीं रहा था। यद्यपि, इन वर्षों के दौरान पहुंच कीमत में वृद्धि हुई है। तथापि, वह जांच अविध के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री प्राप्ति से कम है। इस प्रकार आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों का न्यूनीकरण हो रहा था।

- ञ. घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंड
- i. <u>लाभ/हानि</u>
- 81. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता का उल्लेख निम्नलिखित तालिका में किया गया है।

विवरण	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
लाभ	रु./लाख	***	***	***	***
अनुक्रमित	सूचीबद्ध	100	114	(39)	(120)
नकद लाभ	रु./लाख	***	***	***	***
अनुक्रमित	सूचीबद्ध	100	125	2	(63)
आरओसीई	%	***	***	***	***
अनुक्रमित	सूचीबद्ध	100	117	(33)	(116)

- 82. उपर्युक्त तालिका से यह देखा जाता है कि जांच अविध के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में भारी गिरावट आई है। आधार वर्ष और पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अविध के दौरान नकद लाभ और निवेश पर आय में गिरावट आई है।
- ii. नकद प्रवाह
- 83. घरेलू उद्योग के नकद प्रवाह की स्थिति पर पाटन के प्रभाव की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने नकद लाभ में प्रवृत्तियों की जांच की है । घरेलू उद्योग के नकद लाभ के बारे में सूचना निम्नलिखित तालिका में दी गई है ।

	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
नकद लाभ	रु./लाख	***	***	***	***
प्रवृति	सूचीबद्ध	100	125	2	(63)

यह देखा जाता है कि घरेलू उदयोग के नकद लाभ में वर्ष 2011-12 से गिरावट आई है।

- iii. मालसूची
- 84. घरेल् उद्योग के पास मालसूची में उतार-चढ़ाव निम्नान्सार रहा है :

	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
औसत स्टॉक	मी.ट.	4,747	3,634	3,554	11,069
बिक्री दिवसों की संख्या के रूप में स्टॉक	दिन	***	***	***	***

यह नोट किया जाता है कि आधार वर्श और पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अविध के दौरान घरेलू उद्योग के पास मालसूची में वृद्धि हुई है ।

iv. उत्पादकता

85. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की आधार वर्ष की तुलना में जांच अविध में उसमें वृद्धि हुई है।

विवरण	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मी.ट.	***	***	***	***
प्रति दिन उत्पादकता	मी.ट.	7014	7870	7868	8376

v. रोजगार और मजदूरी

86. निम्नलिखित तालिका से यह देखा जाता है कि आधार वर्ष की तुलना में समूची क्षति अविध के दौरान रोजगार के स्तर में मामूली वृद्धि हुई है।

	इकाई	2009-10	2010-11	2011-12	जांच अवधि
रोजगार	सं0	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	107	105	104
मजदूरी	रु./लाख	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	152	174	175

vi. पाटन की मात्रा

87. उस सीमा जहां तक पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षिति हो सकती है, के संकेतक के रूप में पाटन की मात्रा से यह पता चलता है कि वैक्वांग इंडिस्ट्रियल कंपनी लिमिटेड, कोरिया खिलाफ निर्धारित पाटन मार्जिन न्यूनतम सीमा से अधिक और काफी ज्यादा है।

vii. वृद्धि

88. निम्नलिखित तालिका से प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादन, क्षमता उपयोग, निवेश पर आय के संबंध में घरेलू उद्योग की वृद्धि थी। वर्ष 2010-11 में प्राप्त वृद्धि की तुलना में नकारात्मक रही है :

विवरण	यूनिट	2009-10	2010-11	2011-12	पीओआई
घरेलू बिक्री की मात्रा	%	-	12.21	(0.03)	6.46
बिक्री की लागत	%	-	12.49	(0.77)	6.10
बिक्री की कीमत	%	-	16.20	41.06	9.84
बिक्री कीमत	%	-	12.07	22.92	5.28
लाभ/हानि प्रति यूनिट	%	-	(14.41)	(134.98)	(365.35)
लगाई गई पूंजी पर आय	%	-	16.71	(127.93)	(456.09)

viii. पूंजी निवेश उगाहने की क्षमता

89. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के संघटकों में से एक संघटक विविध वस्तु के उत्पादन में अंतर्ग्रस्त है तथा पूंजी उगाहने की क्षमता क्षति विश्लेषण का कारक नहीं है। इसके अतिरिक्त, अन्य संघटक घरेलू उद्योग बीआईएफआर में है:

ट. वास्तविक क्षति के संबंध में निष्कर्ष

- 90. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के हुए पाटित आयातों में समग्र रूप में और भारत में खपत एवं उत्पादन की तुलना में वृद्धि हुई है। तथापि, संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयात बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों का अधोरदन कर रही है। इसके अतिरिक्त, क्षिति अविध में उत्पादन लागत में वृद्धि हुई है, बिक्री कीमत में वृद्धि हुई परंतु बिक्री कीमत में यह वृद्धि उत्पादन लागत में हुई वृद्धि के अनुपात में नहीं थी। इस प्रकार आयात घरेलू की कीमतों का निग्रहण कर रहे थे और उन कीमतों को बढ़ने से रोक रहे थे जो पाटित आयातों के अभाव में अन्यथा भारी मात्रा में बढ़ी होती। घरेलू उद्योग पर पारित आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में यह पाया जाता है कि इस उत्पाद की मांग में भारी वृद्धि हुई तथापि घरेलू उद्योग की बिक्री और उत्पादन में भी वृद्धि हुई परंतु यह वृद्धि मांग में वृद्धि के अनुपात में नहीं थी। परिणामत:, मांग एवं क्षमता में वृद्धि के बावजूद घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में वृद्धि नहीं हुई। घरेलू उद्योग को अनुप्रयुक्त स्थिति का सामना करना पड़ा जबिक उसकी बाजार में काफी मांग थी। घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में कमी आई। लगाई गई पूंजी पर अर्जन और नकद लाभ ने भी समान प्रवृत्ति दर्शाई। लगाई गई पूंजी पर अर्जन और नकद लाभ दोनों की पीओआई में ऋणात्मक वृद्धि हुई। उत्पादन, बिक्री, लाभ, नकद लाभ क्षमता उपयोग, लगाई गई पूंजी पर अर्जन, बाजार हिस्सा और मालूसची जैसे पैरामीटरों का घरेलू उद्योग पर विपरीत प्रभाव पड़ा। अतः अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि घरेलू उदयोग को वास्तविक क्षति हुई।
- ठ. कारणात्मक संबंध एवं अन्य कारक
- 91. घरेलू उद्योग की कम कीमत पर बिक्री तथा कीमत हास और कीमत न्यूनीकरण के प्रभावों के संबंध में उसकी कीमतों पर पाटित आयातों के कारण होने वाली वास्तविक क्षति, आयातों की मात्रा और कीमत प्रभावों की मौजूदगी की जांच करने के बाद भारतीय नियमावली और पाटनरोधी करार में सूचीबद्ध अन्य सांकेतिक मापदंडों की जांच की गई है तािक यह देखा जा सके कि क्या पाटित आयातों से इतर किसी अन्य कारक से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है । तद्नुसार, निम्नलिखित मापदंडों की जांच की गई है:-
- (क) तीसरे देशों से आयातों की मात्रा और कीमत
- 92. जांच अविध के दौरान संबद्ध देशों से इतर देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा नगण्य रही है। अतः अन्य देशों से हुए आयातों के बारे में यह नहीं माना जा सकता कि उनसे घरेलू उद्योग को क्षति हुई होगी ।
- (ख) विदेशी और घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और उनके बीच प्रतिस्पर्धा
- 93. विदेशी उत्पादकों और घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहारों और उनके बीच प्रतिस्पर्धा का ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो ।
- (ग) मांग में कमी अथवा खपत की पद्धति में परिवर्तन
- 94. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अविध और जांच अविध के दौरान भी उत्पाद की मांग में भारी वृद्धि प्रदर्शित हुई। अतः प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग को क्षति मांग में कमी के कारण नहीं हुई थी।
- (घ) प्रौदयोगिकी विकास

- 95. किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने यह प्रदर्शित करने के लिए कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है कि प्रौद्योगिकी में हुए किसी खास परिवर्तन के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है।
- (इ.) घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन
- 96. घरेलू और निर्यात बाजार के लिए घरेलू उद्योग के निष्पादन को पृथक किया गया है। अतः निर्यात निष्पादन में आई कोई संभावित गिरावट होने वाली किसी क्षति का कारण नहीं हो सकती है।
- (च) घरेलू उद्योग की उत्पादकता
- 97. घरेल् उद्योग की उत्पादकता में पीओआई में वृद्धि हुई है। तथापि, घरेल् उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट प्रदर्शित की है।
- 98. पूर्वोक्त से प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि संबद्ध देशों में उदभवित अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों के अलावा अन्य कारकों की वजह से होने वाली क्षति का कोई साक्ष्य नहीं है।
- ड. कारणात्मक संबंध की पृष्टि करने वाले कारक
- 99. क्षिति अविध के दौरान घरेलू उद्योग के निष्पादन के विश्लेषण से यह पता चलता है कि क्षिति अविध के दौरान घरेलू उद्योग के निष्पादन में अत्यिधक गिरावट आई है। पाटित आयातों और घरेलू उद्योग को हुई क्षिति के बीच कारणात्मक संबंध की पृष्टि निम्नलिखित आधारों पर की जाती है:
- (i) संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों में भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादन और खपत के संबंध में एवं समग्र रूप से वृद्धि हुई है।
- (ii) संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयात बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों का अधोरदन कर रहे हैं।
- (iii) यद्यि, क्षिति अविधि के दौरान उत्पादन लागत बढ़ती रही यद्यिप बिक्री कीमत में वृद्धि हुई तथापि यह वृद्धि उत्पादन लागत में हुई वृद्धि के अनुपात में नहीं हुई।
- (iv) आयात घरेलू उद्योग की कीमतों का निग्रहण कर रहे थे और उनको बढ़ने से रोक रहे थे जो अन्यथा भारी मात्रा में बढ़े होते।
- (v) घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में कमी हुई। लगाई गई पूंजी पर आवक और नकद लाभ ने भी लाभ के समान ही प्रवृत्ति दर्शाई। पाटित आयातों के कारण नकद लाभ और लगाई गई पूंजी पर आवक दोनों में जांच की अविध के दौरान ऋणात्मक वृद्धि हुई।
- (vi) बिक्री क्षमता उपयोग, लाभ, नकद लाभ, लगाई गई पूंजी पर अर्जन, बाजार हिस्सा और मालसूची जैसे पैरामीटरों के संबंध में पीओआई में वृद्धि पर घरेलू उद्योग पर विपरीत प्रभाव पड़ा है।
- (vii) लाभ, आरओआई और नकदी प्रवाह के संबंध में पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग के वित्तीय निष्पादन में गिरावट आई है।
- 100. प्राधिकारी वर्तमान प्रारंभिक जांच परिणाम के संबंध में यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों में उदभवित अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्त् के पाटित आयातों के कारण वास्तविक क्षति हुई है।
- ढ. क्षति की मात्रा और क्षति मार्जिन

101. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के लिए क्षिति रहित कीमत का निर्धारण यथासंशोधित नियमावली में निर्धारित सिद्धांतों के आधार पर किया है। इस प्रकार से निर्धारित क्षिति रहित कीमत की तुलना संबद्ध देशों से हुए आयातों की पहुंच कीमत के साथ की गई है।

	निर्यात					क्षति	क्षति		क्षति
क्रम	का	उत्पादक का नाम	निर्यातक	क्षति रहित कीमत	पहुंच कीमत	मार्जिन	मार्जिन	क्षति —~—	मार्जिन
सं.	माध्यम	उरवायक का जाज	MAICIA	रुपए/एमटी	रुपए/एमटी	रुपए/एम	अ.डालर/	मार्जिन %	रेंज -
						टी	एमटी	/0	%
				चीन जन.गण	•				
1	कोई	सभी उत्पादक	सभी						0-10
		TIVII SCHIQH	निर्यातक	***	***	***	***	***	0 10
				कोरिया	आरपी				
	कोरिया	सैमसंग जनरल	सैमसंग						
2	आरपी –	कैमिकल कंपनी लि.	सीएंडटी	***	***	***	***	***	0-10
	भारत	471014741 47 1011 1411							
	कोरिया		टैक्वांग						
	आरपी –	टैक्वांग औद्योगिक	औद्यो-		***	***	***	***	
3	भारत	कंपनी लि.	गिक	***					0-10
			कंपनी						
			<u></u> તિ.						
	कोई		अन्य						
4	4	अन्य सभी उत्पादक	सभी	***	***	***	***	***	5-15
			निर्यातक						
			1	थाई	ਕੇਂ ਤ		1		
	थाईलैंड		इंडोरामा						
5	– भारत	इंडोरामा पेट्रोकेम लि.	पेट्रोकेम	***	***	***	***	***	0-10
			ત્ ર િ.					*** ***	
	थाईलैंड		टीपीटी						
	– भारत	टीपीटी पेट्रोकैमिकल	पेट्रोकैमि		***	***	***	***	
6		ू पब्लिक लि.	कल	***					0-10
			पब्लिक						
			<u></u> તિ.						
	कोई		अन्य						
7		अन्य सभी उत्पादक	सभी	***	***	***	***	***	5-15
			निर्यातक	.=					
			1	यूरोपियन	यूनियन		T		
	कोई	_	अन्य						
8		अन्य सभी उत्पादक	सभी	***	***	***	***	***	0-10
			निर्यातक						

द. निष्कर्ष

- 102. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दों और किए गए अनुरोधों और इस जांच परिणाम में यथा दर्ज रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों की जांच करने के बाद प्राधिकारी अंतिम रूप से निष्कर्ष निकालते है किः
- (क) संबद्ध देशों से भारत को विचाराधीन उत्पाद का निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है जिसके परिणामस्वरूप उत्पाद का पाटन हुआ है।
- (ख) विचाराधीन उत्पाद के पाटन के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षिति संबद्ध देश से संबद्ध आयातों के कारण हुई है।
- (ग) वास्तविक क्षति संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण हुई है।
- त. भारतीय उद्योग का हित तथा अन्य मुद्दे
- 103. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनररोधी शुल्क लगाए जाने का उद्देश्य सामान्यतः पाटन के अनुचित व्यापार व्यवहारों द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षित समाप्त करना है तािक भारतीय बाजार में खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति बहाल की जा सके, जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से संबद्ध देशों से आयात प्रतिबंधित नहीं होंगे इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।
- 104. यह माना जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से संबद्ध वस्तु के प्रयोग से विनिर्मित उत्पादक के कीमत स्तर प्रभावित हो सकते हैं और परिणामतः इस उत्पाद की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धातमकता पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है। तथापि, पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी खासकर तब जब पाटनरोधी शुल्क का उद्ग्रहण उस राशि तक सीमित रखा जाएगा जो घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए आवश्यक है। इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से पाटन के व्यवहार द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग के निष्पादन में हास रूकेगा और उपभोक्ताओं के लिए संबद्ध वस्तु का व्यापक विकल्प उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से संबद्ध देशों से आयात किसी भी रूप में प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

थ. सिफारिशें

105. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की शुरूआत कर उसकी सूचना सभी हितबद्ध पक्षकारों को प्रदान की गई थी और पाटन, क्षिति एवं कारणात्मक संबंध के पहलू पर सकारात्मक सूचना प्रदान करने के लिए निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। पाटनरोधी नियमों में निर्धारित उपबंधों के अनुसार पाटन, क्षिति एवं कारणात्मक संबंध के बारे में प्रारंभिक जांच शुरू और संपन्न करने के बाद और सकारात्मक पाटन मार्जिन तथा ऐसे पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षिति की अनंतिम रूप से पुष्टि करने के उपरांत प्राधिकारी का यह मत है कि जांच पूरी होने तक पाटन और क्षिति को समाप्त करने के लिए अनंतिम शुल्क लगाना अपेक्षित है। अतः प्राधिकारी यह आवश्यक समझते हैं और संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों पर नीचे निर्धारित स्वरूप में और ढंग से अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं।

106. प्राधिकारी नोट करते हैं कि इंडोरामा पेट्रोकेम लिमिटेड थाईलैंड और टीवीटी पेट्रोकैमिकल्स पब्लिक लिमिटेड, थाईलैंड संबद्ध कंपनियां हैं जो थाईलैंड में प्रचालन कर रही हैं और उन्होंने संबद्ध वस्तु का निर्यात भारत में अपने संबद्ध पक्षकार अर्थात मैसर्स *** को किया है। उनके संबंध को देखते हुए प्राधिकारी ने दोनों ही संबद्ध निर्यातकों के लिए भारित औसत आधार पर अनंतिम पाटनरोधी श्ल्क की सिफारिश की है ताकि पाटनरोधी श्ल्क के अंतिलंघन के दूर किया जा सके।

107. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षिति मार्जिन, जो भी कम हो, के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लागू करने की सिफारिश करते हैं तािक घरेलू उद्योग को हुई क्षिति समाप्त की जा सके । तदनुसार, केन्द्र सरकार द्वारा ये सिफारिशें स्वीकार किए जाने की स्थिति में चीन जन.गण., कोरिया गण. और थाइलैंड और यूरोपियन यूनियन के मूल्य की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर इस अधिसूचना की तारीख से निम्नलिखित तािलका के कॉलम 8 में उल्लिखित रािश के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है।

श्ल्क तालिका

क्रम सं.	शीर्ष/उपशीर्ष	वस्तु विवरण	उदगम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क की राशि	इकाई एमटी	मुद्रा यूएस डालर
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1	29173600	प्योरीफाइड टैरेफ्थेलिक एसिड	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	कोई	कोई	62.82	एमटी	यूएस डालर
2	-वही-	-वही-	जन.गण.	जिन देशों पर पाटनरोधी शुल्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य देश		कोई	62.82	एमटी	यूएस डालर
3	-वही-	-वही-	जिन देशों पर पाटनरोधी शुल्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य देश	चीन जन.गण.	कोई	कोई	62.82	एमटी	यूएस डालर
4	-वही-	-वही-	कोरिया आरपी	कोरिया आरपी	सैमसंग जनरल कैमिकल कंपनी लि.	सैमसंग सीएंडटी	29.86	एमटी	यूएस डालर
5	-वही-	-वही-	कोरिया आरपी	कोरिया आरपी	इंडस्ट्रीज कं. लि.	टैक्वांग इंडस्ट्रीज कं. लि.	19.05	एमटी	यूएस डालर
6	-वही-	-वही-	कोरिया आरपी	कोरिया आरपी	उल्लिखित के	संख्या 4 से 5 में अलावा कोई अन्य योजन	117.09	एमटी	यूएस डालर
7	-वही-	-वही-	आरपी	जिन देशों पर पाटनरोधी शुल्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य देश		कोई	117.09	एमटी	यूएस डालर

देरक्थितिक पर पाटनरोधी शुक्क लाग है उनसे इतर कोई अन्य देश प्रमंदी यूप्स इाल प्राह्में अपने यूप्स इाल प्राह्में इतर कोई अपने यूप्स इाल प्राह्में इतर कोई अपने देश यूप्स इाल प्राह्में इतर कोई अपने इतर कोई अपने इतर कोई अपने वूप्स इाल प्राह्में इतर कोई अपने इतर कोई अपने वूप्स इाल प्राह्में इतर कोई अपने इतर कोई अपने वूप्स इाल प्राह्में इतर कोई अपने इतर क		29173600		د.د حا		عد ا	عد ا	447.00			
पसिड पाटनरोधी शुःक लागृ है उनसे इतर कोई अन्य देश 9 -वहीवही- याईलैंड याईलैंड प्रेडोरामा पेट्रोकैमिकल लि. 10 -वहीवही- याईलैंड याईलैंड याईलैंड प्रेडोरामा पेट्रोकैमिकल लि. 11 -वहीवही- याईलैंड याईलैंड उपर्युक्त क्रम सं. 9 से 10 के 99.51 एमटी यूएस डाल पाटनरोधी शुक्त लागृ है उनसे इतर कोई अन्य देश 13 -वहीवही- जिन देशों पर पाटनरोधी शुक्त लागृ है उनसे इतर कोई अन्य देश 14 -वहीवही- ईयू ईयू कोई कोई 23.75 एमटी यूएस डाल पाटनरोधी शुक्त लागृ है उनसे इतर कोई अन्य देश 14 -वहीवही- ईयू ईयू कोई कोई 23.75 एमटी यूएस डाल पाटनरोधी शुक्त लागृ है उनसे इतर कोई अन्य देश 14 -वहीवही- ईयू ईयू कोई कोई 23.75 एमटी यूएस डाल पर पाटनरोधी शुक्त लागृ है उनसे इतर कोई अन्य देश 15 -वहीवही- ईयू ईयू कोई कोई 23.75 एमटी यूएस डाल पर पाटनरोधी शुक्त लागृ है उनसे इतर कोई अन्य देश	8	29173600	प्योरीफाइड		कारिया आरपा	कोई	कोई	117.09	एमटा	यूएस	डालर
शुल्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य देश 9 -वही- विन वही- पाईलैंड पाईलैंड इंडोरामा पेट्रोकैमिकल ति. 10 -वही- वही- पाईलैंड पाईलैंड पीईलैंड टीपीटी पेट्रोकैमिकल ति. 11 -वही- वही- पाईलैंड पाईलैंड उपर्वृक्त कम सं. 9 से 10 के 99.51 पमटी यूपस डाल पाटनरोधी शुल्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य देश 13 -वही- वही- विन देशीं पर कोई कोई 99.51 पमटी यूपस डाल पाटनरोधी शुल्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य देश 14 -वही- वही- ईयू ईयु कोई कोई 23.75 पमटी यूपस डाल पाटनरोधी शुल्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य देश 14 -वही- वही- ईयू ईयु कोई कोई 23.75 पमटी यूपस डाल पाटनरोधी शुल्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य देश 15 -वही- वही- ईयू ईयु कोई कोई 23.75 पमटी पाटनरोधी शुल्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य देश 15 -वही- वही- ईयू ईयु कोई कोई कोई 23.75 पमटी पाटनरोधी शुल्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य देश											
है उनसे इतर काई अन्य देश प्राईतैंड पाईतैंड पाईतैंड पाईतैंड होडोरामा पेट्रोकैमिकल ति. प्रमटी यूपस डाल पेट्रोकैमिकल ति. प्रमित ति. प्रमटी यूपस डाल प्राईतैंड पाईतैंड पाईतैंड उपर्युक्त कम सं. 9 से 10 के 99.51 प्रमटी यूपस डाल प्राटनरोधी शुल्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य देश प्रमटी यूपस डाल पर पाटनरोधी शुल्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य देश प्रमटी यूपस डाल पर पाटनरोधी शुल्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य देश प्रमटी यूपस डाल पर पाटनरोधी शुल्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य देश प्रमटी यूपस डाल पर पाटनरोधी शुल्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य देश प्रमटी यूपस डाल पर पाटनरोधी शुल्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य देश प्रमटी यूपस डाल पर पाटनरोधी शुल्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य देश प्रमटी यूपस डाल पर पाटनरोधी शुल्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य देश प्रमटी यूपस डाल पर पाटनरोधी शुल्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य है प्रमटी यूपस डाल पर पर पाटनरोधी शुल्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य है प्रमटी यूपस डाल पर पर पाटनरोधी शुल्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य है प्रमटी यूपस डाल पर पर पाटनरोधी शुल्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य है प्रमटी यूपस डाल पर पर पर पर है अनसे इतर कोई अन्य है उनसे इतर कोई अन्य है उनस इतर कोई अन्य है उनस इतर कोई अन्य है उनस इतर कोई अन्य वे			एसिड								
कोई अन्य देश विकास कोई अन्य देश विकास कोई अन्य देश विकास कोई अन्य देश विकास					1						
चही- वही- वही- वही- वही- वही- वही- वही- व											
9 -वहीवही- थाईलैंड थाईलैंड इंडोरामा इंडोरामा व्हेंडोरामा पेट्रोकैमिकल लि. 10 -वहीवही- थाईलैंड थाईलैंड टीपीटी टीपीटी टीपीटी प्रेट्रोकैमिकल्स पेट्रोकैमिकल्स पिट्रोकैमिकल्स पिट्रोकिमिकल्स पिट्रोकैमिकल्स पिट्रोकैमिकल्स पिट्रोकैमिकल्स पिट्रोकैमिकल्स पिट्रोकैमिकल्स पिट्रोकेमिकल्स पिट्रोकेमिकल्स पिट्रोकेमिकल्स पिट्रोकेमिकल्स पिट्रोकिकल्स पिट्				I.							
पेट्रोकैमिकल लि. 10 -वहीं- वहीं- याईलैंड थाईलैंड टीपीटी पेट्रोकैमिकल्स पेट्रोकेमिकल्स पेट्रोकैमिकल्स पेट्रोकिमिकल्स पेट्रोकैमिकल्स पेट्रोकेमिकल्स पेट्रोकेमिकल्स पेट्रोकिमिकल्स पेट्रोकि											
पट्टाकामक ति पेट्रोकैमिकत ति ति ति ति ति ति ति त	9	-वही-	-वही-	थाईलैंड	थाईलैंड		। इंडोरामा	27.49	एमटी	यूएस	डालर
10 -वही- -वही- याईलैंड याईलैंड याईलैंड टीपीटी टीपीटी येट्रोकैमिकल्स पेट्रोकैमिकल्स पेट्रोकैमिकल्स पेट्रोकैमिकल्स पेट्रोकैमिकल्स पेट्रोकैमिकल्स पव्लिक लि. पमटी यूएस डाल प्राप्त प्र											
पेट्रोकैमिकल्स पेट्रोकैमिकल्स पेट्रोकैमिकल्स पेट्रोकैमिकल्स पिट्रेक ति. 11 -वही- वही- थाईलैंड थाईलैंड उपर्युक्त क्रम सं. 9 से 10 के अलावा कोई अन्य संयोजन 12 -वही- वही- वही- थाईलैंड जिन देशों पर कोई कोई 99.51 एमटी यूएस डाल पाटनरोधी शुक्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य देश पर पाटनरोधी शुक्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य देश विकास कीई कीई 23.75 एमटी यूएस डाल विकास कीई अन्य देश विकास कीई अन्य देश विकास कीई अन्य देश विकास कीई अन्य कीई कीई 23.75 एमटी यूएस डाल विकास कीई अन्य देश विकास कीई अन्य कीई कीई 3नसे इतर कोई अन्य कीई कीई 3नसे इतर कीई अन्य कीई अन्य कीई कीई 3नसे इतर कीई अन्य कीई अन											
पहिलक लि. पिटलक लि. 11 -वही- वही- याईलैंड थाईलैंड उपर्युक्त क्रम सं. 9 से 10 के 99.51 एमटी यूएस डाल अलावा कोई अन्य संयोजन 12 -वही- वही- याईलैंड जिन देशों पर कोई कोई 99.51 एमटी यूएस डाल पाटनरोधी शुल्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य देश 13 -वही- वही- जिन देशोंथाईलैंड कोई कोई 99.51 एमटी यूएस डाल पर पाटनरोधी शुल्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य देश 14 -वही- वही- ईयू ईयू कोई कोई 23.75 एमटी यूएस डाल पर पाटनरोधी शुल्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य देश 15 -वही- वही- ईयू ईयू कोई कोई 23.75 एमटी यूएस डाल पर पाटनरोधी शुल्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य काई अन्य	10	-वही-	-वही-	थाईलैंड	थाईलैंड			27.49	एमटी	यूएस	डालर
11 -वही- वही- याईलैंड याईलैंड उपर्युक्त क्रम सं. 9 से 10 के 99.51 एमटी यूएस डाल अलावा कोई अन्य संयोजन 12 -वही- याईलैंड जिन देशों पर कोई कोई 99.51 एमटी यूएस डाल पाटनरोधी शुल्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य देश 13 -वही- -वही- जिन देशोंथाईलैंड कोई कोई 99.51 एमटी यूएस डाल पर पाटनरोधी शुल्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य देश दे						पेट्रोकैमिकल्स					
अलावा कोई अन्य संयोजन प्रमदी यूएस डाल प्राप्त कोई अन्य संयोजन प्रमदी यूएस डाल प्राप्त कोई अन्य देश प्रमदी यूएस डाल प्रमदी य						पब्लिक लि.	पब्लिक लि.				
12 -वही- वही- थाईलैंड जिन देशों पर कोई कोई 99.51 एमटी यूएस डाल पाटनरोधी शुल्क लागू है जनसे इतर कोई अन्य देश 13 -वही- -वही- जिन देशोंथाईलैंड कोई कोई 99.51 एमटी यूएस डाल पर पाटनरोधी शुल्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य देश 14 -वही- -वही- ईयू ईयू कोई कोई 23.75 एमटी यूएस डाल पर पाटनरोधी शुल्क लागू है उनसे इतर कोई कोई कोई 23.75 एमटी यूएस डाल पर पाटनरोधी शुल्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य	11	-वही-	-वही-	थाईलैंड	थाईलैंड	उपर्युक्त क्रम	सं. 9 से 10 के	99.51	एमटी	यूएस	डालर
पाटनरोधी शुल्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य देश 13 -वहीवही- जिन देशोंथाईलैंड कोई कोई 99.51 एमटी यूएस डाल पर पाटनरोधी शुल्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य देश 14 -वहीवही- ईयू ईयू कोई कोई 23.75 एमटी यूएस डाल पर पाटनरोधी शुल्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य देश 15 -वही- जिन देशों ईयू कोई कोई 23.75 एमटी यूएस डाल पर पाटनरोधी शुल्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य						अलावा कोई अ	न्य संयोजन				
शुल्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य देश 13 -वहीवही- जिन देशींथाईलैंड कोई कोई 99.51 एमटी यूएस डाल पर पाटनरोधी शुल्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य देश 14 -वहीवही- ईयू ईयू कोई कोई 23.75 एमटी यूएस डाल पर पाटनरोधी शुल्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य देश 15 -वही- जिन देशों ईयू कोई कोई 23.75 एमटी यूएस डाल पर पाटनरोधी शुल्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य	12	-वही-	-वही-	थाईलैंड	जिन देशों पर	कोई	कोई	99.51	एमटी	यूएस	डालर
उनसे इतर कोई अन्य देश 13 -वहीवही- जिन देशोंथाईलैंड कोई कोई 99.51 एमटी यूएस डाल पर पाटनरोधी शुल्क लाग है अन्य देश 14 -वहीवही- ईयू ईयू कोई कोई 23.75 एमटी यूएस डाल पर पाटनरोधी को कोई अन्य देश कोई कोई 23.75 एमटी यूएस डाल पर पाटनरोधी शुल्क लाग है उनसे इतर कोई उनसे इतर कोई उनसे इतर कोई अन्य इंग्रेस कोई अन्य कोई अन्य होल पर पाटनरोधी शुल्क लाग है उनसे इतर कोई अन्य					पाटनरोधी						
13 -वही- -वही- जिन देशों थाईलैंड कोई कोई 99.51 एमटी यूएस डाल पर पाटनरोधी शुल्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य देश 14 -वही- -वही- ईयू ईयू कोई कोई 23.75 एमटी यूएस डाल 15 -वही- जिन देशों ईयू कोई कोई 23.75 एमटी यूएस डाल पर पाटनरोधी शुल्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य					शुल्क लागू है						
13 -वही- जिन देशों थाईलैंड कोई 99.51 एमटी यूएस डाल पर पाटनरोधी शुल्क लाग है उनसे इतर कोई अन्य देश 14 -वही- -वही- ईयू ईयू कोई कोई 23.75 एमटी यूएस डाल 15 -वही- जिन देशों ईयू कोई कोई 23.75 एमटी यूएस डाल पर पाटनरोधी शुल्क लाग है उनसे इतर कोई अन्य					उनसे इतर						
पर पाटनरोधी शुल्क लाग् है उनसे इतर कोई अन्य देश 14 -वहीवही- ईयू ईयू कोई कोई 23.75 एमटी यूएस डाल 15 -वही- जिन देशों ईयू कोई कोई 23.75 एमटी यूएस डाल पर पाटनरोधी शुल्क लाग् है उनसे इतर कोई अन्य					कोई अन्य देश						
पाटनरोधी शुल्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य देश 14 -वहीवही- ईयू ईयू कोई कोई 23.75 एमटी यूएस डाल 15 -वही- जिन देशों ईयू कोई कोई 23.75 एमटी यूएस डाल पर पाटनरोधी शुल्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य	13	-वही-	-वही-	जिन देशों	थाईलैंड	कोई	कोई	99.51	एमटी	यूएस	डालर
शुल्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य देश 14 -वहीवही- ईयू ईयू कोई कोई 23.75 एमटी यूएस डाल 15 -वही- जिन देशों ईयू कोई कोई 23.75 एमटी यूएस डाल पर पाटनरोधी शुल्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य				पर							
है उनसे इतर कोई अन्य देश 14 -वहीवही- ईयू ईयू कोई कोई 23.75 एमटी यूएस डाल 15 -वही- जिन देशों ईयू कोई कोई 23.75 एमटी यूएस डाल पर पाटनरोधी शुल्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य				पाटनरोधी							
कोई अन्य देश 14 -वहीवही- ईयू ईयू कोई कोई 23.75 एमटी यूएस डाल 15 -वही- जिन देशों ईयू कोई कोई 23.75 एमटी यूएस डाल पर पाटनरोधी शुल्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य				शुल्क लागृ							
देश 14 -वहीवही- ईयू ईयू कोई कोई 23.75 एमटी यूएस डाल 15 -वही- जिन देशों ईयू कोई कोई 23.75 एमटी यूएस डाल पर पाटनरोधी शुल्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य				है उनसे इतर							
14 -वही- ईयू ईयू कोई कोई 23.75 एमटी यूएस डाल 15 -वही- जिन देशों ईयू कोई कोई 23.75 एमटी यूएस डाल पर पाटनरोधी शुल्क लागू शुल्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य				कोई अन्य							
15 -वहीवही- जिन देशों ईयू कोई कोई 23.75 एमटी यूएस डाल पर पाटनरोधी शुल्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य				देश							
पर पाटनरोधी शुल्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य	14	-वही-	-वही-	ईयू	ईयू	कोई	कोई	23.75	एमटी	यूएस	डालर
पर पाटनरोधी शुल्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य	15	-वही-	-वही-	जिन देशों	ईयू	कोई	कोई	23.75	एमटी	यूएस	डालर
शुल्क लागू है उनसे इतर कोई अन्य				पर							
है उनसे इतर कोई अन्य				पाटनरोधी							
कोई अन्य				शुल्क लागृ							
				है उनसे इतर							
				कोई अन्य							
				देश							
16 -वहीवही- ईयू जिन देशों पर कोई कोई 23.75 एमटी यूएस डाल	16	-वही-	-वही-	ईयू	जिन देशों पर	कोई	कोई	23.75	एमटी	यूएस	डालर
पाटनरोधी					पाटनरोधी						
शुल्क लागू है					शुल्क लागू है						
उनसे इतर					उनसे इतर	1					
कोई अन्य देश					कोई अन्य देश						

द. आगे की प्रक्रिया:

- 108. प्रारंभिक जांच परिणामों को अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी:-
 - क. प्राधिकारी सभी हितबद्ध पक्षकारों से इन अनंतिम जांच परिणामों पर टिप्पणियां आमंत्रित करेंगे और प्राधिकारी द्वारा संगत समझी गई टिप्पणियों पर अंतिम जांच परिणाम में विचार किया जाएगा;
 - ख. प्राधिकारी द्वारा निर्यातकों, आयातकों, आवेदक और संबंधित समझे गए अन्य हितबद्ध पक्षकारों को अलग से लिखा जा रहा है जो इन प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रेषण की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी इन जांच परिणामों के प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकता है;
 - ग. प्राधिकारी द्वारा आवश्यक समझी गई सीमा तक आगे सत्यापन किया जाएगा;
 - घ. अंतिम जांच परिणाम घोषित करने से पूर्व प्राधिकारी पाटनरोधी नियमों के अनुसार अनिवार्य तथ्यों का प्रकटन करेंगे।

जे. के. दादू, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th June, 2014

Preliminary Findings

Subject: Anti-dumping investigation concerning imports of 'Purified Terephthalic Acid' (PTA), originating in or exported from China PR, European Union, Korea RP and Thailand.

No.14/7/2013-DGAD: - Having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Act), and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time, (hereinafter also referred to as the Rules) thereof;

- 1. Whereas M/s MCC PTA India Corp. Pvt. Ltd (MCPI), and M/s Reliance Industries Limited (RIL) (hereinafter also referred to as the applicants) have jointly filed an application before the Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) in accordance with the Act and Rules, for initiation of anti-dumping investigation concerning imports of Purified Terephthalic Acid (hereinafter also referred to as the subject goods or PTA), originating in or exported from China PR, European Union, Korea RP and Thailand (hereinafter also referred to as the subject countries), alleging dumping and consequent injury and requested for levy of anti-dumping duties on the subject goods.
- 2. And whereas, the Authority on the basis of sufficient evidence, submitted by the applicant issued a public notice vide Notification No. 14/7/2013-DGAD dated 8th October, 2013, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating the subject investigation in accordance with the sub Rule 5 of the Rules, to determine the existence, degree and effect of the alleged dumping and to recommend the amount of anti-dumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

A. PROCEDURE

- 3. The procedure described herein below has been followed by the Authority with regard to the subject investigation:
 - i. The Authority notified the Embassies/Representatives of China PR, European Union, Korea RP and Thailand in India about the receipt of the anti-dumping application before proceeding to initiate the investigation in accordance with Sub-Rule (5) of Rule 5 supra.
 - ii. In addition to the provisions of Sub-Rule (5) of Rule 5 supra, the Government of Korea RP was informed through its Embassy in India about the receipt of the subject application as per provisions of Article 2.14 of Comprehensive Economic Partnership Agreement (CEPA) between India and Korea RP.
- iii. The Authority sent a copy of the initiation notification dated 8th October, 2013 to the Embassies of China PR, European Union, Korea RP and Thailand in India, known producers/exporters from China PR, European Union, Korea RP and Thailand, known importers/users and the domestic industry as per the addresses made available by the applicant and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.
- iv. The Authority provided a copy of the non-confidential version of the application to the known producers/exporters and to the Embassies/Representatives of the subject countries in India in accordance with Rule 6(3) of the Rules supra.
- v. The Embassies/Representatives of China PR, European Union, Korea RP and Thailand in India were informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) of the Rules with a request to advise the exporters/producers from their countries to respond to the questionnaire within the prescribed time limit. A copy of the letter and questionnaire sent to the producers/exporters was also sent to them along with the names and addresses of the known producers/exporters from China PR, European Union, Korea RP and Thailand.
- vi. The Authority sent exporter's questionnaires to elicit relevant information to the following known producers/exporters in China PR, European Union, Korea RP and Thailand in accordance with Rule 6(4) of the Rules:
 - a. BP Zhuhai Chemical Co. Ltd, China PR
 - b. Xianglu Petrochemicals Co., Ltd, China PR
 - c. Jiaxing Petrochemical Co., Ltd., China PR

- d. Zhejiang Yisheng Petrochemical Co., Ltd., China PR
- e. Zhejiang Yuandong Petrochemical, China PR
- f. Yisheng Dahua Petrochemical Co., Ltd., China PR
- g. Hengli Petrochemical, China PR
- h. Jinan Shijitongda Chemical Co., Ltd., China PR
- i. Samsung Total Petrochemical Company Ltd., Korea RP
- j. Samsung Petrochemical Company Ltd., Korea RP
- k. Hyosung Petrochemical, Korea RP
- 1. Hyosung Corporation, Korea RP
- m. Taekwang Industrial Co., Ltd., Korea RP
- n. Honam Petrochemical Corporation, Korea RP
- o. Samyang Corporation, Korea RP
- p. Samnam Petrochemical Co., Ltd, Korea RP
- g. SK Petrochemical, Korea RP
- r. Lotte Chemical, Korea RP.
- s. Indorama Petrochem Limited, Thailand
- t. TPT Petrochemicals PCL., Thailand
- u. Siam Mitsui PTA Co., Ltd., Thailand
- v. BP Chembel N.V., Belgium
- w. Cepsa Quimica S.A, Spain
- x. Lotte Chemical UK Ltd, United Kingdom
- y. BP Chemicals Limited, United Kingdom
- z. Artlant PTA, Portugal
- aa. PKN Orlen SA, Poland
- vii. The following producers/exporters from the subject countries filed exporters questionnaire response in the prescribed format:
 - a. Indorama Petrochem Ltd, Thailand
 - b. TPT Petrochemicals Public Limited, Thailand
 - c. Samsung C&T Corporation, Korea RP
 - d. Samsung Petrochemical Co. Ltd., Korea RP now known as Samsung General Chemicals Co Ltd.
 - e. SK Petrochemical Inc, Korea RP (producer) along with Mitsubishi Corporation, Japan (exporter)
 - f. Taekwang Industrial Co Ltd, Korea RP
 - g. Hyosung Corporation, Korea RP
 - h. Zhejiang Yisheng Petrochemical Co., Ltd, China PR
 - i. Ningbo Hengyi Trading Co Limited, China PR
- viii. The following producers/exporters from China filed Market Economy Treatment questionnaire response:
 - a. Zhejiang Yisheng Petrochemical Co. Ltd.
 - b. Ningbo Hengyi Trading Co. Ltd.
 - c. Yisheng Dahua Petrochemical Co. Ltd.
 - d. Hainan Yeshing Petrochemical Co. Ltd.
- ix. The Authority sent Importer's Questionnaires to the following known importers/users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the Rules:

- Wellknown Polyster Ltd., Mumbai
- b. JBF Industries Ltd., Mumbai
- c. Alok Industries Ltd., Mumbai
- d. Indo Rama Synthetics (India) Ltd., Gurgaon, Haryana
- e. The Bombay Dyeing & Mfg. Compnay Ltd., Mumbai
- f. Dhunseri Petrochem & Tea Ltd., Kolkata
- g. Garden Silk Mills Ltd., Mumbai
- h. Filatex India Ltd., New Delhi
- i. Jindal Poly Films Ltd., New Delhi
- j. Nakoda Ltd., Mumbai
- k. Sumeet Industries Ltd., Surat
- 1. Raj Rayon Industries Ltd, Mumbai
- m. Association of Synthetic Fiber Industry (ASFI), New Delhi.
- n. PTA Users Association of India, New Delhi.
- x. Importer's questionnaire response in the prescribed format were received from the following importer/user of the subject goods in India:
 - a. Dhunseri Petrochem & Tea Ltd.,
 - b. Alok Industries Ltd.
 - c. The Bombay Dyeing & Manufacturing Co. LTd
 - d. Jindal Poly Films Ltd.
 - e. JBF Industries Ltd.
 - f. Wellknown Polyesters Ltd
 - g. Indo-Rama Synethetics (India) Ltd.
 - h. Sumeet Industries Ltd..
- xi. Post-initiation, submissions have also been made by the domestic industry and the following interested parties:
 - a) Dhunseri Petrochem & Tea Limited
 - b) Polyester Film industries Association
 - c) PTA Users Association
 - d) The Southern India Mill's Association (SIMA)
 - e) Association of Synthetic Fibre Industry.
 - f) Samsung Petrochemical Co., Ltd.
 - g) Hyosung Corporation
 - h) SK Petrochemical Co., Ltd.
 - i) Taekwang Industrial Co., Ltd.
 - j) Indorama Petrochem Ltd
 - k) TPT Petrochemicals Public Limited Company.
 - 1) BP Chembel NV, EU
 - m) BP Aromatics, EU.
 - n) BP Zuhai Chemical Co Ltd, China PR
- xii. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;

- xiii. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to provide details of imports of subject goods for the past three years, including the period of investigation. The Authority has relied upon DGCI&S data in this finding.
- xiv. The Non-injurious Price based on the cost of production and cost to make & sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and Annexure III to the Anti-dumping Rules has been worked out so as to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the Domestic Industry.
- xv. Verification of the information provided by the petitioner companies, to the extent deemed necessary, was carried out by the Authority. Only such verified information with necessary rectification, wherever applicable, has been relied upon for the purpose of present preliminary findings.
- xvi. The Period of Investigation for the purpose of the present investigation is from 1st April 2012 to 31st March 2013 (12 Months). The injury investigation period has however, been considered as the period from 1st April 2009 to the end of the POI, i.e., 2009-10, 2010-11, 2011-12 and POI.
- xvii. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority considered such interested parties as non-cooperative and recorded these preliminary findings on the basis of the facts available.
- xviii. Information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claims. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis and the same were kept in the public file maintained by the Authority as per the Rules.
- xix. *** in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis, and so considered by the Authority under the Rules.
- xx. The exchange rate adopted by the Authority for the subject investigation is 1 US \$ = Rs 54.65.

B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

4. The Product under Consideration (PUC) in the present investigation is Purified Terephthalic Acid (PTA), including its variants - Medium Quality Terephthalic Acid (MTA) and Qualified Terephthalic Acid (QTA). Purified Terephthalic Acid (PTA) is a white, free flowing crystalline powder, free from any visual contamination. Terephthalic Acid is an organic compound whose chemical formula is C₆ H₄ (COOH)₂. It sublimes at 402°C and is poorly soluble in water and alcohol. PTA is the primary raw material for the manufacturing of polyester chips which in turn is used in a number of applications in textiles, packaging, furnishings, consumer goods, resins and coatings. Since QTA, MTA and PTA are chemically the same product and further since they are interchangeably used, the scope of the product under consideration covers QTA and MTA as well. As claimed by the applicants, Di-Methyl Terephthalate (DMT) is chemically a different product and therefore not covered in the scope of the product under consideration. The product under consideration is classified under subheading 29173600 of the Customs Tariff Act. However, the customs classification is indicative only and in no way it is binding on the scope of the present investigation.

Submissions made by the Domestic industry

- 5. The submissions made by the domestic industry and considered relevant by the Authority with regard to product under consideration and like articles are as follows:
 - The product under consideration in the present petition is Purified Terephthalic Acid, including its variants Medium Quality Terephthalic Acid (MTA) and Qualified Terephthalic Acid (QTA) (hereinafter referred to as "the product under consideration" or "PTA"). PTA is a white, free-flowing crystalline powder free from any visual contamination. It is classified under subheading 29173600 of the Customs Tariff Act. Terephthalic acid is an organic compound whose chemical formula is C₆H₄(COOH)₂. It sublimes at 402°C and is poorly soluble in water and alcohols. PTA is a primary raw material in the manufacture of polyester chips which in turn has number of applications in textiles, packaging, furnishings, consumer goods, resins and coatings. MTA and QTA are chemically the same as PTA. The only difference between PTA, MTA and QTA is in the level of impurities present in the QTA and MTA. PTA, MTA & QTA are produced using the same production technology, plant & equipment, manufacturing process, raw materials. The three perform the same function. These fall under same customs classifications. The only difference in the three products is in the level of impurities. In fact, producer such as SK Chemical produces MTA, but literature states PTA.

ii) Di-Methyl Terephthalate (DMT) is chemically different product than PTA. The production technology, manufacturing process, plant & equipment, raw materials, technical specifications of DMT and PTA are different. However, DMT and PTA are interchangeably used in some applications. However, DMT cannot replace/substitute PTA in all the applications. There is no production of DMT in India, nor there import of DMT in India. The present petition is for anti dumping duty on PTA (including its variants, MTA and QTA) and the petition has been filed by producers of PTA in India. DMT is in fact a product being phased out and PTA has substituted DMT. The product scope does not cover DMT, there being no imports into India and no production in India. Since QTA, MTA and PTA are chemically the same product and further since they are interchangeably used, the scope of the product under consideration covers QTA and MTA as well.

Submissions made by Exporters, Importers, Users and other Interested Parties

6. No submissions have been made by the interested parties with regard to product under consideration and like article.

Examination of the Authority

- 7. The submissions made by the interested parties with regard to the scope of product under consideration and considered relevant by the Authority are examined and addressed as follows:
 - i. The product under consideration in the present investigation, as defined by the Authority in the initiation notification is Purified Terephthalic Acid (PTA), including its variants Medium Quality Terephthalic Acid (MTA) and Qualified Terephthalic Acid (QTA). The PUC is a white, free flowing crystalline powder, free from any visual contamination. Terephthalic Acid is an organic compound whose chemical formula is C₆ H₄ (COOH)₂. It sublimes at 402°C and is poorly soluble in water and alcohol. PTA is primary raw material in the manufacture of polyester chips which in turn is used in a number of applications in textile, packaging, furnishings, consumer goods, resins and coatings. Since QTA, MTA and PTA are chemically the same product and further since they are interchangeably used, the scope of the product under consideration covers QTA and MTA as well. The product under consideration is classified under subheading 29173600 of the Customs Tariff Act. However, the customs classification is indicative only and in no way it is binding on the scope of the present investigation.
 - ii. As claimed by the applicants, Di-Methyl Terephthalate (DMT) is chemically a different product and therefore not covered in the scope of the product under consideration.
 - iii. With regard to like article, Rule2(d) of the AD Rules provides as under: -
 - "like article" means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation;
 - iv. The Authority notes that the subject goods produced by the domestic industry and that imported from subject countries are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably. The consumers importing the product under consideration have also purchased the same from the domestic industry. In view of the same, the subject goods produced by the domestic industry are being treated as domestic like article to the product under consideration imported from subject countries in terms of the Rules.

C. SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY & STANDING

Submissions made by Exporters, Importers, Users and other Interested Parties

- 8. The submissions made by the producers/exporters/importers/other interested parties during the course of the investigation with regard to scope of domestic industry & standing and considered relevant by the Authority are as follows:
 - i. IOCL, one of the domestic producers of the subject goods has not supported the petition.
 - ii. MCC PTA India Corp. Private Limited (MCPI) is not qualified to be treated as part of the domestic industry under Rule 2(b) as, by virtue of their share holdings, they are related to Mitsubishi Corporation, Japan, Mitsubishi Corporation India Pvt. Ltd., Marubeni Corporation, Japan, Samyang Corporation, Korea RP and Sam Nam Petrochemical Co. Ltd. Korea RP.
 - iii. MCC PTA India Corp. Private Limited (MCPI) is a 100% subsidiary of Mitsubishi Corporation, Japan. Mitsubishi Corporation is engaged in exporting subject goods to India by procuring from the subject countries in the injury period. Mitsubishi Corporation India Pvt. Ltd. (MCPIL) imported these and sold them in India. Mitsubishi Corporation India Pvt. Ltd. (MCPIL) was also acting as a sales agent of MCC PTA India Corp. Private Limited (MCPI) in India.

- iv. Exporter (Mitsubishi Corporation-MC), importer (Mitsubishi Corporation India Pvt Ltd-MCPIL) and petitioner (MCC PTA India Corp. Private Limited-MCPI) are controlled by the Mitsubishi group and so MCPI is related to an exporter and importer of the subject goods.
- v. MC is a significant shareholder of MCC PTA India Corp. Private Limited (MCPI) and is forcing MCPI to appoint its wholly owned subsidiary, MCPIL, as its sales agent in order to earn profits.
- vi. Marubeni Corporation is a sale agent of MCPIL, shareholder of MCPIL and an importer of subject goods. A substantial quantity of the goods was imported/exported by Marubeni and MC. Therefore, MCPI is to be disqualified.
- vii. Sam Nam Petrochemical Co. Ltd., Korea is controlled by MCC and Samyang Corporation, Korea as they together hold 80% of the shares of Sam Nam. Therefore, MCC PTA India Corp. Private Limited (MCPI) and Samyang are related.
- viii. MCC Japan is the largest shareholder (40%) in Sam Nam Petrochemical Co. Ltd. and so has control over Sam Nam. MCC Japan has referred to it as a subsidiary.
- ix. Exporters related to MCC PTA India Corp. Private Limited intentionally export at low price to its related importers and the importers book the profits on such imports.
- x. MCC PTA India Corp. Private Limited did not disclose its affiliation or explain why MC exported substantially on a regular basis.
- xi. Mitsubishi Chemical Corporation held 66% shares in MCC PTA and 40% shares in Sam Nam Petrochemicals, Korea. The share held by MCC also signifies a significant control over MCC PTA and Sam Nam Petrochemical's operations and its executive decisions. Sam Nam Petrochemical's is one of the named exporters in the investigation, therefore, as per sub-clause (i)(b) of explanation to rule 2(b), the relationship between MCC PTA, MCC and Sam Nam Petrochemicals, Korea would clearly exclude MCC PTA from the definition of domestic industry.
- xii. Imports from Malaysia have increased over the injury period. Reliance industries have acquired 100% stake in BP Chemicals (Malaysia) SdnBhd (BPCM) the inference is that the raw material of PTA was sent to Malaysia converted to PTA and re-imported and sold in India. PTA from this plant was sold in India during Dec 12-July 13 to the extent of 19228MT.

Submissions made by the Domestic industry

- 9. The submissions made by the domestic industry during the course of the investigation with regard to scope of domestic industry & standing and considered relevant by the Authority are as follows:
 - i. With respect to IOCL, the fact that it has not supported the present petition does not prevent the Authority from proceeding with the investigation. The Designated Authority is only to examine whether (a) domestic producers expressly supporting the application account for more than twenty five percent of the total production of the like article by the domestic industry; and (b) the application is supported by those domestic producers whose collective output constitute more than fifty percent of the total production of the like article produced by that portion of the domestic industry expressing either support for or opposition to the application.
 - ii. The shareholding pattern of MCC PTA Corp. India Pvt. Ltd (MCPI) is as given below:

SN	Shareholder	Shareholding
1	Mitsubishi Chemical Corpn., Japan	66%
2	Mitsubishi Corporation	10%
3	Sojitz Corporation	8%
4	Marubeni Corporation	6%
5	Toyota Tsusho	5%
6	West Bengal Industrial Development Corp.	5%

iii. One of the producers in Korea namely M/s. Sam Nam Petrochemical Co. Ltd. is a joint venture company in Korea whose shareholding is given below:

SN	Shareholder	Shareholding
1	Samyang Corpn, Korea	40%
2	G S Caltex, Korea	20%
3	Mitsubishi Chemical Corpn., Japan	40%

- iv. Mitsubishi Chemical Corporation, Japan holds 66% share in MCC PTA Corp. Pvt. Ltd. India and 40% share in M/s.Sam Nam Petrochemical Co. Ltd.,Korea. Thus, MCC PTA Corp. Pvt. Ltd. India has no direct or indirect relationship with Samyang or GS Caltex. These are Korean companies.
- v. Sam Nam Petrochemical Co. Ltd. has *** Directors, out of whom *** each are nominated by *** and ***. One director is nominated by ***. Mitsubishi Chemical Corporation, Japan does not control Sam Nam Petrochemical Co. Ltd, Korea. The company, however, controls MCC PTA Corp. Pvt. Ltd. India. Mitsubishi Chemical Corporation is not in a position to give direction or otherwise control Sam Nam Petrochemical Co. Ltd., as it lacks majority shareholding.
- vi. Sam Nam Petrochemical Co. Ltd. has sold *** MT PTA to one of the consumers in India during the period of investigation. Barring this, there is no export made by Sam Nam Petrochemical Co. Ltd. to India over the injury period. Sam Nam Petrochemical Co. Ltd. has given this material to *** as a trial product. M/s. *** is setting up a plant for production of ***MT per year *** (***streams) in *** which is due for commercial production shortly. *** explored possibility of buying PTA from Sam Nam Petrochemical Co. Ltd. for this new plant. Therefore, the company purchased this material for testing the product produced by Sam Nam Petrochemical Co. Ltd. Thus, this export by Sam Nam Petrochemical Co. Ltd. was an exceptional transaction for technical consideration and not in the nature of regular exports by Sam Nam Petrochemical Co. Ltd.
- vii. It is settled legal position that the Designated Authority has discretion under Rule 2(b) of the Anti-dumping Rules. In any case, facts of the case clearly establish that both the petitioner companies should be considered eligible domestic industry within the meaning of Rule 2(b).
- viii. There is no legal entity as Mitsubishi Group. Therefore, there is no question of any of the companies listed above being controlled by Mitsubishi Group. Further, MCPI is not controlled by Mitsubishi Corporation, nor MCPI controls Mitsubishi Corporation, nor MCPI and Mitsubishi Corporation are controlled by a third party. It cannot be said that MCPI and Mitsubishi Corporation are related party under the rules
- ix. As regards the arguments of opposing interested parties that Marubeni Corporation is a sale agent of MCPIL, shareholder of MCPIL and an importer of subject goods, the following Shareholding pattern of Marubeni is relevant for consideration:

Shareholding Pattern	
Financial Institutions	***%
Individual	***%
Domestic Entities	***%
Non-Domestic Entities	***%
Others	***%
Major Shareholders	
The Master Trust Bank of Japan Ltd.	***%
Japan Trustee Services Bank Ltd.	***%
Sompo Japan Insurance Inc.	***%
JP Morgan Chase Bank	***%
Japan Trustee Services Bank	***%
Meiji Yasuda Life Insurance Company	***%
Tokio Marine & Nichido Fire Ins. Co. Ltd.	***%
Mizuho Bank	***%
Barclays Securities Japan Ltd.	***%
Nippon Life Insurance Company	***%

x. Thus, MCPI is not controlled by Marubeni Corporation, nor MCPI controls Marubeni Corporation, nor MCPI and Marubeni Corporation are controlled by a third party. It cannot be said that MCPI and Marubeni Corporation are related party under the rules.

- xi. MCPI is not related to any importer or exporter of the product under consideration within the meaning of the antidumping Rules as none of them directly or indirectly controls the other; neither MCPI nor exporters/importers are directly or indirectly controlled by a third person; nor MCPI & exporters/importers together directly or indirectly control a third person. Further, there are no grounds for believing or suspecting that the effect of the relationship is such as to cause the producers to behave differently from non-related producers.
- xii. With respect to the argument that Mitsubishi Corporation and Samsung entered into a contract on 1st November, 2012 to purchase/sell 4000-5000 MT of PTA every month, all of which was destined to the Indian market, Mitsubishi Corporation is not related to the MCPI and therefore none of the petitioners have any control over decisions of Mitsubishi Corporation to dump the product in India.
- xiii. With respect to the argument that MCPI did not disclose its affiliation or explain why Mitsubishi Corporation exported substantially on a regular basis, MCPI is not related to the Mitsubishi Corporation and therefore it is not in a position to prevent Mitsubishi Corporation from selling the product in India.
- xiv. Imports from Malaysia are de-minimus and therefore, the issue of possible relationship of one of the petitioner company with one of the Malaysian producer becomes entirely irrelevant.

Examination of the Authority

- 10. The various submissions made by the interested parties with regard to the scope of domestic industry & standing and considered relevant by the Authority are examined and addressed as follows:
 - i) The Application has been filed by M/s. MCC PTA India Corp. Pvt. Ltd. and M/s. Reliance Industries Limited on behalf of the domestic industry. Apart from these two domestic producers, there is one more producer of PTA in India, namely Indian Oil Corporation Limited. However, the said domestic producer of PTA has neither supported nor opposed the application. As per the information furnished in the application, the production of M/s. MCC PTA India Corp. Pvt. Ltd. and M/s. Reliance Industries Limited accounts for more than 50% of Indian production of the like article. The applicants have declared that they have neither imported the product under consideration, nor any of their related parties in India have imported the product. It has been further declared that the applicants are not related to any of the importers of the subject goods in India or exporters of the subject goods from the subject countries.
 - i) As regards the submission of the interested parties that MCPI is not qualified to be treated as part of the domestic industry due to their relationship with exporters and/or importers, Authority notes that Rule 2(b) provides as follows:
 - "(b) "domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are relate to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term 'domestic industry' may be construed as referring to the rest of the producers"
 - ii) On the basis of information available in the Wikipedia, the Authority notes that the Mitsubishi Group is a group of autonomous Japanese multinational companies covering a range of businesses which share the Mitsubishi brand, trademark, and legacy. Thus, question of relationship of MCPI with "Mitsubishi Group" directly or indirectly does not arise.
 - iii) Further, the Authority on the basis of information available in the website mitsubishi.com notes that "Mitsubishi" is a community that consists of a multitude of independent companies. The names of most but not all of those companies contain the word "Mitsubishi." And many of the companies use the three-diamond Mitsubishi mark. But none calls itself simply "Mitsubishi." Further, the same web based information states that such companies conduct their business activities independently and even compete with each other in many fields. But as they share the same founding management philosophy, they cooperate in areas of common interest, such as sporting, cultural events and public-interest activities. The companies established a Mitsubishi portal on the Internet, "mitsubishi.com", to provide a broad perspective on "Mitsubishi." But, as the said web based information conveys, such companies do not have a decision-making body that determines overall policy for the companies.
 - iv) On the basis of the information furnished by the interested parties including domestic industry, Authority notes that the shareholding pattern of various parties with whom relationship of MCPI has been alleged are as follows:-
 - (i) Shareholding pattern of MCC PTA India Pvt. Ltd. (MCPI)

Name	Shareholding %
Mitsubishi Chemical Corporation	66

Mitsubishi Corporation	10
Sojitz Corporation	8
Marubeni Corporation	6
Toyota Tsusho Corporation	5
West Bengal Industrial Development Corporation	5

(ii) Shareholding pattern of Mitsubishi Corporation India Pvt. Ltd.

Name	Shareholding (%)
Mitsubishi Corporation	100%

(iii) Shareholding pattern of Mitsubishi Chemical Corporation

Name	Shareholding %
The Master Trust Bank of Japan, Ltd. (Trust account)	***
Meiji Yasuda Life Insurance Company	***
Japan Trustee Services Bank, Ltd. (Trust account)	***
Nippon Life Insurance Company	***
The Bank of Tokyo-Mitsubishi UFJ, Ltd.	***
Takeda Pharmaceutical Company Limited	***
Tokio Marine & Nichido Fire Insurance Co., Ltd.	***
The Bank of New York, Treaty JASDEC Account	***
Taiyo Life Insurance Company	***
Japan Trustee Services Bank, Ltd. (Trust account)	***

(iv) Shareholding pattern of Mitsubishi Corporation

Name	Shareholding (%)
Financial Institutions	***
Foreign Companies	***
Individuals	***
Other Companies	***

(v) Shareholding pattern of Marubeni Corporation

Shareholding Pattern	%	
Financial Institutions	***	
Individual	***	
Domestic Entities	***	
Non domestic entities	***	
Others	***	
Major Shareholders		
Name	Shareholding %	
The Master Trust Bank of Japan, Ltd. (Trust Account)	***	
Japan Trustee Services Bank, Ltd. (Trust Account)	***	
Sompo Japan Insurance Inc.	***	
JP Morgan Chase Bank 380055	***	
Japan Trustee Services Bank, Ltd. (Trust Account 9)	***	

Meiji Yasuda Life Insurance Company	***
Tokio Marine and Nichido Fire Insurance Co., Ltd.	***
Mizuho Bank, Ltd.	***
Barclays Securities Japan Ltd.	***
Nippon Life Insurance Company	***

(vi) Shareholding pattern of Sam Nam Petrochemical Co. Ltd.

S.N.	Shareholder	Shareholding %
1	Samyang Corpn. Korea	40
2	G S Caltex, Korea	20
3	Mitsubishi Chemical Corpn., Japan	40

- v) Authority further notes that related party under the Rules has been defined as follows
 - (i) producers shall be deemed to be related to exporters or importers only if,
 - a) one of them directly or indirectly controls the other; or
 - b) both of them are directly or indirectly controlled by a third person; or
 - c) together they directly or indirectly control a third person subject to the condition that are grounds for believing or suspecting that the effect of the relationship is such as to cause the producers to behave differently from non-related producers.
 - (ii) a producer shall be deemed to control another producer when the former is legally or operationally in a position to exercise restraint or direction over the latter.
- vi) Authority thus notes that two entities can be treated as related entities only if one of the above conditions is satisfied.
- vii) The Authority notes that MCPI is related to Mitsubishi Chemical Corporation, Japan by virtue of the later company holding majority share. However, Japan not being a subject country in the present investigation, such relationship has no relevance.
- viii) The Authority further notes that it is an acknowledged fact that Sam Nam Petrochemical Co. Ltd. Korea, in which Mitsubishi Chemical Corporation, Japan is having significant share, has exported some quantity of subject goods to India during the POI. However, as submitted by the applicant, Sam Nam's export of subject goods to India during the POI is an exception and not a regular trading activity. Moreover, as stated by the applicant, the shareholding of Mitsubishi Chemical Corporation, Japan in Sam Nam Korea, cannot be considered as having controlling effect on the commercial activities of Sam Nam Korea without having majority representation in the board of directors.
- The Authority notes that the exports made by Sam Nam Korea RP to India during the relevant period constitute merely ***% of the total imports from the subject countries and ***% of the total imports from Korea RP during the POI. Moreover, Korea RP is a subject country in the present investigation and the exports that may be made by Sam Nam Korea, despite being related party to the MCPI, will also be subjected to the anti-dumping measures, if imposed. Therefore no undue benefit will accrue to MCPI out of such relationship in case anti-dumping measures are imposed.
- x) The Authority notes that Marubeni Corporation has insignificant shareholding in MCPI. Marubeni Corporation has a wholly owned subsidiary in India namely Marubeni India Pvt. Ltd. who has imported the product under consideration to India. However, the insignificant shareholding held by Marubeni Corporation in MCPI cannot be construed as having any material effect in the decision making process of MCPI.
- xi) In view of the above position, the Authority notes that there is no justification for treating MCPI as an ineligible domestic industry. There are no grounds for believing or suspecting that the effect of the relationship of MCPI with an exporter or importer was such as to cause the company to behave differently from non-related producers. Principal business of MCPI is production and not import/trading. Moreover, had there been any undue benefit accruing to MIPC out of any such relationship then Reliance Industry Ltd. who is the joint

- applicant, would not have opted to collaborate with MCPI in present the investigation. In view of the above, the Authority considers M/s MCC PTA India Corp. Pvt. Ltd. as an eligible domestic producer constituting domestic industry in terms of Rule 2(b) of the Anti-dumping Rules.
- xii) As regards the contention that Reliance is engaged in converting raw material in its acquired Malaysian plant and re-importing the same to India, the Authority notes that Malaysia is not a subject country in the present investigation and therefore such imports have no relevance.
- xiii) After detailed examination the Authority determines that M/s. MCC PTA India Corp. Pvt. Ltd. and M/s. Reliance Industries Ltd. account for a major proportion of the total domestic production of the subject goods during the POI and constitute domestic industry within the meaning of the Rule 2 (b) and satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5 (3) of the Anti-dumping Rules.

D. CONFIDENTIALITY

Submissions made by Exporters, Importers, Users and other Interested Parties

- 11. The submissions made by the producers/exporters/importers/other interested parties with regard to confidentiality during the course of the investigation and considered relevant by the Authority are as follows:
 - i. The claim of confidentiality by the applicants for the directors of Sam Nam Petrochemical Co. Ltd. is excessive.

Submissions made by the Domestic industry

- 12. The submissions made by the domestic industry with regard to confidentiality during the course of the investigation and considered relevant by the Authority are as follows:
 - i. The petitioner has claimed only such information as confidential, confidentiality of which has been permitted under the rules and as per consistent practice of the Authority.
 - ii. The petitioner has provided sufficient non confidential version of the application. No interested party has been able to point out any specific instance of information which has been claimed confidential and confidentiality of which is not justified under the rules.
 - iii. With respect to the claim of confidentiality for the directors of Sam Nam, the fact that there is no control does not mean that the relevant information can be disclosed
 - iv. Information such as gross volume of exports to India, gross volume of sales in domestic market, production, sales, average price for exports to India have been claimed confidential. Indeed nothing is commercially sensitive in this information.
 - Most of the exporters have not even provided indexed information even when information is capable of being summarized in an indexed form.

EXAMINATION BY THE AUTHORITY

- 13. Submissions made by the interested parties with regard to confidentiality and considered relevant by the Authority are examined and addressed as follows:
 - i. With regard to confidentiality of information, Rule 7 of Anti-dumping Rules provides as follows:-
 - Confidential information: (1) Notwithstanding anything contained in sub-rules and (7) of rule 6, sub-rule (2),(3)(2) of rule12, sub-rule (4) of rule 15 and sub-rule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5, or any other information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.
 - (2)The designated authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarization is not possible.
 - (3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorise its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information.
 - ii. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties.

Wherever possible, parties providing information on confidential basis was directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis. The Authority made available the non-confidential version of the evidences submitted by various interested parties in the form of public file. The Authority notes that any information which is available in the public domain cannot be treated as confidential.

E. MISCELLANEOUS SUBMISSIONS

Submissions made by Exporters, Importers, Users and other Interested Parties

- 14. The submissions made by the producers/exporters/importers/other interested parties with regard to miscellaneous issues during the course of the investigation and considered relevant by the Authority are as follows:
 - i. Imposition of Anti-Dumping Duty on imports of PTA will lead to increase in the prices of PTA in the domestic market and also have adverse effect on the cost of production of downstream industries such as BOPET Films industry, PSF (Polyester Staple Fiber) and Synthetic Textile Industry.
 - ii. There is also a huge demand supply gap in India. Thus, when imports are essential due to demand supply gap, imposition of anti-dumping duty would adversely affect the user sector.
 - iii. The imposition of anti-dumping duty would disadvantage other PET manufacturers and not RIL which has a captive PTA manufacturing facility.

Submissions made by the Domestic industry

- 15. The miscellaneous submissions made by the domestic industry during the course of the investigation and considered relevant by the Authority are as follows:
 - i. None of the responding exporters have fully replied to the question with regard to valuation of Paraxylene. Further, only Samsung Petrochemicals and S.K. Petrochemicals have affiliated companies who are producing Paraxylene and supplying to these companies.
 - Questionnaire responses are grossly deficient; the authority should reject the same at least for the purpose of preliminary findings.
 - iii. Questionnaire responses by the exporters does not make it clear how the producer concerned has produced and supplied the goods to a trading company who has eventually supplied the goods to India.
 - iv. With respect to the argument that PX supply shortage and low capacity utilisation of its downstream industry will give RIL an advantage, the purpose of anti-dumping duties is to allow healthy competition.

EXAMINATION BY THE AUTHORITY

- 16. Various submissions made by the interested parties with regard to miscellaneous issues and considered relevant by the Authority are examined and addressed as follows:
 - i. As regards the submission that imposition of Anti-Dumping Duty on imports of PTA will lead to increase in the prices of PTA in the domestic market and affect the downstream producers, the Authority notes that the object of imposing anti-dumping measure to is to rectify unfair trade practices and to redress its injurious effect by providing level playing field to domestic industry. Moreover imposition of anti-dumping measures does not prevent imports.
 - ii. As regards to submission that domestic industry is not capable of meeting the entire demand in the country and import is imminent to meet the demand supply gap, the Authority notes that there is no legal provision mandating the domestic industry to meet the entire demand in the county. Further, given a situation of fair play, the domestic industry would be in position to meet the entire demand in the country within its capacity.
 - iii. The Authority notes that the argument that imposition of anti-dumping duty on the imports of the subject-goods would accrue undue advantage to domestic Industry is presumptuous and pre-mature. Anti-dumping investigations are based on facts and law to analyze and assess the magnitude of dumping and consequent injurious effect on the domestic industry and to recommend imposition of suitable and adequate anti-dumping measure to provide a fair and level playing field to the domestic industry vis-à-vis dumping.

F. MARKET ECONOMY TREATMENT, NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN

Submissions made by Exporters, Importers, Users and other Interested Parties

- 17. Various submissions made by the interested parties with regard to Normal value, export price and dumping margin and considered relevant by the Authority are examined and addressed as follows:
 - i. Due to fluctuation of raw material and PTA prices, the ordinary course of trade (viability/COP) test (80:20) and dumping margin/injury margin, if applied based on average cost for the POI, would be totally erroneous and illogical. For proper comparison between cost and price, viability test is to be

- applied on a monthly basis and dumping margin calculated for every month. Adopting one cost based on average for the POI for applying viability test (80:20) will lead to skewed results.
- PTA is traded and sold to different categories of customers (end users and distributors). If sales are made to distributor, exporter incurs less distribution cost.
- iii. The subject-goods are exported as packed and as bulk. Cost of different types of packing should be neutralized both in cost of production and domestic sales while applying the viability test.
- iv. Since market prices of crude oil, naphtha, PX and PTA are determined based on international market price, global economy and demand/supply condition are the main factors for price fluctuation. Since almost all global PTA producers meet the international standards, PTA prices are determined by international market prices which are announced by chemical market price information websites. RIL has the predominant market share and determines its sales price according to international market price plus import duty and import related expenses. MCPI and IOC follow RIL's prices. Korean producers also determine export price on the basis of international price. Since ICIS announces prices on a weekly basis, monthly average weekly price can be calculated only after month-end closing of the shipment. Therefore, Korean producers apply tentative price and make a settlement on a monthly basis. Import price from Korea is almost the same as average monthly price issued by ICIS, PLATTS and PCI after considering ocean freight and payment term differentials. Domestic market price in Korea is also determined based on international market price. Therefore, dumping by Korea is incorrect.

Submissions made by the Domestic industry

- 18. Submissions made by the domestic industry with regard to Normal value, export price and dumping margin during the course of the investigation and considered relevant by the Authority are as follows:
 - i. With respect to the claim that market prices of crude oil, naphtha, PX and PTA are determined based on international market price and global economy and demand/supply condition are the main factors for price fluctuation, it is submitted that the present investigation is against imports of PTA and therefore the price fluctuations of Paraxylene, being the major raw material and PTA itself are relevant for the present investigation and not other cited factors.
 - ii. With respect to the claim that RIL has the predominant market share and the other producers follow its price, in fact sales volumes of RIL do not constitute predominant position. The responding party concedes that MCPI prices are linked to import prices and not RIL prices. Even RIL prices are linked to import prices.
 - iii. The claim that import price from Korea is almost the same as average monthly price issued by ICIS, PLATTS and PCI, after considering ocean freight and payment term differentials, shows that the Korean producers have followed international prices in exports to India and have not considered their domestic prices and cost of production. Thus if domestic prices are higher and such domestic prices are profitable, it establishes dumping by the Korean producers/exporters.
 - iv. The claim that the domestic market price in Korea is also determined based on international market price does not prove that the exporters are not selling the product in India at dumped prices. If domestic market price in Korea is also the same as the international market price, it implies that the Korean producers are suffering financial losses, considering the prevailing PX prices during the relevant period.

Examination of the Authority

- 19. The submissions made by the interested parties with regard to normal value, export price and dumping margin are addressed by the Authority as follows:
 - i. As regards the contention that due to fluctuation of raw material and PTA prices, the ordinary course of trade (viability/COP) test (80:20) and dumping margin/injury margin should be made on a monthly basis, the Authority has done monthwise analysis.
 - ii. As regards the contention that when sales are made to distributors, exporter incurs less distribution cost and the same should be taken in to account while determining export price, the Authority notes that the data/information furnished by the exporters are yet to be verified and therefore it would be premature to address such claims at this preliminary finding stage.
 - iii. As regards the contention that the subject-goods are exported in packed and bulk forms and therefore cost of different types of packing should be neutralized both in cost of production and domestic sales while applying the viability test, the Authority notes that the normal value and the non-injurious price are determined in terms of the laid down rules and as per prevailing practice in the DGAD.
 - iv. As regards the contention that since market prices of crude oil, naphtha, PX and PTA are determined based on international market price, global economy and demand/supply condition are the main factors for price fluctuation, the Authority notes that the present investigation is against imports of PTA and therefore the price

- fluctuations of Paraxylene, being the major raw material and PTA itself are relevant for the present investigation and not other cited factors.
- v. The opposite interested parties have contended that dumping by Korea is factually incorrect as Korean producers determine sales price on the basis of international prices so as RIL as well as MCPI and IOC, the Authority notes that as per the Anti-dumping Law, actual dumping margin is calculated as the differential between the Normal Value of the subject-goods and the actual export prices of the subject-goods. If the normal value is more than the export price, dumping margin is positive. Thus, international price is not relevant since the dumping margin will be calculated on the basis of the net export price of the respondent co-operative exporters of the subject-countries vis-a-vis their normal value.
- 20. The Authority notes that in the past three years China PR has been treated as a non-market economy country in antidumping investigations by India and other WTO Members. China PR has been treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the Rules.
- 21. As per Paragraph 8 of Annexure I of the Anti-dumping Rules, the presumption of a non-market economy can be rebutted, if the exporter(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub-paragraph (3) of Paragraph 8 and establish the facts to the contrary. The co-operating exporters/producers of the subject-goods from People's Republic of China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Authority to consider the following criteria as to whether:
 - a. the decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
 - b. the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
 - c. such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
 - d. the exchange rate conversions are carried out at the market rate.
- 22. The Authority notes that consequent upon issue of the initiation notification, the following Chinese producers/exporters submitted the market economy questionnaire responses and sought to rebut the non-market economy presumption, which are examined as below:
 - a. Zhejiang Yisheng Petrochemical Co. Ltd.
 - b. Ningbo Hengyi Trading Co. Ltd.
 - c. Yisheng Dahua Petrochemical Co. Ltd.
 - d. Hainan Yeshing Petrochemical Co. Ltd.
- 23. As per the information available in questionnaire responses, the Authority notes that all the above stated respondent companies are related to each other and are involved in the subject-goods. While Zhejinang Yisheng Petrochemical Co. Ltd is a producer and exporter of PTA, the others are stated to be either involved in production/domestic sale/export sale of the subject-goods. In the MET response it has been claimed that the Company is a foreign (co-operative or equity) joint venture and a fully limited liability company. Further, the MET response stated that the other respondent companies in the present investigation namely Yisheng Dahua Petrochemical Co. Ltd. Hainan Yisheng Petrochemical Co. Ltd. and Ningbo Hengyi Trading Co. Ltd. are related companies and involved in the product concerned. Zhejiang Yisheng is a subsidiary of Zhejiang Hengyi, which is wholly owned by Hengyi Petrochemical Co. Ltd. It has been further stated that Mr. Qiu Jianlin is the ultimate owner and actual controller of the stated companies. As stated by the respondent company, the share holders of the company are Zhejiang Hengyi Petrochemical Co. Ltd. (***%), Rongsheng Petrochemical Co. Ltd. (***%), Best Partner International Investment Limited(***%) and Hongkong Sheng Hui Limited(***%). As stated in the response the major raw materials and the utilities are being procured with long term contracts from the State owned Chinese entities. As per the auditor's report furnished by the Company, Zhejiang Yisheng Petrochemical Co. Ltd. was set up in 2003 as a Chinese-foreign joint venture funded by Zhejiang Hengyi Group Co. Ltd. China PR, Rongsheng Chemical Fiber Group Co. Ltd. China PR, and Hong Kong Development Investment Co. Ltd. as per the approval of Ningbo Municipal People's Government. It has been stated that the ultimate parent company of the entire group is Zhejiang Hengyi Group Co. Ltd.
- 24. The Authority notes that the companies have gone through several ownership changes over the years, the details of which have not been furnished by the respondent companies. Further, the ultimate parent company of the entire group is stated to be Zhejiang Hengyi Group Co. Ltd, which has not filed MET response. As per the web based information, the

Authority notes that Zhejiang Hengyi Group Co. Ltd was founded on October 18, 1994. Hengyi's core businesses are PTA (Purified Terephthalic Acid) manufacturing, polyester spinning and chemical fiber elasticizing. Further, Zhejiang Rongsheng Holding Group, which is also a share holder, was established in 1989 and is involved in the subject-goods through its subsidiaries has over 10 subsidiaries, including PTA production bases in Ningbo, Dalian and Hainan. Further, as per the web based information, Yisheng Dahua Petrochemical Co. Ltd, one of the related respondent group companies in the present investigation was set up by Hengyi Group, Rongsheng Group and the State owened enterprise Dahua Group.

25. The Authority has taken cognizance of the information provided by the respondent Chinese companies who have filed MET response with which they sought to rebut the presumptions as mentioned in para 8 of Annexure 1 of the Antidumping Rules and Non-Market Economy questionnaire sent to them regarding grant of market economy status to their company. However, the responding companies have failed to provide sufficient evidence to establish their market economy claim. Pending examination of the issues regarding ownership and control, its impact on the cost and prices and business decisions of the company, transformation of ownership from time to time, evaluation of assets, land use rights, the Authority is of the view that all these producers- exporters from China PR cannot be granted market economy status for the preliminary determination of its Normal Value. The Authority further notes that the responding companies have not provided sufficient details in their response in respect of their Holding/group companies and other relevant information to establish their market economy claim. In view of the above position, the Authority does not grant market economy treatment to the above stated respondent Chinese companies for the purpose of preliminary findings pending verification.

G. Determination of Normal Value

Determination of Normal Value for producers and exporters in China PR

- 26. The Authority notes that none of the producers/exporters from China PR have been found to be operating under market economy condition for determination of normal value in China in terms of Para-6 of Annexure-1 to the Rules. Under the circumstances, the Authority is not in a position to apply Para 8 of Annexure 1 to the Rules to the above named Chinese companies and the Authority has to proceed in accordance with Para 7 of Annexure I to the Rules.
- 27. Paragraph-7 of the Annexure-1 to the Anti-dumping Rules provides as follows:

"In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin".

- 28. According to these Rules, the normal value in China PR can be determined on any of the following basis:
 - a) On the basis of the price in a market economy third country, or
 - b) The constructed value in a market economy third country, or
 - c) The price from such a third country to other countries, including India.
 - d) If the normal value cannot be determined on the basis of the alternatives mentioned above, the Designated Authority may determine the normal value on any other reasonable basis including the price actually paid or payable in India for the like product duly adjusted to include reasonable profit margin.
- 29. The Authority notes that for determination of normal value based on third country cost and prices, the complete and exhaustive data on domestic sales or third country export sales, as well as cost of production and co-operation of such producers in third country is required. No such information with regard to prices and costs prevalent in these markets have been provided either by the applicant or by the responding exporters, nor any publicly available information could be accessed, nor the responding Chinese companies have made any claim with regard to an appropriate market economy third country at this stage. Pending further examination of the issues, for the purpose of preliminary determination, the Authority proceeds to construct the normal value based on any other reasonable basis.
- 30. The Authority proceeds to provisionally determine the Normal value for China PR on available facts basis in terms of second proviso of Para 7 of Annexure 1 to the Anti-dumping Rules. Accordingly, the ex-works Normal Value of the product under consideration has been determined based on constructed costs of production, duly adjusted to include selling, general & administrative costs and profits. The normal value so determined provisionally is *** US\$/MT.

Determination of Normal Value for producers and exporters in Korea RP, Thailand and European Union (EU)

Determination of Normal Value for producers and exporters in Korea RP

31. Under section 9A (1) (c), the normal value in relation to an article means:

- (i) The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article, when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6), or
- (ii) When there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either:
 - (a) Comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under subsection (6); or
 - (b) The cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section(6):

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of exporter there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

Korea RP

- 32. The following producers/exporters from Korea RP have filed exporter's questionnaire response:
 - a. Samsung Petrochemical Co. Ltd. Korea RP now known as Samsung General Chemicals Co. Ltd. (producer) and Samsung C&T Corporation, Korea RP (exporter).
 - b. SK Petrochemical Inc, Korea RP (producer) along with Mitsubishi Corporation, Japan (exporter)
 - Hyosung Corporation, Korea RP
 - d. Taekwang Industrial Co. Ltd. Korea RP

Samsung Petrochemical Co. Ltd. Korea RP now known as Samsung General Chemicals Co Ltd

33. Vide letter dated 20th May, 2014 it has been informed on behalf of M/s. Samsung Petrochemical Co. Ltd. Korea RP that the said company has been merged with Samsung General Chemical Co. Ltd. Korea RP and consequent upon the merger, Samsung General Chemical Co. Ltd. Korea RP will now become a producer of the subject goods. It has been further requested that to replace the name of Samsung Petrochemical Co. Ltd. with Samsung General Chemical Co. Ltd. in the records of the Authority. In the exporters questionnaire response the Company declared that they have only one channel of domestic sale and sold the subject goods in the domestic market directly to the customers in the POI. The Authority has provisionally accepted the profit making domestic sales after the adjustments claimed by the exporter pending verification, as the basis for determining normal value in terms of the relevant provisions under the Rules. The normal value so determined for the Company works out to US\$ *** per MT.

Taekwang Industrial Co. Ltd. Korea RP

34. In the exporters questionnaire response the Company declared that during the POI they had three channels of sales in domestic market viz; direct sales to unrelated end user, direct sales to related end user and indirect sales through unrelated domestic trader. As regards export sales to India during the POI, the Company declared that they have made exports directly and a small volume (*** MT) through unrelated foreign traders. The Authority notes that there is wide variation in the profit making domestic selling prices reported by Taekwang Industrial Co. Ltd. with the profit making domestic selling prices reported by other co-operative exporter from Korea. In view of the above, the Authority has provisionally determined the normal value based on facts available pending verification of the data submitted by the exporter. Accordingly, the normal value determined works out to US\$ *** per MT.

SK Petrochemical Inc, Korea RP.

35. In the exporters questionnaire response the Company declared that they have only one channel of domestic sale and sold the subject goods in the domestic market directly to the customers in the POI. It has been further declared that the Company sold the product concerned in the domestic market to both end-users and distributors; however, there is no difference in sales process depending on the class of the customer. From the exporters questionnaire response the Authority notes that the Company has exported substantial volume of the subject goods to India during the POI through two other companies namely Mitsubishi Corporation, Japan and Hyosung Corporation, Korea RP and its related trading Company namely Hyosung Trading PG, Korea RP. While Mitsubishi Corporation, Japan has filed exporters questionnaire response through whom only *** MT of subject gods were exported, Hyosung Trading PG, Korea RP through whom *** MT of subject goods were exported with the Authority and did not file exporters

questionnaire response in the present investigation. Consequently, in the absence of the complete value chain in respect of substantial volume of exports of subject goods made by SK Petrochemical Inc. Korea RP to India during the POI, the Authority is not in a position to determine and grant individual margins to Company. Under the above stated circumstances, determination of normal value concerning SK Petrochemical Inc. Korea RP is not considered to be relevant. In view of this position, for the purpose of this preliminary finding the Authority does not determine individual normal value for M/s. SK Petrochemical Inc. Korea RP based on the information provided by the Company. Further, post-POI, SK Petrochemical Inc. Korea RP informed that they have stopped production of the subject goods and expressed to opt out of the present investigation.

M/s. Hyosung Corporation, Korea RP

- 36. In the exporters questionnaire response the Company declared that during the POI they had two channels of sales in domestic market viz; sales made directly to unrelated domestic end-users and sales made to distributors. From the exporters questionnaire response the Authority notes that the Company has made exports to India during the POI through three channels:
 - a. Direct exports of self produced subject goods,
 - b. Exports of self produced subject goods through unrelated traders namely Mitsui & Co. Korea RP,
 - **c.** Exports of subject goods produced by other producers namely SK Petrochemical, Lotte Chemical and Samnam Petrochemical through its related trading company namely Hyosung Trading PG.
- 37. While exporters questionnaire response has been filed by Hyosung Corporation, Korea RP for exports of self produced subject goods directly made by them, exporters questionnaire response has not been filed by its related trading company namely Hyosung Trading PG through which channel substantial volume of the subject goods produced by other producers have been exported to India during the POI. Further, Mitsui & Co. Korea RP through whom Hyosung Corporation, Korea RP has also exported the subject goods to India during the POI has not filed exporters questionnaire response. Consequently, in the absence of the complete value chain in respect of substantial volume of exports of subject goods made by Hyosung Corporation, Korea RP and its related trading arm M/s. Hyosung Trading PG and other involved producers/traders to India during the POI, the Authority is not in a position to determine and grant individual margins to the respondent Company. Under the above stated circumstances, determination of normal value concerning Hyosung Corporation, Korea RP is not considered to be relevant. In view of this position, for the purpose of this preliminary finding the Authority does not determine individual normal value for Hyosung Corporation, Korea RP based on the information provided by the Company.

Normal Value for Non Cooperative exporters

38. The Authority notes that no other exporter/producer from Korea RP has responded to the Authority in present investigation. For all the non-cooperative exporters/producers in Korea RP, the Authority determines the normal value provisionally on the basis of best available information as *** US \$/MT.

Determination of Normal Value for producers and exporters in Thailand

- 39. The following related producers/exporters from Thailand have filed exporter's questionnaire response.
 - a. Indorama Petrochem Ltd., Thailand
 - b. TPT Petrochemicals Public Limited, Thailand

Indorama Petrochem Ltd, Thailand

40. In the exporters questionnaire response the Company declared that during the POI they had only direct sales in domestic market sold on contract basis and on spot basis. The Authority has provisionally accepted the profit making domestic sales after the adjustments claimed by the exporter as the basis for determining normal value in terms of the relevant provisions under the Rules and provisionally determined the normal value for the Company as US \$ *** per MT.

TPT Petrochemicals Public Limited, Thailand

41. In the exporters questionnaire response the Company declared that during the POI they had only direct sales in domestic market sold on contract basis and on spot basis. The Authority has provisionally accepted the profit making domestic sales after the adjustments claimed by the exporter as the basis for determining normal value in terms of the relevant provisions under the Rules and provisionally determined the normal value for the Company as US \$ *** per MT.

Normal Value for Non Cooperative exporters

42. The Authority notes that no other exporter/producer from Thailand has responded to the Authority in present investigation. For all the non-cooperative exporters/producers in Thailand, the Authority provisionally determines the normal value on the basis of best available information as US \$ *** per MT.

Determination of Normal Value for producers and exporters in European Union (EU)

43. The Authority notes that no exporter/producer from European Union has responded to the Authority in the present investigation. Therefore, for all the exporters/producers in European Union, the Authority provisionally determines the normal value on the basis of best available information as US \$*** MT.

EXPORT PRICE

China PR

Determination of Export Price for Exporters in China PR

- 44. M/s. Zhejiang Yisheng Petrochemical Co. Ltd., China PR and its related trading company M/s. Ningbo Hengyi Trading Co. Limited, China PR have filed exporter questionnaire response. While Zhejiang Yisheng Petrochemical Co. Ltd. China PR is a producer of subject goods which has exported subject goods to India during the POI, the related trading Company M/s. Ningbo Hengyi Trading Co. Limited, China PR is stated to be involved only in domestic sales of the subject goods.
- 45. From the exporters questionnaire response filed by Zhejiang Yisheng Petrochemical Co. Ltd. the Authority notes that the Company is a major producer having about *** Million Ton annual capacity for the production of the subject goods. But, despite having such huge capacity, the Company has claimed to have made only *** transactions constituting *** MT of exports of subject goods to India during the POI and that too only in one month in the entire POI at an average FOB price of US \$ *** per MT. From the above position, the Authority notes that the export made by the Company is too insignificant to be considered for grant of individual margins. The Authority therefore does not consider the exports made by Zhejiang Yisheng Petrochemical Co. Ltd. China PR for determination of net export price as well as individual margins.
- 46. Therefore, the Authority has provisionally determined the net export price for all the exporters from China PR as per facts available in terms of Rule 6(8) of the Rules as US \$ ***per MT.

Korea RP

Samsung Petrochemical Co. Ltd. Korea RP now known as Samsung General Chemicals Co. Ltd. (producer) and Samsung C&T, Korea RP (exporter)

47. In the exporters' questionnaire response, M/s Samsung Petrochemical Co. Ltd. Korea RP (now known as Samsung General Chemical Co Ltd) has claimed to have exported subject goods to India through its related Company namely M/s Samsung C&T, Korea RP and Mitsubishi Corporation, Japan. From the information provided in the exporters questionnaire response, the Authority notes that Samsung Petrochemical Co. Ltd. Korea RP exported ***MT of subject goods to India during the POI through Samsung C&T, Korea RP at an average price of US \$ ***per Mt and *** MT through Mitsubishi Corporation, Japan. While M/s Samsung C&T, Korea RP has filed exporters' questionnaire response, Mitsubishi Corporation, Japan has not filed exporters' questionnaire response. The Authority notes that the exports made through Mitsubishi Corporation, Japan is insignificant and therefore determined the net export price for Samsung Petrochemical Co. Ltd. Korea RP (now known as Samsung General Chemicals Co. Ltd.) (producer) and Samsung C&T, Korea RP (exporter) excluding the exports made through Mitsubishi Corporation, Japan. The Authority has made adjustments as claimed by the producer and the exporter in their questionnaire responses with the exception of duty drawback pending verification in order to arrive at the net export price at ex-factory level. Accordingly, the net export price at ex-factory level for Samsung Petrochemical Co. Ltd. Korea RP (now known as Samsung General Chemicals Co. Ltd.) (producer) and Samsung C&T, Korea RP (exporter) has been provisionally determined as US \$ ***per MT.

Taekwang Industrial Co. Ltd. Korea RP

48. In the exporters questionnaire response the Company declared that during the POI they made exports to India directly as well as a small volume (***MT) through unrelated foreign traders. Considering the said exports as insignificant, the Authority determined the net export price for the Company by excluding the same exports. In the exporters' questionnaire response, Taekwang Industrial Co. Ltd. Korea RP has claimed to have exported *** MT of subject goods directly to India during POI at an average CIF price of US\$ *** per MT. The Authority made adjustments as claimed by

the exporter in their response to the questionnaire with the exception of duty drawback pending verification in order to arrive at the net export price at ex-factory level. Accordingly, the net export price at ex-factory level for Taekwang Industrial Co Ltd, Korea RP has been provisionally determined as US\$ *** per MT.

SK Petrochemical Inc, Korea RP.

49. From the exporters questionnaire response the Authority notes that the Company has exported substantial volume of the subject goods to India during the POI through two other companies namely Mitsubishi Corporation, Japan and Hyosung Corporation, Korea RP and its related trading Company namely Hyosung Trading PG, Korea RP. While Mitsubishi Corporation, Japan has filed exporters questionnaire response through whom only *** MT of subject gods were exported, Hyosung Trading PG, Korea RP through whom *** MT of subject goods were exported have not cooperated with the Authority and did not file exporters questionnaire response in the present investigation. Consequently, in the absence of the complete value chain in respect of substantial volume of exports of subject goods made by SK Petrochemical Inc. Korea RP to India during the POI, the Authority does not determine net export price and does not grant individual margins to SK Petrochemical Inc, Korea RP. Further, post-POI, SK Petrochemical Inc. Korea RP informed that they have stopped production of the subject goods and expressed to opt out of the present investigation.

M/s Hyosung Corporation, Korea RP

- 50. From the exporters questionnaire response the Authority notes that the Company has made exports to India during the POI through three channels:
 - a. Direct exports of self produced subject goods,
 - b. Exports of self produced subject goods through unrelated traders namely Mitsui & Co, Korea RP,
 - c. Exports of subject goods produced by other producers namely SK Petrochemical, Lotte Chemical and Samnam Petrochemical through its related trading company namely Hyosung Trading PG.
- 51. While exporters questionnaire response has been filed by Hysoung Corporation, Korea RP for exports of self produced subject goods directly made by them, exporters questionnaire response has not been filed by its related trading company namely Hyosung Trading PG through which channel substantial volume of the subject goods produced by other producers have been exported to India during the POI. Further, Mitsui & Co, Korea RP through whom Hysoung Corporation, Korea RP has also exported the subject goods to India during the POI has not filed exporters questionnaire response. Consequently, in the absence of the complete value chain in respect of substantial volume of exports of subject goods made by Hysoung Corporation, Korea RP and its related trading arm M/s Hyosung Trading PG and other involved producers/traders to India during the POI, the Authority does not determine net export price and does not grant individual margins to Hysoung Corporation, Korea RP.

Non-cooperative Exporters From Korea RP

52. In respect of all other exporters from Korea RP who are treated to be non-cooperative, the Authority provisionally determined their net export price as per facts available in terms of Rule 6(8) of the Rules as US\$ *** per MT.

Thailand

- 53. The following related producers/exporters from Thailand have filed exporter's questionnaire response.
 - c. Indorama Petrochem Ltd, Thailand
 - d. TPT Petrochemicals Public Limited, Thailand

Indorama Petrochem Ltd. Thailand

54. In the exporters questionnaire response the Company declared that during the POI they had made only direct exports to India to their related Indian Company namely M/s Indo Rama Synthetics (I) Ltd. The Company has reported total exports of *** MT of subject goods to India during POI at an average price of US\$ *** per Mt. The Authority made adjustments as claimed by the exporter with the exception of export incentive pending verification in order to arrive at the net export price at ex-factory level and determined the same at *** US\$ per Mt.

TPT Petrochemicals Public Limited, Thailand

55. In the exporters questionnaire response the Company declared that during the POI they had made only direct exports to India to their related Indian Company namely M/s Indo Rama Synthetics (I) Ltd. The Company has reported total exports of *** MT of subject goods to India during POI at an average price of *** US\$ per Mt. The Authority made adjustments as claimed by the exporter with the exception of export incentive pending verification in order to arrive at the net export price at ex-factory level and determined the same at *** US\$ per Mt.

Non-cooperative Exporters From Thailand

56. In respect of all other exporters from Thailand who are treated to be non-cooperative, the Authority provisionally determined their net export price as per facts available in terms of Rule 6(8) of the Rules as US\$ *** per MT.

Determination of Export Price for Exporters in European Union (EU)

57. The Authority notes that no exporter/producer from European Union has filed exporter's questionnaire response in the present investigation. Therefore, for all the exporters from European Union, the Authority provisionally determined their net export price as per facts available in terms of Rule 6(8) of the Rules as US\$ 990.75 per MT.

DUMPING MARGIN

58. Considering the Normal Values and Net Export Prices determined above, the Dumping Margins are calculated as below:

N	Channel of Export	Name of producer	Exporter	Normal value US/MT	Net Export price US\$/MT	Dumping margin US\$/MT	Dumping margin %	Dumping margin Range%
				ina PR				
1	Any	All Producers	All Exporters	***	***	***	***	15-25
				Korea RP				
2	Korea RP- India	Samsung General Chemical Co. Ltd.	Samsung C&T	***	***	***	***	0-10
3	Korea RP- India	Taekwang Industrial Co. Ltd.	Taekwang Industrial Co Ltd,	***	***	***	***	5-15
4	Any	All Other Producers	All Other Exporters	***	***	***	***	10-20
				Thailand				
5	Thailand - India	Indorama Petrochem Ltd.	Indorama Petrochem Ltd.	***	***	***	***	0-10
6	Thailand - India	TPT Petrochemicals Public Limited	TPT Petrochemic als Public Limited	***	***	***	***	0-10
7	Any	All Other producers	All Other Exporters	***	***	***	***	20-30
	<u> </u>		H	European Uni	on			
8	Any	All Producers	All Exporters	***	***	***	***	10-20

H. INJURY AND CAUSAL LINK

Submissions made by Exporters, Importers, Users and other Interested Parties

- 59. The following submissions with regard to injury and causal link have been made by the opposite interested parties and considered relevant by the Authority:
 - a. The price of IOCL, one of the domestic producers of the subject goods which have not supported the petition, is lower than the other domestic producers by 4-10%. But, IOCL has not claimed decline in profits due to imports in its annual report.
 - b. The domestic industry has not established potential decline in various factors.
 - c. The allegation that there is an absolute increase in volume of imports as compared to 2009-10 is erroneous. 2009-10 was a time of global recession and any analysis with the same as base year, is inaccurate.
 - d. The volume of imports has decreased over 2010-11, 2011-12 and the POI. The percentage of imports in relation to production as well as consumption has undergone a sharp decline over the years.
 - e. The domestic industry cannot claim injury due to volume effect because it is inevitable that there will be imports when the domestic industry is operating at maximum capacity but still cannot fulfill the demands of the market.

- f. The landed value of imports has exhibited a consistent and substantial increase.
- g. The sales and production of the domestic industry have undergone a substantial increase.
- h. MCPI has claimed technical problems in their plant in the letter to the Ministry of Environment, as a result of which, the plant couldn't operate properly. Because of this, they got benefit of reduced export obligation. The applicant cannot make different claims before different statutory authorities to reap benefits. RIL and IOC operated PTA facility at full capacity but MCPI could not normalize its production because of technology problem.
- The other domestic producers' plants are operating at more than 100% capacity. Therefore, the claim of low capacity utilization due to imports is incorrect.
- j. From 2010-11 onwards, the market share of imports has declined substantially.
- k. Increase in sales from 2011-12 to POI is more than the increase in production for the same period. In which case, the fact that inventories have increased is contradictory to the same.
- There is no adverse impact on productivity. Employment has undergone an increase. The slight decrease is due to the MCPI plant having technical problems. Wages paid have also increased.
- m. Substantially high capacity expansions by the domestic industry are inconsistent in light of injury claims.
- Fixation of prices by domestic producers of PTA is based on reference price which is CFR CMP reported by ICIS or CFR China reported by Platts and is independent of imports.
- o. Applicants, though not subject to customs duty, are charging the same at 5.583% of the reference price. Further as prices are at USD, they are getting unjustified benefit of steep depreciation of rupee.
- p. MPCL is suffering due to shortage of PX. And that cannot be attributed to imports. Price of PX has increased but that of Naphtha did not increase at the same rate. However, the increase in price of Naphtha was commensurate with increase in price of PTA. Two of the three domestic producers produces PX from Naphtha and consume it to produce PTA. Therefore actual cost of production should be taken for PX and not any notional price for determination of cost of production, NIP, profits/loss, and return.
- q. There is absolute decline in imports from Thailand and marginal increase in imports from Korea. Therefore Imposition of ADD by China has not affected the behavior of the exporters.
- r. The depressed increase in demand is due to the fact that certain users have shifted to use of recycled material such as PET bottles which is a substitute of fresh PTA.
- s. Exchange rate considered by Domestic industry is 54 whereas as per RBI current exchange rate is 62.88. If prevailing exchange rate is considered, the level of price undercutting and price underselling would be eliminated.
- t. Annex II (iv) of Anti-dumping Rules requires 'separate identification' of specific injury related data since there are only three domestic producers and each producer has a different production process.
- u. 66% of RIL's PTA production is captively consumed and does not compete with imports.
- All economic parameters (including price undercutting, underselling, depression and suppression) should be examined on monthly basis due to wide fluctuation in price and cost.
- w. In the context of price suppression/depression, there is a significant difference between the costs of RIL and MCPI and simple cumulation of COP will distort the analysis.
- x. Due to the PX PTA delta decreasing, MCPI incurred losses but RIL and IOC achieved profits. The petitioners claim that the PX-PTA delta should be at least \$150/MT for foreign producers to survive. However, MCPI's PX-PTA delta (unit PTA production cost-unit PX cost) is 253-279 \$/MT. This shows MCPI cannot compete with foreign producers unless it reduces its costs.
- y. RIL made significant profit in PX division but losses in PTA division. RIL treats PX production as a separate profit centre and transfers cost of PX to PTA at cost plus or market price basis. This results in inflating the actual cost of PTA.
- None of the economic parameters show injury except facility utilization, profitability and inventory buildup.
- aa. MCPI increased actual production by more than 100% during the POI as compared with the base year.
- bb. RIL and IOC have achieved best capacity utilizations in the POI. Therefore, claims of decline in capacity utilization on the basis of the average of the three producers are misleading.
- cc. RIL in Annual Report admitted the petrochemical sector realized 11.2% and 8.2% of operating profit which were significantly above company-wide profit.
- dd. According to Annex I (1) of the Rules, elements of cost shall be determined based on records kept by RIL, such records should be kept according to Indian GAAP and reasonably reflect the cost of production and sales. Costs should be reconciled to the audited financial statements of RIL.
- ee. IOC's Annual Report shows profitability of the petrochemical sector improved from loss to profit in the POI. IOC realized profits since it produces and uses PX.

- ff. RIL has provided complete volume information with regard to captive consumption. RIL has not provided information for each market segment merchant and captive.
- gg. Mitsubishi Corporation and Samsung Korea entered into a contract on 1st November, 2012 to purchase/sell 4000-5000 MT of PTA every month. The entire quantity of PTA under this contract was destined to the Indian market
- hh. Paraxylene (PX) is the main feedstock for manufacture of PTA, there has been significant addition in PTA capacity. During the period 2009-10 to 2012-13, the capacity addition in PX production has trailed. The lack of capacity addition and supply of PX has driven the prices of PX which in turn have raised the cost of production of PTA. The pressure on the sales price of PTA is on account of oversupply of PTA, therefore, creating pressures on margin of the manufacturers.

Submissions made by domestic industry

- 60. The following submissions with regard to injury and causal link have been made by the domestic industry and considered relevant by the Authority:
 - a. With respect to the argument that the domestic industry has not established potential decline in various factors, the Authority is examining the actual position of the domestic industry and it is only if this shows no injury then the potential factor becomes relevant.
 - b. The fact that the base year was during the recession is irrelevant as the claim of injury is based on price and not volume parameters. Further, imports in 2009-10 were in fact significantly higher as compared to preceding year.
 - c. The import volume has declined after 2010-11 because of commencement of production at the new capacities installed by MCPI. However, the performance of the domestic industry materially deteriorated in respect of profits, cash flow and return on investment after 2010-11.
 - d. With respect to the domestic industry not being able to meet demand even while operating at full capacity, the domestic industry has claimed adverse price effect of dumping.
 - e. While import prices have increased, as claimed by the responding party, the increase in the CIF and landed price of import is far lower than the increase in raw material cost and there is price suppression.
 - f. With respect to the argument that the sales and production of the domestic industry have undergone a substantial increase, the domestic industry has claimed price and not volume injury.
 - g. With respect to the argument that MCPI has claimed technical problems in their plant in the letter to the Ministry of Environment, the domestic industry has claimed price and not volume injury.
 - h. With respect to the argument that the other domestic producers' plants are operating at more than 100% capacity and so low capacity utilization cannot be claimed, the domestic industry has claimed price and not volume injury.
 - With respect to the argument that from 2010-11 onwards, the market share of imports has declined substantially, the domestic industry has claimed price and not volume injury.
 - j. The responding party claimed that increase in sales from 2011-12 to POI is more than the increase in production for the same period and so inventories cannot have increased. The domestic industry has claimed price and not volume injury. Further, increase in sales of the domestic industry was lower than increase in production, which led to increase in inventories.
 - k. With respect to productivity, employment and wages, the petitioners have not claimed injury on account of these. Further, the rules don't specify that injury be in respect of all parameters.
 - 1. With respect to capacity expansions by the domestic industry, these were made with a long term outlook.
 - m. The responding party argued that the applicants, though not subject to customs duty, are charging the same at 5.583% of the reference price and that, as prices are at USD, they are getting unjustified benefit of steep depreciation of rupee. This shows that the pricing mechanism followed by the domestic industry is based on import parity. Further the depreciation of the rupee would also have impacted the cost of production. It is established practice of the authority to proceed with determination based on exchange rate prevailing during period of investigation.
 - n. Since imports from Malaysia were below prescribed limits during the investigation period, the issue of a relationship between one of the petitioners and a Malaysian exporter becomes irrelevant.
 - o. MPCL is not suffering due to shortage of PX, as claimed by the responding party. This would have caused adverse volume effects, which have not been claimed by the domestic industry.
 - p. With respect to the issue of absolute decline in imports from Thailand and marginal increase in imports from Korea, the domestic industry requested that a cumulative assessment be made of the effect of all subject country imports on the domestic industry. Decline in imports from Thailand is due to increase in imports from Korea.
 - q. With respect to the argument that there has been a depressed increase in demand due to a shift to recycled material such as PET bottles, there has been no contraction of demand or change in the pattern of consumption that has affected the domestic industry.

- r. With respect to the claim that as per RBI current exchange rate is 62.88, the exchange rate during the POI was 55.67, which was what was adopted by the domestic industry.
- s. With respect to the Designated Authority seeking information from Central Excise Commissionerate regarding reporting of losses, this is not required of the Authority under the Anti-dumping Rules.
- t. The responding party has incorrectly interpreted the Annex II (iv) of Anti-dumping Rules requirement of 'separate identification'. Annexure II (iv) provides for a situation where information concerning the production of the like product, such as producers' profits and sales, cannot be separately identified. Annexure II(iv) allows the authority to consider information concerning production of a broader product group than the like product produced by the domestic industry, which includes the like product, in evaluating the effect of imports. It does not deal with the separate injury analysis of different producers.
- u. The claim that 66% of RIL's PTA production is captively consumed and does not compete with imports does not justify a separate analysis. RIL has already provided information including and excluding captive production.
- v. With respect to the argument that due to the PX PTA delta decreasing, MCPI incurred losses but RIL and IOC achieved profits, decline in profits is also considered injury.
- w. The argument that because the domestic industry's market share is more than 80%, Korea producers cannot lead market price in India contradicts the previous argument that international prices were followed.
- x. The argument that cumulating cost of production of RIL and MCPI cannot be done as it will distort analysis cannot be accepted since the performance of the domestic industry as a whole has to be considered.
- y. The claim that MCPI's PX-PTA delta is 253-279 \$/MT which shows MCPI cannot compete with foreign producers unless it reduces its costs is factually incorrect.
- z. The claim that RIL made significant profit in PX division but losses in PTA division contradicts the previous claim that RIL's costs are low and MCPI is suffering injury. The Authority should consider captive inputs at their market prices.
- aa. With respect to some parameters not showing injury, adverse effect of dumping on the domestic industry is in respect of parameters such as price undercutting, price suppression/depression, inventories, profit, cash flow and return on investment.
- bb. With respect to inventories, the domestic industry was faced with rising inventories despite significant demandsupply gap.
- cc. With respect to the argument that RIL and IOC operated PTA facility at full capacity but MCPI could not normalize its production because of technology problem, volume injury has not been claimed in the present case.
- dd. With respect to the argument that MCPI increased actual production by more than 100% during the POI as compared with the base year, volume injury has not been claimed in the present case. Despite such increase in production, profits of the domestic industry steeply declined.
- ee. The responding party has argued that RIL and IOC have achieved best capacity utilizations in the POI so averaging capacity utilization of the three producers is misleading. Volume injury has not been claimed in any case.
- ff. The responding party has claimed that RIL in Annual Report admitted the petrochemical sector realized 11.2% and 8.2% of operating profit which were significantly above company-wide profit. The injury to the domestic industry is claimed for the product concern and not for the sector as a whole.
- gg. With respect to the information provided by RIL, the company has provided information as per the records kept by the company.
- hh. The responding party claimed IOC's Annual Report shows profitability of the petrochemical sector improved from loss to profit in the POI and the realized profits since it produces and uses PX. The injury to the domestic industry is claimed for the product concern and not for the sector as a whole. Further, such injury is required to be seen for domestic industry and not for IOCL.
- ii. The responding party has stated that there was no sharp increase in subject imports. Injury to the domestic industry is because of price undercutting, price suppression/depression caused by the imports.

Examination of the Authority

- 61. The submissions made by the domestic industry and other interested parties during the course of investigations with regard to injury and causal link and considered relevant by the Authority are examined and addressed as below:
 - a. As regards the submission that price of IOCL, who have not supported the petition, is lower than the other domestic producers by 4-10%, the Authority notes that IOCL has neither supported nor opposed the applicants in the present investigation and therefore cannot be construed as domestic industry under the Anti-dumping Rules. The applicant domestic producers in the present investigation i.e. MCPI and RIL constitute domestic industry under the Anti-dumping Rules. Therefore, in terms of the provisions laid down under the Anti-dumping Rules, the Authority is required to investigate and determine injury in respect of the domestic industry only.

- b. As regards the submission that MCPI suffered technical problems in their plant which is the real cause of injury, the Authority notes that it is a fact that MCPI suffered technical problems in their plant, but that cannot be interpreted as the only cause of injury. Moreover, the domestic industry has claimed adverse price effect of the imports from the subject countries and not volume effect.
- c. As regards the submission that fixation of prices by domestic producers of PTA is based on reference price which is CFR CMP reported by ICIS or CFR China reported by Platts and is independent of imports, the Authority notes that the prices announced by such sources do act as a benchmark for the domestic producers while determining their domestic selling prices. However, under the Anti-dumping Rules, for establishing injury and causal link, what is relevant is the actual landed price from the subject countries, which compared with the non-injurious price of the domestic industry, forms the basis for determination of injury margin.
- d. As regards the submission that applicants, though not subject to customs duty, are charging the same at 5.583% from the customers while selling the subject goods in the domestic market, the Authority notes that as stated by the domestic industry, such pricing mechanism followed by the domestic industry is based on import parity.
- e. As regards the submission that unlike other domestic producers MPCL is suffering due to shortage of PX and therefore actual cost of production should be taken for PX from the stage of Naphtha and not any notional price for determination of cost of production, NIP, profits/loss, and return, the Authority notes that claimed injury to the domestic industry is not on account of volume effect. Therefore, shortage of major raw materials impacting production of subject goods by the domestic industry is not relevant. The Authority further notes that PX and not Naphtha is a major raw material for the subject goods.
- f. As regards the submission that certain users of PTA Chips have shifted to use of recycled material such as Poly Ethylene Terephthalate (PET) bottles which is a substitute of fresh PTA, the Authority notes that such argument is baseless as there is no contraction in demand for the subject goods.
- g. As regards the submission that exchange rate considered by Domestic industry is 54 whereas as per RBI current exchange rate is 62.88, the Authority notes that the exchange rate prevailing during the POI is only relevant for the investigation.
- h. As regards the submission that separate injury analysis is required for each domestic producer as they have different production processes, the Authority notes that as per the Anti-dumping Rules injury is required to be determined for the domestic industry as a whole.
- As regards the submission that 66% of RIL's PTA production is captively consumed and does not compete
 with imports, the Authority notes that the injury analysis is required to be done as per the Anti-dumping
 Rules for both merchant a well as captive markets.
- j. As regards the submission that all economic parameters (including price undercutting, underselling, depression and suppression) should be examined on monthly basis due to wide fluctuation in price and cost, the Authority notes that dumping margin and injury margin are determined on monthly basis.
- k. As regards the submission that due to the PX-PTA delta decreasing, MCPI incurred losses but RIL and IOC achieved profits, the Authority notes that cost of production of subject goods produced through different technologies may differ, but that does not mean that the handicap suffered by MCPI due to manufacturing the subject goods from the stage of PX is the sole cause of injury. Moreover, RIL is also faced with declining profits in the subject goods.
- As regards the submission that RIL treats PX production as a separate profit centre and transfers cost of PX to PTA at cost plus or market price basis inflating the actual cost of PTA, it is noted that the Authority has determined NIP for the domestic industry as per Annexure III of the Rules and as per consistent practice in the DGAD.
- m. As regards the submission that the pressure on the sales price of PTA is on account of oversupply of PTA, thereby creating pressures on margin of the manufacturers, the Authority notes that the domestic industry has not claimed injury on account of volume effect of imports.

Cumulative Assessment

- 62. Annexure II para (iii) of the Anti-dumping Rules provides that in case where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigations, the Authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that:
 - a. the margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent (or

- more) of the import of like article or where the export of individual countries is less than three percent, the imports collectively account accounts for more than seven percent of the import of like article and
- Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.

63. The Authority notes that:

- (a) The subject goods are being dumped into India from subject countries. The margins of dumping from each of the subject countries are more than the *de minimis* limits prescribed under the Rules.
- (b) The volume of imports from each of the subject countries is individually more than 3% of total volume of imports.
- (c) Cumulative assessment of the effects of imports is appropriate as the exports from the subject countries directly compete with the like articles offered by the domestic industry in the Indian market.
- 64. In view of the above, the Authority considers that it would be appropriate to assess injury to the domestic industry cumulatively from exports of the subject goods from the subject countries.
- 65. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, ".... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles...." In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the Anti-dumping Rules.

Volume Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry

(a) Demand and market share

66. Authority has defined, for the purpose of the present investigation, demand or apparent consumption of the product in India as the sum of domestic sales of the Indian Producers and imports from all sources. The demand so assessed is given in the table below:

Particulars	Units	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Demand	MT	3,464,251	3,952,359	3,886,084	4,098,329
Indexed	Trend	100	114	112	118
Imports from Subject Countries	MT	320,235	625,770	526,784	595,325
Indexed	Trend	100	195	164	186
Import From Other Countries	MT	161,887	118,818	77,786	54,464
Indexed	Trend	100	73	48	34
Sale of Domestic Industry (Including captive	MT	2.454.120	2.7(0.771	2 720 514	2.007.540
consumption)	MT	2,454,129	2,760,771	2,739,514	2,906,540
Indexed	Trend	100	112	112	118
Sale of Other producers	MT	528,000	447,000	542,000	542,000
Indexed	Trend	100	85	103	103

(i) Market Share in Demand

67. Considering imports from various sources and sales of the domestic industry, market share of subject imports in demand in India was examined. The Authority notes that share of domestic industry has remained static despite increase in demand, whereas share of dumped imports from subject countries increased substantially during the POI as compared to the base year.

Particulars	Units	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Import from Subject Countries	%	9	16	14	15

[भाग I-खण्ड 1] भारत का राजपत्र : असाधारण 79

Import from Other Countries	%	5	3	2	1
Sale of Domestic Industry	%	71	70	70	71
Sale of Other producers	%	15	11	14	13

Import volume and market share

68. The volume of imports of the subject goods from the subject countries is as under:-

Particulars		Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Volume	Subject Countries	MT	320,235	625,770	526,784	595,325
	Other countries	MT	161,887	118,818	77,786	54,464
	Total imports	MT	482,122	744,588	604,570	649,789
Market Share in	Subject Countries	%	66	84	87	92
Imports	Other countries	%	34	16	13	8

69. It is observed from the above table that imports from subject countries increased significantly during the POI as compared to the base year.

Share of imports in relation to production

70. Authority notes that the imports from subject countries have increased in relation to the production of the domestic industry, as is evident from the following table:

Particulars	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Imports from Subject Countries	MT	320,235	625,770	526,784	595,325
Production of domestic industry	MT	2,454,835	2,754,659	2,753,708	2,931,680
Imports in relation to production of domestic industry.	%	13	23	19	20

(e) Capacity and capacity utilization

71. Capacity and capacity utilization of the domestic industry over the injury period is given in the following table:-

Particulars	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Capacity MT	MT	2,595,000	3,420,000	3,420,000	3,420,000
Production	MT	2,454,835	2,754,659	2,753,708	2,931,680
Capacity utilization	%	95	81	81	86

72. It is observed that capacity utilization of the domestic industry declined during POI as compared to the base year, despite increasing demand.

(f) **Production**

73. Production data of the domestic industry is given in the following table:-

	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Production	MT	2,454,835	2,754,659	2,753,708	2,931,680
Trend	Indexed	100	112	112	119
Demand	MT	3,464,251	3,952,359	3,886,084	4,098,329
Trend	Indexed	100	114	112	118
Production in relation to Demand	%	71	70	71	72

74. It is observed that production of the domestic industry has increased due to increase in capacity.

(g) Sales volume

75. Sales volume of the domestic industry is given in the following table:

|--|

Domestic sales (Including captive consumption)	MT	2454129	2760771	2739514	2906540
Trend	Indexed	100	112	112	118
Demand	MT	3,464,251	3,952,359	3,886,084	4,098,329
Trend	Indexed	100	114	112	118
Market Share of					
domestic industry in	%	71	70	70	71
Demand					

76. It is observed from the above table that sales of the domestic industry have increased during the POI as compared to the base year.

I. Price Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry

77. With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Designated Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. For the purpose of this analysis, the weighted average cost of production (COP), weighted average Net Sales Realization (NSR) and the Non-Injurious Price (NIP) of the domestic industry have been compared with the landed cost of imports from the subject countries.

i. Price Undercutting

78. The net sales realization has been arrived after deducting outward freight and taxes. Landed value of imports has been calculated by adding 1% handling charge and applicable basic customs duty including applicable cess to the CIF value of subject imports. The landed value of imports was compared with net sales realization of the domestic industry and it was found that the price undercutting from the subject countries is only *** % during the POI.

	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Subject Countries					
Landed price of imports	Rs./MT	46,073	53,950	62,580	64,673
Net Selling Price	Rs./MT	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs./MT	***	***	***	***
Price Undercutting %	%	***	***	***	***
Price Undercutting Range	Range %	negative	negative	0-10	0-10

	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
China					
Landed price of imports	Rs./MT	-	60,567	58,382	63,851
Net Selling Price	Rs./MT	-	***	***	***
Price Undercutting	Rs./MT	-	***	***	***
Price Undercutting	%	-	***	***	***
Price Undercutting Range	Range %	-	negative	0-10	0-10

	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Korea RP					
Landed price of imports	Rs./MT	45,819	52,878	62,581	64,677
Net Selling Price	Rs./MT	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs./MT	***	***	***	***
Price Undercutting %	%	***	***	***	***
Price Undercutting Range	Range	negative	negative	0-10	0-10

	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Thailand					
Landed price of imports	Rs./MT	46,570	54,997	63,150	64,865
Net Selling Price	Rs./MT	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs./MT	***	***	***	***

Price Undercutting %	%	***	***	***	***
Price Undercutting Range	Range	negative	negative	negative	0-10

	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
European Union					
Landed price of imports	Rs./MT	43,312	51,599	63,024	63,824
Net Selling Price	Rs./MT	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs./MT	***	***	***	***
Price Undercutting %	%	***	***	***	***
Price Undercutting Range	Range	0-10	negative	negative	0-10

ii. Price Underselling

79. Authority notes that the price underselling is an important indicator of assessment of injury. Non injurious price has been worked out and compared with the landed value of the subject goods to arrive at the extent of price underselling. The non-injurious price has been determined considering the cost of production of the domestic industry for the product under consideration during the POI, in accordance with Annexure III of the Anti-dumping Rules. The analysis shows that during the POI the landed value of subject imports were below the non-injurious price of the domestic industry as can be seen from the table below.

Particulars	Unit	China	Korea	Thailand	EU
Non-injurious price*	Rs./MT	***	***	***	***
Landed price (POI)	Rs./MT	63851	64677	64865	63824
Price underselling	Rs./MT	***	***	***	***
Underselling	%	***	***	***	***
Underselling	% Range	0-10	0-10	0-10	0-10
Note: NIP is based on weight	ghted average of month	-wise working			

iii. Price suppression/depression

80. The Authority examined whether the effect of the dumped imports was to depress the prices of the like article in India, or prevent price increases which would have otherwise occurred.

Particulars	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Cost of Production	Rs./MT	***	***	***	***
Indexed	Trend	100	114	156	175
Selling Price	Rs./MT	***	***	***	***
Indexed	Trend	100	112	138	145
Landed price of imports (Subject countries as a whole)	Rs./MT	46,073	53,950	62,580	64673
Indexed	Trend	100	117	136	140

It may be seen from the table above that the cost of production has increased from 100 to 175 from 2009-10 to POI, the selling price increased only from 100 to 145 during the same period, thereby the prices were suppressed on account of dumped imports, as the domestic industry was not able to increase its prices in proportion to increase in costs. Even though the landed prices have increased over the years, they are lower than the sales realization of the domestic industry during the POI. The imports were thus suppressing the prices of the domestic industry.

J. Economic parameters of the domestic industry

i. Profit/Loss

81. The profitability of the domestic industry is given in the following table;

Particulars	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Profits	Rs./Lacs	***	***	***	***
Indexed	Indexed	100	114	(39)	(120)
Cash Profit	Rs./Lacs	***	***	***	***

Indexed	Indexed	100	125	2	(63)
ROCE	%	***	***	***	***
Indexed	Indexed	100	117	(33)	(116)

82. It is seen from the above table that profitability of the domestic industry declined significantly during the POI as compared to the base year. Cash profits as well as return on investment have also declined in the POI compared to base year as well as the previous year.

ii. Cash Flow

83. Authority has examined the trends in cash profits in order to examine the impact of dumping on cash flow situation of the domestic industry. Information regarding cash profit of the domestic industry is given in the following table.

	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Cash profits	Rs./Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	125	2	(63)

It is seen that the cash profits of the domestic industry declined from 2011-12.

iii. Inventories

84. Inventories with the domestic industry moved as follows;

	Units	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Average Stock	MT	4,747	3,634	3,554	11,069
Stock as No. of days sale	Days	***	***	***	***

It is noted that inventories with the domestic industry increased in the POI as compared to the base year as well as the previous year.

iv. Productivity

85. Authority notes that productivity of the domestic industry has increased during the POI as compared to base year.

Particulars	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Productivity per Employee	MT	***	***	***	***
Productivity per day	MT	7014	7870	7868	8376

v. Employment and Wages

86. It is seen from the table below that the employment level has increased during the POI marginally as compared to the base year.

Particulars	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Employment	Nos.	***	***	***	***
	Indexed	100	107	105	104
Wages	Rs/Lacs	***	***	***	***
	Indexed	100	152	174	175

vi. Magnitude of Dumping

87. Magnitude of dumping as an indicator of the extent to which the dumped imports can cause injury to the domestic industry shows that the dumping margins determined in respect of the subject countries are above de-minimis except in respect of imports from Taekwang Industrial Co. Ltd., Korea RP.

vii.Growth

88. The Authority notes from the table below that growth of the domestic industry in respect of production, domestic sales, profit/loss, ROI, etc have declined during the POI as compared to the growth achieved in 2010-11.

Particulars	Unit	2009-10	2010-11	2011-12	POI
Production	%	-	12.21	(0.03)	6.46
Domestic Sales Volume	%	-	12.49	(0.77)	6.10
Cost of Sales	%	-	16.20	41.06	9.84
Selling Price	%	-	12.07	22.92	5.28
Profit/ Loss per unit	%	-	(14.41)	(134.98)	(365.35)
Return on Capital Employed	%	-	16.71	(127.93)	(456.09)

iii. Ability to raise capital investment

89. The Authority notes that one of the constituent of the domestic industry is involved in production of multiple goods and ability to raise capital is not a factor for injury analysis. Further, the other constituent domestic industry has been referred to BIFR.

K. Conclusion on material injury

90. In view of the above, the Authority provisionally concludes that the dumped imports of the subject goods from the subject countries have increased in absolute terms as also in relation to production and consumption of the subject goods in India. However, imports of the subject goods from the subject countries are undercutting the prices of the domestic industry in the market marginally. Further, whereas cost of production kept increasing over the injury period, even though the selling prices also increased, the increase in selling price was not in proportion to the increase in cost of production. The imports were thus suppressing the prices of the domestic industry and preventing the price increase that would have otherwise occurred in the absence of dumped imports. With regard to consequent impact of the dumped imports on the domestic industry, it is found that demand for the product increased significantly, however production and sales of the domestic industry increased, but not in proportion to the increase in demand. Resultantly, the domestic industry did not appreciate its market share despite increase in capacity and demand, which in turn impacted other performance parameters as well. The domestic industry was faced with significant unutilized capacities in a situation where the demand for the product is quite significant in the market. Profitability of the domestic industry declined. Return on capital employed and cash profits followed the same trend as that of profits. Both return on capital employed and cash profits marked negative growths in POI. Growth in respect of most of the parameters such as production, sales, capacity utilization, profits, cash profits, return on capital employed, market share & inventory etc shows an adverse impact on the domestic industry. It is thus provisionally concluded that the domestic industry has suffered material injury.

L. CAUSAL LINK AND OTHER FACTORS

91. Having examined the existence of material injury, volume and price effects of dumped imports on the prices of the domestic industry, in terms of its price underselling and price suppression, and depression effects, other indicative parameters listed under the Indian Rules and Agreement on Anti-Dumping have been examined to see whether any other factor, other than the dumped imports could have contributed to injury to the domestic industry. Accordingly, the following parameters have been examined:—

(a) Volume and prices of imports from third countries

92. During POI, imports of the subject goods from countries other than the subject countries have been in significant in volume. Therefore, the imports from other countries cannot be considered to have caused injury to the domestic industry.

(b) Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

93. There is no evidence of trade restrictive practices of and competition between the foreign producers and domestic producers causing injury to the domestic industry.

(c) Contraction of demand or Changes in the pattern of consumption

94. The Authority notes that demand for the product showed significant increase during the injury period and also during POI. The Authority thus provisionally concludes that injury to the domestic industry was not due to contraction in demand.

(d) <u>Development in Technology</u>

95. None of the interested parties have furnished any evidence to demonstrate significant changes in technology that could have caused injury to the domestic industry.

(e) Export performance of Domestic Industry

96. Performance of the domestic industry has been segregated for domestic and export market. Therefore, any possible decline in export performance is not a cause of any injury.

(f) Productivity of the Domestic Industry

- 97. Productivity of the domestic industry has increased during the POI. However, profitability of the domestic industry showed decline.
- 98. From the foregoing, the Authority provisionally concludes that there is no evidence of injury being caused due to any other factor other than the dumped imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries.

M. FACTORS ESTABLISHING CAUSAL LINK

- 99. Analysis of the performance of the domestic industry over the injury period shows that the performance of the domestic industry has materially deteriorated over the injury period. The causal link between dumped imports and the injury to the domestic industry is established on the following grounds:
 - i The dumped imports of the subject goods from the subject countries have increased in absolute terms as also in relation to production and consumption of the subject goods in India.

- ii Imports of the subject goods from the subject countries are undercutting the prices of the domestic industry in the market, although marginally.
- iii Whereas cost of production kept increasing over the injury period, even though the selling prices also increased, the increase in selling price was not in proportion to the increase in cost of production.
- iv The imports were suppressing the prices of the domestic industry and preventing the price increase that would have otherwise occurred in the absence of dumped imports.
- v Profitability of the domestic industry declined. Return on capital employed and cash profits followed the same trend as that of profits. Both return on capital employed and cash profits marked negative growths in POI on account of dumped imports.
- vi Growth in POI in respect of most of the parameters such as sales, capacity utilization, profits, cash profits, return on capital employed, market share & inventory etc. shows an adverse impact on the domestic industry.
- vii The financial performance of the domestic industry has deteriorated in respect profit, ROI and cash flow, due to dumped imports.
- 100. Thus the Authority concludes for the purpose of the present preliminary findings that the domestic industry suffered material injury due to dumped imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries.

N. MAGNITUDE OF INJURY AND INJURY MARGIN

101. The Authority has determined non-injurious price for the domestic industry on the basis of principles laid down in the Rules, as amended. The non-injurious price so determined has been compared with the landed prices of imports from the subject countries.

S.No.	Channel of Export	Name of producer	Exporter	Non Injurious Price Rs./MT	Landed price Rs./MT	Injury margin Rs./MT	Injury margin US\$./MT	Injury margin %	Injury margin Range %
				China	PR		1		
1	Any	All Producers	All Exporters	***	***	***	***	***	0-10
					Korea RP				
2	Korea RP-India	Samsung General Chemical Co. Ltd.	Samsung C&T	***	***	***	***	***	0-10
3	Korea RP-India Taekwang Industrial Co. Ltd.		Taekwang Industrial Co. Ltd,	***	***	***	***	***	0-10
4	Any	All Other Producers	All Other Exporters	***	***	***	***	***	5-15
					Thailand				
5	Thailand - India	Indorama Petrochem Ltd.	Indorama Petroche m Ltd	***	***	***	***	***	0-10
6	Thailand - India	TPT Petrochemicals Public Limited	TPT Petroche- micals Public Limited	***	***	***	***	***	0-10
7	Any	All other producers	All Other Exporters	***	***	***	***	***	5-15
				Europ	ean Union				
8	Any	All Producers	All Exporters	***	***	***	***	***	0-10

O. CONCLUSIONS:

- 102. After examining the issues raised and submissions made by the interested parties and facts made available before the Authority as recorded in this finding, the Authority provisionally concludes that:
 - a. The product under consideration has been exported to India from subject countries below its normal value, thus resulting in dumping.
 - b. The domestic industry has suffered material injury due to dumping of the product under consideration from the subject countries.

c. The material injury has been caused by the dumped imports from the subject countries.

P. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES

- 103. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the Country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.
- 104. It is recognized that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

Q. RECOMMENDATIONS

- The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspect of dumping, injury and causal links. Having initiated and conducted a preliminary investigation into dumping, injury and causal links in terms of the provisions laid down under the Anti-dumping Rules and having provisionally established positive dumping margin as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of provisional duty is required to offset dumping and injury, pending completion of the investigation. Therefore, Authority considers it necessary and recommends imposition of provisional anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject countries in the form and manner described hereunder;
- 106. The Authority notes that Indorama Petrochem Ltd, Thailand and TPT Petrochemicals Public Limited, Thailand are related companies operating in Thailand and exported the subject goods to their own related party in India i.e. M/s.

 ***. In view of their relationship, the Authority has recommended the provisional antidumping duty on weighted average basis for both the related exporters so as to avoid circumvention of antidumping duty.
- 107. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of provisional anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and the margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, provisional antidumping duty equal to the amount mentioned in Col. 8 of the table below is recommended to be imposed from the date of notification by the Central Government, in the event of acceptance of these recommendations by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from China PR, Korea RP, Thailand and European Union.

DUTY TABLE

S. No.	Heading/ Subheading	Description of goods	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Duty amount	Unit MT	Currency US\$
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1	29173600	Purified Terephthalic Acid'	China PR	China PR	Any	Any	62.82	MT	US\$
2	-do-	-do-	China PR	Any country other than those subject to Anti- dumping duty	Any	Any	62.82	MT	US\$
3	-do-	-do-	Any country other than those subject to Anti- dumping duty		Any	Any	62.82	MT	US\$
4	-do-	-do-	Korea RP	Korea RP	Samsung General Chemical Co. Ltd.	Samsung C&T	29.86	МТ	US\$
5	-do-	-do-	Korea RP	Korea RP	Taekwang Industrial Co.	Taekwang Industrial Co.	19.05	MT	US\$

					Ltd.	Ltd.			
6	-do-	-do-	Korea RP	Korea RP	Any combinat	,	117.09	MT	US\$
					mentioned in Sl.	mentioned in Sl. No. 4 to 5 above			
7	-do-	-do-	Korea RP	Any country other than those subject to Anti- dumping duty		Any	117.09	MT	US\$
8	-do-	-do-	Any country other than those subject to Anti- dumping duty		Any	Any	117.09	MT	US\$
9	-do-	-do-	Thailand	Thailand	Indorama Petrochem Ltd	Indorama Petrochem Ltd.	27.49	MT	US\$
10	-do-	-do-	Thailand	Thailand	TPT Petrochemicals Public Limited	TPT Petrochemicals Public Limited	27.49	MT	US\$
11	-do-	-do-	Thailand		Any combinat mentioned in Sabove	ion other than Sl. No. 9 to 10	99.51	MT	US\$
12	-do-	-do-	Thailand	Any country other than those subject to Anti- dumping duty	,	Any	99.51	MT	US\$
13	-do-	-do-	Any country other than those subject to Anti- dumping duty		Any	Any	99.51	MT	US\$
14	-do-	-do-	EU	EU	Any	Any	23.75	MT	US\$
15	-do-	-do-	Any country other than those subject to Anti- dumping duty		Any	Any	23.75	МТ	US\$
16	-do-	-do-	EU	Any country other than those subject to Anti- dumping duty	,	Any	23.75	MT	US\$

(R) FURTHER PROCEDURE

108. The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:-

- a. The Authority invites comments on these provisional findings from all interested parties and the same, considered relevant by the Authority, would be considered in the final findings;
- b. Exporters, importers, the applicant and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of the dispatch of these preliminary findings. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings.
- c. The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary.
- d. The Authority would disclose essential facts as per the Anti-dumping Rules before announcing final findings.

J.K. DADOO, Designated Authority